हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, मंगलवार 22 अप्रैल 2025

Learners to Leaders

Nurtured by ALLEN

Result: JEE Main 2025

ALLEN JEE Main 2025 results validated by

Official result validator

EY

AIR 1 — PERFECT 300/300 SCORER
OM PRAKASH BEHERA
3-year classroom course

AIR 10 — Overall 100 %ile
SAKSHAM JINDAL
3-year classroom course

AIR 11 — Overall 100 %ile
ARNAV SINGH
6-year classroom course

AIR 13 — Overall 100 %ile
ARCHISMAN NANDY
1-year classroom course

AIR 16 — Overall 100 %ile
RAJIT GUPTA
7-year classroom course

AIR 17 — Overall 100 %ile
MOHAMMAD ANAS
6-year classroom course

AIR 22 — Overall 100 %ile
LAKSHYA SHARMA
6-year classroom course

11 Students in Top 25 AIR

20 State Toppers

33 Students in Top 100 AIR

AIR 26 — Vaibhav Vatsal — 1-year classroom course
AIR 34 — Kalp H. Shah — 2-year classroom course
AIR 35 — Vedansh Garg — 2-year classroom course
AIR 49 — Yashaswi Jain — 6-year classroom course
AIR 50 — Dishaanth Basu — 1-year classroom course
AIR 51 — Aritro Ray — 1-year Online Live Course
AIR 55 — Dhruba Jyoti Panja — 1-year classroom course
AIR 60 — Samudra Sarkar — 4-year classroom course
AIR 63 — Vivaan Bhatia — 7-year classroom course
AIR 65 — Devesh Bhaiya — 7-year classroom course
AIR 72 — Akshat Kr. Chaurasia — 2-year classroom course
AIR 74 — Shiv Velnad — 3-year classroom course

AIR 76 — Garv — 3-year classroom course
AIR 85 — Udit Jaiswal — 2-year classroom course
AIR 87 — Aagam Shah — 6-year classroom course
AIR 88 — Darshil Dayma — 2-year classroom course
AIR 91 — Jay Agarwal — 2-year classroom course
AIR 92 — Thrayambhakesh H — 3-year classroom course
AIR 99 — Shourya Agrawal — 2-year classroom course

Online Test Series & DLP Course Champions

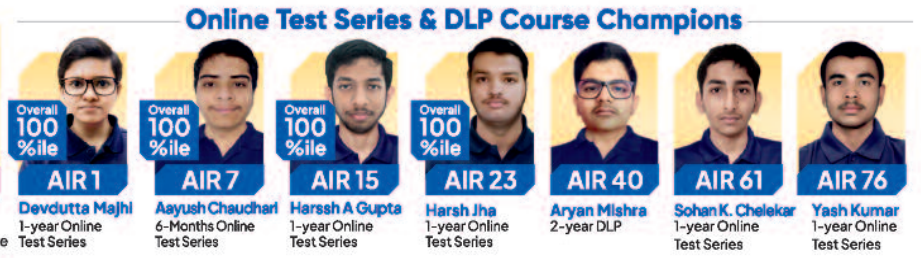

Overall 100 %ile — AIR 1 — Devdutta Majhi — 1-year Online Test Series
Overall 100 %ile — AIR 7 — Aayush Chaudhari — 6-Months Online Test Series
Overall 100 %ile — AIR 15 — Harssh A Gupta — 1-year Online Test Series
Overall 100 %ile — AIR 23 — Harsh Jha — 1-year Online Test Series
AIR 40 — Aryan Mishra — 2-year DLP
AIR 61 — Sohan K. Chelekar — 1-year Online Test Series
AIR 76 — Yash Kumar — 1-year Online Test Series

ALLEN Chhattisgarh Champions

AIR 1 — General PwBD — 99.961%ile
Harshal Gupta — 4-year classroom student

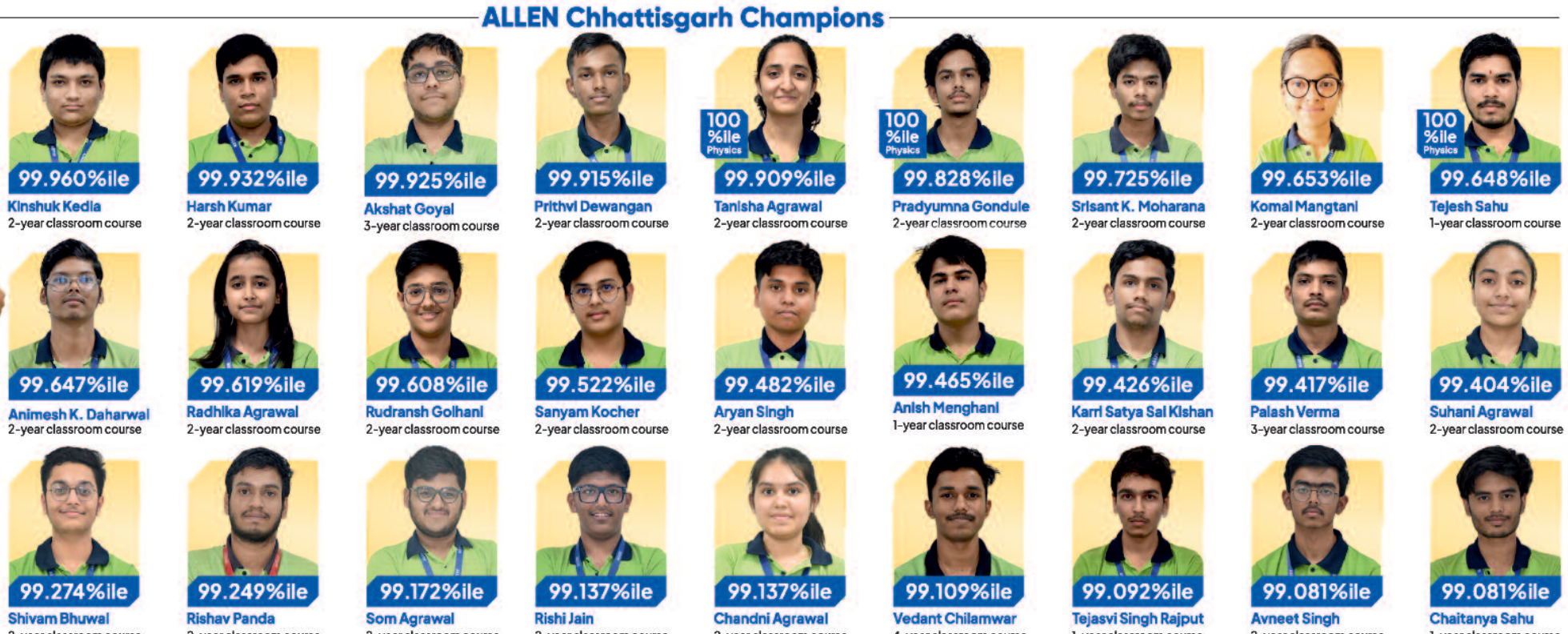

99.960%ile — Kinshuk Kedia — 2-year classroom course
99.932%ile — Harsh Kumar — 2-year classroom course
99.925%ile — Akshat Goyal — 3-year classroom course
99.915%ile — Prithvi Dewangan — 2-year classroom course
100 %ile Physics — 99.909%ile — Tanisha Agrawal — 2-year classroom course
100 %ile Physics — 99.828%ile — Pradyumna Gondule — 2-year classroom course
99.725%ile — Srisant K. Moharana — 2-year classroom course
99.653%ile — Komal Mangtani — 2-year classroom course
100 %ile Physics — 99.648%ile — Tejesh Sahu — 1-year classroom course
99.647%ile — Animesh K. Daharwal — 2-year classroom course
99.619%ile — Radhika Agrawal — 2-year classroom course
99.608%ile — Rudransh Golhani — 2-year classroom course
99.522%ile — Sanyam Kocher — 2-year classroom course
99.482%ile — Aryan Singh — 2-year classroom course
99.465%ile — Anish Menghani — 1-year classroom course
99.426%ile — Karri Satya Sai Kishan — 2-year classroom course
99.417%ile — Palash Verma — 3-year classroom course
99.404%ile — Suhani Agrawal — 2-year classroom course
99.388%ile — Monik Maliwal — 1-year classroom course
99.274%ile — Shivam Bhuwal — 2-year classroom course
99.249%ile — Rishav Panda — 2-year classroom course
99.172%ile — Som Agrawal — 2-year classroom course
99.137%ile — Rishi Jain — 2-year classroom course
99.137%ile — Chandni Agrawal — 2-year classroom course
99.109%ile — Vedant Chilamwar — 4-year classroom course
99.092%ile — Tejasvi Singh Rajput — 1-year classroom course
99.081%ile — Avneet Singh — 2-year classroom course
99.081%ile — Chaitanya Sahu — 1-year classroom course

3 Students perfect 100 %ile in physics

6 Students above 99.9%ile

30 Students above 99%ile

ADMISSIONS OPEN

NEET (UG) | JEE (Main+Adv.) | Olympiads | Class 8th to 12th & 12th Pass

NEW BATCHES FROM 23 APRIL ONWARDS

For test dates & course start dates visit website or nearest center.

SIGN-UP FOR ASAT (Scholarship Test)

TEST DATES: 27 April & 04 May

GET UP TO 90 % SCHOLARSHIP*

For Direct Admission — Visit Your Nearest ALLEN Center.

ALLEN

ALLEN Raipur Center
8951395440 allen.ac.in/raipur

ALLEN Kota Center
0744-3556677 allen.ac.in

Disclaimer: We provide an academic ecosystem and environment to prepare students for their target examinations. Studying in a coaching institute does not guarantee selection for the examination. Selection depends on preparation, admission seats in competitive exam and the number of applicants appearing. All the students mentioned are part of paid courses. DLP: Distance Learning Program.

As per result compiled till 19 April 2025 (07:00 PM)

*Subject to the scholarship rules and the T&Cs.

9 महिलाओं से किया था प्रेम विवाह

जिले में सनसनीखेजा मामला सामने आया है, पति ने चावल, साड़ी और तेल चुराकर ले जा रही हो कहकर अपनी 10वीं पत्नी को मार डाला। पत्थर से सिर कुचल दिया। मर्डर के बाद लाश को जंगल में गाड़ दिया। फिर वहीं सो गया। वारदात बगीचा थाना क्षेत्र की है। घटना के बाद गांव में आक्रोश और दहशत का माहौल है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ जशपुर

ग्रामीणों का कहना है कि ढुला राम की मानसिक हालत पहले से ही संदेहास्पद थी। लोगों ने प्रशासन से आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। जानकारी के अनुसार गांव के कोटवार ने रोपा-क्यारी नाले के पास रविवार को एक महिला का सड़ा-गला शव देखा। पुलिस को सूचना दी गई तो जांच शुरू हुई। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि महिला की मौत सिर पर वार के कारण हुई है। इसके बाद पुलिस ने मर्डर का केस बनाकर आरोपी की तलाश तेज की।

पहली पत्नी के रहते 9 साल में की 9 शादियां

आरोपी ने पुलिस को बताया कि अब तक कुल 10 शादियां की हैं। बसंती उसकी 10वीं पत्नी थी। उसने 9 साल में 9 शादियां कर चुका है। पहली पत्नी की 2 साल पहले मौत हो चुकी है। पहली पत्नी से 3 बच्चे हैं, जिसमें 2 लड़के और एक लड़की है।

आरोपी गिरफ्तार, हत्या में इस्तेमाल पत्थर बरामद

एसएसपी शशि मोहन सिंह ने बताया कि आरोपी ढुलू राम को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल किया गया पत्थर भी जब्त कर लिया गया है। आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने आरोपी को जेल भेज दिया है।

शादी के दौरान चावल, साड़ी और तेल चुराकर ले जा रही थी

पुलिस के अनुसार आरोपी ढुलू राम उम्र 38 वर्ष ने बताया कि 17 अप्रैल की शाम वह अपनी पत्नी बसंती बाई के साथ भतीजे की शादी में गया था। जहां पैर पखारने का कार्यक्रम चल रहा था। इसी समय उसकी पत्नी घर से चावल, साड़ी और तेल चुराकर ले जा रही थी। चोरी करते मां ने देख लिया। जब यह बात मुझे बताई। आरोपी ने बताया कि इससे मुझे गुस्सा आ गया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच झगड़ा हुआ। नशे में होने के कारण पिटाई की। इसके बाद बसंती को पास के जंगल में ले जाकर मारकर फेंक दिया। हत्या के बाद लाश के पास सो गया। सुबह उठकर शव को एक गड्ढे में छिपाकर भाग गया।

साड़ी और तेल चोरी करके भाग रही 10वीं पत्नी को मारकर गाड़ा, रातभर लाश के पास सोया रहा

खबर संक्षेप

विस्फोटक पदार्थ के साथ 4 गिरफ्तार

कोंटा। सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने की नीयत से रेकी कर रहे थाना केरलापाल क्षेत्र के ग्राम गोगुण्डा इत्तापारा के 4 लोगों को गिरफ्तार करने में पुलिस को सफलता मिली है । वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर थाना केरलापाल से पुलिस बल की संयुक्त पार्टी ग्राम सिरसेट्टी, गोगुण्डा, पोंगाभेज्जी की ओर व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुई थी । इस दौरान ग्राम सिरसेट्टी एवं गोगुण्डा के मध्य कुछ संदिग्ध व्यक्ति थैला पकड़े हुए थे जो पुलिस पार्टी को देखकर छिपने की कोशिश कर रहे थे, जिन्हें गिरफ्तार किया गया है । गिरफ्तार माड़वी जोगा मिलिशिया, मुचाकी कोसा, मुचाकी देवा, माड़वी हिड़मा सभी निवासी गोगुण्डा इत्तापारा के हैं। वैधानिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार कर आज न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड मिलने पर जेला भेजा गया।

ठेकेदार और सुपरवाइजर के खिलाफ जुर्म दर्ज

भिलाई। काम करते समय विद्युत करंट की चपेट में आने से ठेका श्रमिक की मौत मामले में पुलिस ने जांच के बाद मिशन ठेकेदार और उसके सुपरवाइजर के खिलाफ जुर्म दर्ज किया है। दोनों के खिलाफ धारा 304 ए, 34 के तहत कार्रवाई की गई। सुपेला पुलिस ने बताया कि अंजोरा ढाबा थाना बोरी निवासी मृतक दुर्गेश लोहार 23 वर्ष समेत अन्य कर्मी कटिंग मशीन से दीवार कटिंग कर रहे थे। इस दौरान ठेकेदार परमानंद साहू, सुपरवाइजर पुरुषोतम पटेल ने दुर्गेश को किसी प्रकार से विद्युत सुरक्षा उपकरण मुहैय्या नहीं कराया। बल्कि लापरवाही पूर्वक कोर कटिंग मशीन से काम कराने के कारण कर्मी दुर्गेश विद्युत करेंट की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। जांच में प्रथम दृष्टया ठेकेदार परमानंद साहू एवं सुपरवाईजर पुरुषोत्तम पटेल की लापरवाही सामने आई। घटना 13 जून 2024 की है। पीएम रिपोर्ट में हार्ट का हिस्टोपैथोलॉजी परीक्षण कराया गया। जिसमें दुर्गेश की मौत बिजली करेंट लगने से होना पाया गया।

चखना सेंटर में रखे सिलेंडर में लगी आग

धमतरी। शराब दुकान के पास स्थित चखना सेंटर में उपयोग किए जा रहे सिलेंडर से अचानक आग लग जाने से अफरा-तफरी मच गई। फायर ब्रिगेड की टीम किसी तरह सिलेंडर की आग बुझाने में सफल हुई है। मिली जानकारी के अनुसार रत्नाबांधा रोड स्थित शराब दुकान के पास चखना सेंटर संचालित है जहां सोमवार की दोपहर कस्टमर के लिए अंडा बनाया जा रहा था। इस दौरान लीकेज होने के कारण सिलेंडर में आग लग गई। सिलेंडर में आग लगी देख खोमचा के कर्मचारियों व आसपास हड़कंप मच गया। सिलेंडर फटने की आशंका के चलते खोमचा के कर्मचारियों ने घटना की सूचना फायर ब्रिगेड को दी। सूचना मिलते ही दमकल की टीम बिना समय गवाएं फायर ब्रिगेड के वाहन के साथ तत्काल घटनास्थल पहुंची।

पीड़िता का वायरल हुआ वीडियो, सुनवाई नहीं होने की बताई पीड़ा

बुजुर्ग महिला को स्याही से नहीं मिला न्याय तो खून से लिखा राष्ट्रपति को पत्र

गोरेलाल सिन्हा ⏭ गरियाबंद

गरियाबंद जिले से एक अनोखा और मार्मिक मामला सामने आया है, जिसने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों को भी सोचने पर मजबूर कर दिया है। जमीन विवाद से वर्षों से जूझ रही एक बुजुर्ग महिला ने जब स्याही से लिखे आवेदन पर कोई सुनवाई नहीं होते देखी, तो उसने अपने खून से राष्ट्रपति को पत्र लिख डाला। यह पत्र अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। मामला छुरा क्षेत्र की रहने वाली 70 वर्षीय ओम बाई बघेल का है, जो टीबी जैसी गंभीर बीमारी से भी जूझ रही हैं। ओम बाई ने बताया कि उनकी पुश्तैनी जमीन में वर्षों से रिवाज के अनुसार पूर्वजों की समाधि (मठ) बनी हुई थी। लेकिन छुरा निवासी संतोष सारड़ा ने उस जमीन पर कब्जा कर लिया और पूर्वजों का मठ भी तोड़वा दिया।

खास खबर

एक नजर

- 70 वर्षीय ओम बाई ने खून से राष्ट्रपति को पत्र लिखा
- पुश्तैनी जमीन और मठ पर कब्जे का आरोप
- वीडियो और पत्र सोशल मीडिया में वायरल
- प्रशासन का पक्ष—कानूनी कब्जा दिलाया गया
- पुलिस जांच जारी कार्रवाई का भरोसा

अन्य आरोपों की जांच जारीः एसडीओपी

एसडीओपी निशा सिन्हा ने बताया कि राजस्व विभाग द्वारा विधिवत कब्जा दिलाया गया था और उस दौरान पुलिस बल मौजूद था। सोशल मीडिया में जो आरोप लगाए गए हैं, उनकी जांच की जा रही है। यदि जांच में आरोप प्रमाणित होते हैं, तो विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

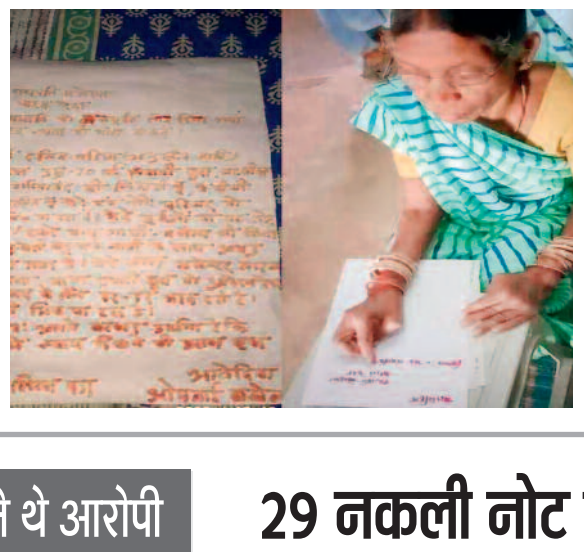

प्रशासन ने कहा-"कब्जा दिलाया, मठ टूटा इसकी जानकारी नहीं"

मामले पर छुरा तहसीलदार ने कहा कि यह भूमि विवाद पिछले तीन वर्षों से न्यायालय में लंबित था, जिसमें फैसला संतोष सारड़ा के पक्ष में आया है। राजस्व प्रावधानों के तहत उसे कब्जा दिलाया गया। मठ तोड़े जाने की घटना के बारे में तहसीलदार ने कहा कि प्रशासन के लौटने के बाद क्या हुआ, इसकी जानकारी नहीं है।

खून से लिखा न्याय का पत्र, वायरल हो रही बुजुर्ग की पुकार

जब कलेक्टर, एसपी और जिले के तमाम जिम्मेदार अफसरों से शिकायत के बाद भी राहत नहीं मिली, तो पीड़िता ने अपनी पीड़ा को खून से लिखकर पत्र को राष्ट्रपति के नाम स्पीड पोस्ट किया। वायरल हो रहे पत्र और रोते हुए वीडियो में ओम बाई ने बताया कि कब्जा दिलाने के बाद जब प्रशासन लौट गया, तो उनके साथ लगातार दुर्व्यवहार किया गया और महिलाओं का अपमान हुआ।

नए कलेक्टर से है उम्मीद

इधर, जिले के नए कलेक्टर भगवान उईके ने दीपक अग्रवाल से पदभार ग्रहण किया है। पीड़िता को अब नए कलेक्टर से न्याय की उम्मीद है।

रिश्वत मामला

जीएसटी अफसर ने गिरफ्तारी के बाद दाखिल की याचिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

दुर्ग के एक कारोबारी से 34 लाख रुपए की रिश्वत मांगने के आरोप में फंसे जीएसटी अफसर ने गिरफ्तारी के बाद हाइकोर्ट में याचिका दायर की है। सोमवार को चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की सिंगल बैंच में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कहा जांच एजेंसी ने अवैध संशोधन किया है कि जीएसटी राशि पर समझौता करने की मांग की गई थी, वास्तव में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा सूचित किया गया था, जो फरार हो गया है और उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है। इस मामले में सीबीआई ने एक अन्य विनय राय को अभियुक्त के रूप में पकड़ा था।

मामला रफादफा कराने 34 लाख की मांग

सेंट्रल जीएसटी की टीम ने 28-29 जनवरी 2025 को दुर्ग के स्टेशन रोड स्थित मेसर्स वर्ल्ड ऑफ ब्यूटी में छापेमारी की थी। तलाशी के दौरान गड़बड़ी पकड़े जाने पर संचालक लालचंद अठवानी से 34 लाख रुपए रिश्वत की मांग की गई थी। इस दौरान एक व्यक्ति ने लेन-देन कर पूरा मामला रफादफा कराने में मध्यस्थता की थी। लेन-देन की सूचना मिलने पर सीबीआई की टीम ने जाल बिछाया और 31 जनवरी की शाम वीआईपी रोड स्थित करेंसी टावर के पास 5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों ड्राइवर विनय राय को गिरफ्तार किया। विनय राय के बाद टीम ने जीएसटी अधीक्षक भरत सिंह को गिरफ्तार किया था।

देशी कट्टा बेचने का कारोबार करते थे आरोपी

मिर्जापुर स्टाइल में हवाई फायरिंग कर दहशत मचाने की कोशिश, 5 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

घुड़देवा क्षेत्र में कुछ लोग देर रात को मिर्जापुर स्टाइल में हवाई फायर कर दहशत मचाने की कोशिश कर रहे थे। सूचना पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और दहशत मचाने की कोशिश कर रहे युवकों को पकड़ लिया। पुलिस ने कट्टा लेकर खुलेआम घूम रहे और देसी कट्टे का अवैध कारोबार करने वाले 5 लोगों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से 3 देसी कट्टा, 3 कारतूस व बाइक बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले में आरोपियों को जेल भेज दिया है। बांकीमोंगरा थाना क्षेत्र अंतर्गत घुड़देवा बस्ती निवासी विकेश गुप्ता, धर्म सिंह, सेवा सागर तीनों युवक रविवार की रात लगभग 8:30 बजे घुड़देवा में देसी कट्टा लहरा रहे थे और इस दौरान विकेश गुप्ता नामक युवक ने देसी कट्टे से हवाई फायरिंग भी की थी जैसे ही पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी को यह सूचना मिली कि घुड़देवा बस्ती में कुछ लोगों ने हवाई फायरिंग की है और दहशत पहुंचाने की कोशिश कर रहे हैं फिर क्या था पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देश पर आईपीएस दर्री सीएसपी विमल पाठक तत्काल दलबल सहित मौके पर जा धमके और कट्टा लहराकर घूम रहे विकेश गुप्ता, धर्म सिंह, सेवा सागर को धरदबोचा।

पूर्व में भी बेच चुका था कट्टा

पुलिस ने तीनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ की तो पुलिस को ज्ञात हुआ कि विकेश गुप्ता नामक युवक ने पूर्व में घुड़देवा क्षेत्र में रहने वाले पिता पुत्र आनंद राम बघेल व उसका पुत्र सत्यलेख बघेल को भी देसीकट्टा बेचा था। फिर क्या था पुलिस की टीम आनंद राम बघेल के घर जा धमकी और आनंद राम बघेल और उसके पुत्र सत्यलेख बघेल के कब्जे से भी पुलिस ने देसीकट्टा और कारतूस बरामद कर लिया। पुलिस ने पकड़े गए सभी आरोपियों के कब्जे से 3 देसी कट्टा और 3 कारतूस बरामद किया है। पकड़े गए आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड में जेल भेज दिया है।

40 हजार में खरीदा था देसी कट्टा

सीएसपी दर्री विमल पाठक ने हरिभूमि से चर्चा करते हुए बताया कि विकेश गुप्ता देसीकट्टे का अवैध कारोबार करता था जिससे पूछताछ के दौरान यह जानकारी दी कि उसने 40 हजार रुपए में आनंद राम बघेल व उसके पुत्र सत्यलेख बघेल को देसी कट्टा बेचा था। जिसकी निशानदेही पर पुलिस ने देसी कट्टा पिता पुत्र के कब्जे से भी बरामद किया है और पूर्व में 18 हजार रुपए में देसी कट्टा को गिरवी भी रखा था। फिलहाल पुलिस पकड़े गए आरोपियों से कड़ी पूछताछ कर रही है अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि विकेश गुप्ता देसी कट्टा की खरीदी कहां से करता था। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है जांच के बाद ही मामले से पर्दा उठ सकेगा कि विकेश गुप्ता कहां से देसी कट्टे की खरीदी कर कोरबा में खपाया करता था। पहली बार जिला पुलिस ने एक साथ 3 देसी कट्टा व 3 कारतूस जब्त करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है।

29 नकली नोट के साथ युवक गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

भिलाई-तीन पुलिस ने 500 और 200 के 29 नकली नोट के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम नरेंद्र सिंह बताया गया है। चरोदा स्थित ज्योति विद्यालय के पास स्थित जलाराम बेकरी में नरेद्र सिंह महासमुंद निवासी बआइसक्रीम खरीदने के बहाने पहुंचा। दुकानदार को 500 रुपए का नकली नोट दिया। नोट की गुणवत्ता पर शक होने पर दुकानदार ने उसे बातों में उलझाए रखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और युवक की तलाशी ली तो उसकी जेब से 500 रुपए के 18 नकली नोट और 200 रुपए के 11 नकली नोट बरामद किए गए। कुल मिलाकर युवक के पास से नकली नोटों की संख्या 29 रही। आरोपी महासमुंद निवासी है। एडिशनल एसपी सुखनंदन राठौर के अनुसार आरोपी काफी शातिर किस्म का व्यक्ति है, जो छोटे दुकानदारों को निशाना बनाकर नकली नोट चलाने की फिराक में था।

खल्लारी के जंगल में हुआ शिकार तेंदुआ और गौर की मिली लाश

हाईटेंशन पोल से तार बिछाकर शिकार को अंजाम दिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

करंट के जाल में फंसकर जिले के बागबाहरा वन परिक्षेत्र में एक नर तेंदुआ और एक नर गौर की मौत हो गई। शिकार की यह घटना जिले बागबाहरा वन परिक्षेत्र के खल्लारी सर्किल के कक्ष रमांक 182 में सोमवार सुबह हुई। दोनों वन्य प्राणियों के शव सुबह पाए गए। मिली जानकारी के अनुसार खल्लारी पहाड़ी के नीचे जंगल मे अज्ञात शिकारियो ने हाई टेंशन बिजली पोल से लगभग 400 मीटर लंबा बिजली का तार बिछा कर शिकार को अंजाम दिया है। दोनों वन्य प्राणियों की मौत के बाद शिकारियों ने बिजली के तार सहित शिकार के अन्य औजार घटनास्थल से हटा लिया। मृत नर तेंदुए की आयु 05 से 06 वर्ष, लम्बाई 06 फीट 03 इंच एवं ऊंचाई 70 सेन्टीमीटर है। मृत तेंदुए के पैरों मे करेंट लगने के निशान दिखाई दे रहे है। मृत तेंदुए के शव से लगभग 50 मीटर दूर विशालकाय वन्य प्राणी गौर की भी करंट लगने से मौत हुई है।

करंट लगने से गई दोनों की जान

विशालकाय गौर की आयु लगभग 07 वर्ष और लंबाई - 09 फीट 06 इंच एवं ऊंचाई 05 फीट 03 इंच मापी गई है। वन विभाग के द्वारा मुनारा सर्वे किये जाने के चलते जब वन कर्मी जंगल मे पहुचे तब घटना की जानकारी सामने आई। घटनास्थल पर पहुंचे वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि अज्ञात शिकारियो के द्वारा शिकार के लिये बिजली के तार बिछाने पर तेंदुआ और गौर की करंट लगने से मौत हुई है। दोनों मृत वन्य प्राणियों का पोस्टमार्टम के बाद जलाकर अंतिम संस्कार किया जाएगा।

सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए छात्र 30 अप्रैल तक कर सकेंगे आवेदन

वेबसाइट में बड़ी गड़बड़ी...रविवि ने बढ़ाई आवेदन तिथि, व्यापम में दिव्यांग का विकल्प अपडेट नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सेमेस्टर परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं और भर्ती परीक्षाओं का सिलसिला प्रदेश में जारी है। इन सबके बीच वेबसाइट की धीमी गति से लेकर कई तरह की समस्याओं का सामना छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों को करना पड़ रहा है। शिकायतों के बाद जहां रविवि ने सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए आवेदन तिथि में वृद्धि की है तो वहीं व्यापम अब तक सहायक विस्तार अधिकारी के फॉर्म में दिव्यांग कोटे का विकल्प नहीं जोड़ सका है। इसे लेकर बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने व्यापम से पत्राचार भी किया है, लेकिन अब तक व्यापम द्वारा व्यवस्था में सुधार नहीं किया जा सका है। गौरतलब है कि व्यापम द्वारा सहायक विकास विस्तार अधिकारी के 200 पदों के लिए आवेदन मांगे गए हैं। इनमें दिव्यांगों के लिए 14 सीटें आरक्षित हैं। 7 अप्रैल से इसके लिए आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ की गई है। अभ्यर्थियों को 2 मई तक का समय इसके लिए दिया गया है। परीक्षा 15 जून को आयोजित की जाएगी। आवेदन करने के लिए वेबसाइट खोलने पर अभ्यर्थियों को दिव्यांग का विकल्प ही नहीं मिल रहा है। इस कारण दिव्यांग अभ्यर्थी आवेदन करने में असक्षम हैं।

फीस स्ट्रक्चर तय नहीं

बीते सप्ताह सरकार द्वारा निर्णय लिया गया था कि व्यापम और पीएससी की परीक्षाओं में शामिल होने के लिए अभ्यर्थियों को परीक्षा शुल्क प्रदान करना होगा। केवल उन्हीं अभ्यर्थियों का परीक्षा शुल्क वापस किया जाएगा, जो परीक्षा में शामिल होंगे। इसे लेकर विस्तृत दिशा-निर्देश अब तक व्यापम को नहीं मिल सके हैं। ऐसे में फीस स्ट्रक्चर सहित अन्य गाइडलाइन भी तय नहीं की जा सकी है। फिलहाल अभ्यर्थी बगैर फीस दिए निशुल्क आवेदन कर रहे हैं।

विलंब शुल्क के साथ 5 मई तक आवेदन

रविवि द्वारा मई-जून में आयोजित की जाने वाली सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए आवेदन 20 अप्रैल तक मंगाए गए थे। छात्रों को 100 रुपए विलंब शुल्क के साथ 26 अप्रैल तक का समय दिया गया था। अब रविवि ने तिथियों में वृद्धि की है। छात्र बगैर विलंब शुल्क 30 अप्रैल तक आवेदन कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त 100 रुपए विलंब शुल्क के साथ उन्हें 1 से 5 मई तक का समय दिया जाएगा।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

भारत में तीन दिन का राजकीय शोक

जन्म 17 दिसंबर, 1936

निधन 21 अप्रैल, 2025

नाम
जॉर्ज मारियो बर्गोग्लियो

पोप चुने गए
13 मार्च, 2013

वैश्विक नेताओं ने शोक व्यक्त किया और इसे विश्व के लिए एक बड़ी क्षति बताया

खासियत

- पोप फ्रांसिस 1300 साल में पहले गैर-यूरोपीय थे, जिन्हें पोप चुना गया था
- निधन से पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से मिले थे
- ईस्टर के मौके पर पोप ने वेंस को गिफ्ट भी दिए थे।

नहीं रहे पोप फ्रांसिस

विनम्र स्वभाव से विश्व पर अमिट छाप छोड़ी

कैथोलिक समुदाय के पहले लैटिन अमेरिकी पादरी पोप फ्रांसिस 88 साल की उम्र में दुनिया से अलविदा

एजेंसी ▶▶| वेटिकन सिटी

अपने विनम्र स्वभाव और गरीबों के प्रति चिंता एवं करूणा का भाव रखने वाले तथा एक सहृदय पोप के रूप में विश्व पर अपनी अमिट छाप छोड़ने वाले कैथोलिक समुदाय के पहले लैटिन अमेरिकी पादरी, पोप फ्रांसिस का सोमवार को निधन हो गया। वह 88 वर्ष के थे। फ्रांसिस के निधन के बाद अब सप्ताह भर चलने वाली वह प्रक्रिया शुरू हो गई, जिसमें लोग उनके अंतिम दर्शन कर सकेंगे। सबसे पहले, सेंट मार्टा चैपल में वेटिकन के अधिकारी और फिर सेंट पीटर्स में आम लोग उन्हें श्रद्धांजलि देंगे। इसके बाद, कार्डिनल्स कॉलेज के डीन कार्डिनल जियोवनी बैटिस्टा रे द्वारा उनका अंत्येष्टि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और नये पोप को चुनने के लिए एक बैठक होगी।

पीएम मोदी ने की थी पोप फ्रांसिस से मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पोप फ्रांसिस के निधन पर गहरा शोक जताया और कहा कि भारत के लोगों के लिए उनका स्नेह हमेशा याद रखा जाएगा। 2021 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यूरोप दौरे पर थे, तब उन्होंने वेटिकन सिटी में पोप फ्रांसिस से मुलाकात की। पोप फ्रांसिस से मोदी की यह पहली मुलाकात थी। पीएम मोदी ने पोप फ्रांसिस को भारत आने का न्योता भी दिया था। इसके बाद मोदी ने दूसरी बार G-7 समिट में 2024 में मुलाकात की थी।

अंतिम संस्कार की रस्मों को बनाया सरल

पोप फ्रांसिस ने पिछले साल कई रीति-रिवाजों में संशोधन किया था। उन्होंने अंतिम संस्कार की रस्मों को सरल बनाया ताकि वेटिकन के बाहर दफनाने की अनुमति दी जा सके। बदलाव के बाद अब पोप के पार्थिव शरीर को साइप्रस, सीसे और ओक से बने पारंपरिक ताबूत में रखने की आवश्यकता नहीं है। अब, पोप के पार्थिव शरीर को लकड़ी के ताबूत में रखा जाता है, जिसके अंदर जस्ते की एक परत होती है। फ्रांसिस ने कहा था कि वह सेंट पीटर बेसिलिका या उसकी गुफा में नहीं, जहां ज्यादातर पोप को दफनाया गया है, बल्कि शहर के दूसरी ओर स्थित सेंट मेरी मेजर बेसिलिका में दफनाया जाना चाहते हैं।

नौ दिनों का आधिकारिक शोक

पोप फ्रांसिस की अंत्येष्टि के साथ ही कैथोलिक चर्च का नौ दिनों का आधिकारिक शोक शुरू हो जाएगा। फ्रांसिस फेफड़ों संबंधी रोग से पीड़ित थे और युवावस्था में उनकी सर्जरी के दौरान चिकित्सकों को उनके फेफड़े का एक हिस्सा निकालना पड़ा था। पोप को 14 फरवरी 2025 को, सांस लेने में तकलीफ होने के कारण जेमेली अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

ईस्टर पर हजारों को दिया आशीर्वाद

हालांकि, वह अपने निधन से एक दिन पहले, बीते ईस्टर रविवार को सेंट पीटर्स स्क्वायर में हजारों लोगों को आशीर्वाद देने के लिए उपस्थित हुए और वहां उपस्थित लोगों ने तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। कार्डिनल फेरेल ने कहा, पोप फ्रांसिस ने चर्च को हमेशा सभी लोगों को समाहित करने के लिए विस्तारित किया और वह इससे किसी को भी बाहर नहीं रखना चाहते थे।

INDIAN PREMIER LEAGUE स्कोर बोर्ड

गुजरात 198/3 vs कोलकाता 159/8

39 रन से जीता से गुजरात

90 रन : शुभमन गिल
प्लेयर ऑफ द मैच

आज का मैच

दिल्ली vs लखनऊ

समय : शाम 7.30 बजे

खबर संक्षेप

वायुसेना हेलीकॉप्टर आपात स्थिति में उतरा

जामनगर। गुजरात के जामनगर जिले में भारतीय वायु सेना के एक हेलीकॉप्टर को एक बांध के पास आपात स्थिति में उतरना पड़ा। वैसे तो यह तत्काल पता नहीं चल पाया कि हेलीकॉप्टर में कितने लोग सवार थे, लेकिन पुलिस अधीक्षक ने पुष्टि की है कि कोई भी हताहत नहीं हुआ।

छत्तीसगढ़ के बाद झारखंड में नक्सलवाद के खिलाफ अभियान तेज

मुठभेड़ में मारे गए 8 नक्सली इनमें एक करोड़ का ईनामी भी

घटनास्थल से रिवॉल्वर एसएलआर समेत हथियार बरामद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रांची/नई दिल्ली

झारखंड के बोकारो जिले में सोमवार को पुलिस और सीआरपीएफ के कोबरा कमांडो के साथ मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए। इनमें से एक नक्सली उग्रवादियों की शीर्ष केंद्रीय समिति का सदस्य था और उस पर एक करोड़ रुपए का ईनाम घोषित था। घटनास्थल से एक रिवॉल्वर, 1 एसएलआर, 4 इंसास राइफल कई हथियार भी बरामद किए गए हैं।

यह मुठभेड़ जिले में लालपनिया इलाके के लुगु हिल्स में सुबह करीब साढ़े पांच बजे शुरू हुई। 209 कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन' (कोबरा) और राज्य पुलिस के अभियान में आठ नक्सली मारे गए और एक एके राइफल, तीन इंसास राइफल, एक 'सेल्फ लोडिंग राइफल' (एसएलआर), आठ देसी बंदूक एवं एक पिस्तौल बरामद की गई। मृतकों में उग्रवादी संगठन की केंद्रीय समिति का सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक, विशेष क्षेत्रीय समिति का सदस्य अरविंद यादव उर्फ अविनाश, जोनल समिति का सदस्य साहेबराम मांझी उर्फ राहुल मांझी, महेश मांझी उर्फ मोटा, तालु, रंजू मांझी, गंगाराम और महेश शामिल हैं।

विवेक पर एक करोड़ रुपए, अरविंद यादव पर 25 लाख रुपए और साहेबराम मांझी पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। हिंसा के विभिन्न मामलों में उनके खिलाफ मामले दर्ज थे। उन्होंने कहा कि केंद्रीय समिति माओवादी संगठन की निर्णय लेने वाली शीर्ष संस्था है। अधिकारियों ने बताया कि इस मुठभेड़ में किसी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की खबर नहीं है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा, इस मुठभेड़ के साथ ही उत्तरी छोटानागपुर क्षेत्र में माओवादी दस्तों का सफाया हो गया है। उन्होंने कहा, पूरे राज्य से ▶▶|शेष पेज 5 पर

पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त अभियान में की घेराबंदी

इन नक्सलियों को मार गिराया

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने कहा कि दस्ते में 16-17 नक्सली शामिल थे। मृतकों में उग्रवादी संगठन की केंद्रीय समिति का सदस्य प्रयाग मांझी उर्फ विवेक, विशेष क्षेत्रीय समिति का सदस्य अरविंद यादव उर्फ अविनाश, जोनल समिति का सदस्य साहेबराम मांझी उर्फ राहुल मांझी, महेश मांझी उर्फ मोटा, तालु, रंजू मांझी, गंगाराम और महेश शामिल हैं। विवेक पर एक करोड़ रुपए, अरविंद यादव पर 25 लाख रुपए और साहेबराम मांझी पर 10 लाख रुपए का इनाम घोषित था।

इस साल छत्तीसगढ़ में मारे गए 140 नक्सली

इस साल, छत्तीसगढ़ में अलग-अलग मुठभेड़ों में 140 से अधिक माओवादी मारे गए हैं। सुरक्षा अधिकारी छत्तीसगढ़ को देश में वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) का 'अंतिम गढ़' कहते हैं।

कोबरा बटालियन-पुलिस का संयुक्त अभियान

सीआरपीएफ की 209 कोबरा बटालियन और राज्य पुलिस इस ऑपरेशन में शामिल रही। कोबरा बटालियन जंगल युद्ध में विशेषज्ञ मानी जाती है और नक्सल प्रभावित इलाकों में लगातार सक्रिय रहती है। अधिकारियों के अनुसार, इस मुठभेड़ में कोई भी सुरक्षाकर्मी घायल नहीं हुआ है। लुगू और झुमरा पहाड़ लंबे समय से नक्सलियों के सुरक्षित ठिकानों में शुमार रहे हैं। इस कार्रवाई को सुरक्षा बलों की बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

4 इंसास राइफल एसएलआर और पिस्तौल समेत हथियार बरामद

जानकारी के मुताबिक, मुठभेड़ सोमवार सुबह करीब 5.30 बजे शुरू हुई, जो करीब ढाई घंटे तक चली। इस दौरान दोनों ओर से रुक-रुककर गोलियां चलती रहीं। नक्सलियों के साथ मुठभेड़ के दौरान सुरक्षा बलों ने एक रिवॉल्वर, 4 इंसास राइफल, एक एसएलआर समेत हथियार बरामद की हैं। सीआरपीएफ के मुताबिक, फिलहाल गोलीबारी बंद हो गई है। हालांकि, सर्च ऑपरेशन जारी है।

नक्सलवाद के खात्मा के लिए मिशन 26 पर दिल्ली में मंथन

छत्तीसगढ़ में नए कानून के तहत अब तक 53 हजार 981 एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। श्री शाह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में राज्य में तीन नए आपराधिक कानूनों के कार्यान्वयन को लेकर समीक्षा की गई। इसके साथ ही नक्सलवाद के उन्मूलन, बस्तर के समग्र विकास और राज्य में सुरक्षा व न्याय तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने पर भी चर्चा हुई।

बैठक में छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री विजय शर्मा सहित केन्द्रीय गृह मंत्रालय एवं राज्य सरकार के अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने साफ कहा, नए कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने में छत्तीसगढ़ अग्रणी भूमिका निभाएगा। बैठक में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय ▶▶|शेष पेज 5 पर

- सीएम साय बोले- नए कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा छत्तीसगढ़
- गृहमंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में आपराधिक कानूनों पर समीक्षा बैठक में शामिल हुए मुख्यमंत्री और डिप्टी सीएम विजय शर्मा

मुख्यमंत्री भी करें नए कानूनों की माह में एक बार समीक्षा

श्री शाह ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार को 60 और 90 दिनों के भीतर आरोपपत्र दाखिल करने के लिए पुलिस उप अधीक्षक स्तर के अधिकारियों की जवाबदेही तय करनी चाहिए। उन्होंने कहा, नए कानूनों में साक्ष्य की रिकॉर्डिंग से लेकर पूरे ट्रायल तक की प्रक्रिया वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से संभव है जिससे मैनपावर की काफी बचत होगी। ▶▶|शेष पेज 5 पर

सीएम आवास घेरने निकली कांग्रेस पुलिस ने रोका, जमकर हुई झड़प

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

कानून व्यवस्था पर उबाल, भाजपा ने कांग्रेस नेताओं को याद दिलाया उनके पांच साल का कार्यकाल

कांग्रेस ने सोमवार को बिगड़ती कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सीएम हाउस के घेराव के लिए कूच किया, लेकिन सभी बेरीकेड्स की बाधा पार नहीं कर सके। पुलिस ने उनको रोका, जिसे लेकर कांग्रेसियों और जवानों के बीच धक्कामुक्की, झड़प के हालात बने रहे। तय समय के मुताबिक कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता नगर निगम कार्यालय के सामने जमा हुए। निगम कार्यालय के सामने एक जनसभा में कांग्रेस नेताओं ने साय सरकार पर जोरदार हमला बोला। नेताओं का कहना था कि प्रदेश में लगातार कानून व्यवस्था की हालत बद से बदतर होती जा रही है। दिनों दिन अपराध का ग्राफ छत्तीसगढ़ में बढ़ता जा रहा है। पीसीसी चीफ दीपक बैज और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत सभा में ▶▶|शेष पेज 5 पर

विस में दिए गए आंकड़े

कांग्रेस का कहना है कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद पूरे प्रदेश में अपराध और अपराधी बेलगाम हो चुके हैं। सरकार ने विधानसभा में जो आंकड़े दिए हैं, उसके अनुसार राज्य में ▶▶|शेष पेज 5 पर

बैज ने गृहमंत्री से मांगा इस्तीफा

पीसीसी अध्यक्ष ने कहा, प्रदेश में अपराध का ग्राफ कम होने के बजाए लगातार बढ़ता जा रहा है। कानून व्यवस्था चौपट हो चुकी है। हत्या और महिलाओं से जुड़े अपराध बढ़ते जा रहे हैं। साय सरकार में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। सरकार इन अपराधों को रोकने में पूरी तरह से नाकाम साबित हो रही है। दीपक बैज सहित कांग्रेस नेताओं ने गृहमंत्री का इस्तीफा भी मांगा।

पुलिस ने लगाए टिन शेड के बैरिकेड्स

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए रायपुर पुलिस ने ओसीएम चौक पर खास इंतजाम किए थे। पुलिस ने यहां टिन शेड के बड़े-बड़े बैरिकेड्स लगाए थे। यहां पर जवान वाटर कैनन और आंसू गैस के गोले के साथ तैनात रहे। लाठियों के साथ पुलिस के जवान भी मैदान पर मोर्चा संभाले खड़े रहे। कार्यकर्ताओं ने बड़ी कोशिश की कि वो बैरिकेड्स पार कर आगे बढ़ें, लेकिन पुलिस ने उनको आगे बढ़ने से रोक दिया। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बिगड़ी कानून व्यवस्था को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने प्रशासन से मांग करते हुए कहा, लॉ एंड ऑर्डर को दुरुस्त किया जाए।

कानन जू के व्हाइट टाइगर आकाश ने तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

कानन पेण्डारी मीडियम जू में सोमवार की सुबह व्हाइट टाइगर आकाश ने दम तोड़ दिया। इसकी सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे डॉक्टर ने पोस्टमार्टम किया। रिपोर्ट में मौत की वजह हार्ट फेल होने की जानकारी मिली। कानन जू के अधिकारियों की मौजूदगी में व्हाइट टाइगर का अंतिम संस्कार किया गया।

प्रतिदिन की तरह सोमवार की सुबह कानन पेण्डारी जू में साफ-सफाई और अन्य कार्यों को करने के लिए स्टाफ पहुंचे थे। प्रति सोमवार कानन पेण्डारी जू का गेट बंद रहता है, जिसके कारण वहां सफाई व दूसरे कार्य किए ▶▶|शेष पेज 5 पर

पोस्टमार्टम में मिली हार्ट फेल की जानकारी

बच गए दो व्हाइट टाइगर

कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क में वर्तमान में तीन व्हाइट टाइगर थे, इनमें से दो मादा और एक नर था। इनमें से एक व्हाइट टाइगर आकाश ने ▶▶|शेष पेज 5 पर

मातम में बदली खुशियां

खाई में गिरा वाहन, दूल्हे के पिता-भाई समेत 6 की मौत

एजेंसी ▶▶| रायसेन

मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में सोमवार की सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक सवारी वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया से टकराया और सूखी खाई में जा गिरा। इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई है, वहीं तीन लोग घायल हुए हैं।

दूल्हा-दुल्हन के साथ दोनों परिवार के सदस्य पटना से इंदौर की तरफ जा रहे थे। उनका वाहन अनियंत्रित होकर पुलिया को तोड़ते हुए खाई में जा गिरा।

नींद की वजह से हादसा

आशंका इस बात की जताई जा रही है कि शायद वाहन चालक को नींद आ गई होगी और यह हादसा हो गया। इस हादसे में एक बच्चा, दो महिलाएं और तीन पुरुषों की मौत हुई है। हादसा कैसे हुआ, इस बात की जांच की जा रही है, मगर सुबह के समय हुए हादसे से यही लगता है कि वाहन चालक को नींद आ गई होगी और वह वाहन पर से नियंत्रण खो बैठा।

निवेश के लिए खरा है सोना, प्रदेश में रोज 25 से 30 करोड़ का निवेश

सोने ने आखिर एक लाख का आंकड़ा छू लिया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सोने ने अंततः एक नया इतिहास रच ही दिया। सोमवार को जब बाजार खुला, तो सोने की कीमत पहले 99600 रुपए खुली, इसके बाद शाम तक इसके दाम एक लाख रुपए पहुंच गए। राजधानी रायपुर में सोमवार को दस ग्राम सोना जीएसटी सहित एक लाख तीन सौ रुपए में बिका। जब शनिवार को ▶▶|शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

एक लाख दस हजार तक जाने की संभावना

जिस तेजी से सोने की कीमत बढ़ रही है, उससे अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार सोने की कीमत त्योहारी सीजन में एक लाख दस हजार तक जा सकती है। सोने की बढ़ती कीमत के कारण लगातार निवेश भी बढ़ रहा है। निवेशक सोने को सबसे सुरक्षित मान रहे हैं। प्रदेश में पहले रोज 20 करोड़ का निवेश होता था, लेकिन अब रोज 25 से 30 करोड़ का निवेश सोने में हो रहा है।

नए साल में 21900 बढ़े दाम

नए साल में अब तक सोने के दाम 21900 रुपए बढ़े हैं, यह अब तक रिकॉर्ड है। इसके पहले कभी भी इतने कम समय में इतने दाम नहीं बढ़े हैं। 31 दिसंबर 2024 को कीमत 78400 रुपए थी, 1 जनवरी को कीमत 79 हजार रही। 7 जनवरी को कीमत 80 हजार पहुंची। इसके बाद एक सप्ताह में कीमत 81 हजार के पार हो गई। फिर एक सप्ताह के बाद कीमत 82 हजारी हुई और अंतिम सप्ताह में पहले कीमत 83 हजारी हुई और फिर माह के अंतिम दिन 31 जनवरी को कीमत 84150 रही। फरवरी में करीब पांच हजार दाम बढ़े और कीमत 89 हजार तक गई। इसके ▶▶|शेष पेज 5 पर

ईपीएफओ ने फरवरी में 16.10 लाख सदस्य जोड़े

नई दिल्ली। सेवानिवृत्ति कोष का प्रबंधन करने वाले निकाय ईपीएफओ ने फरवरी में कुल 16.10 लाख नए सदस्य जोड़े।यह आंकड़ा पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 3.99 प्रतिशत अधिक है। ईपीएफओ ने फरवरी, 2025 में लगभग 7.39 लाख नए सदस्य बनाए। नए सदस्यों की संख्या में वृद्धि रोजगार के बढ़ते अवसरों, कर्मचारी लाभ के बारे में बढ़ती जागरूकता और ईपीएफओ के सफल जागरूकता कार्यक्रमों के कारण है। उल्लेखनीय है कि नए सदस्यों में 18-25 आयु वर्ग का प्रभुत्व है। फरवरी, 2025 में जोड़े गए नए सदस्यों में उनकी हिस्सेदारी 4.27 लाख या 57.71 प्रतिशत है।

इंसानों की हो रही थी मैराथन रेस, कंपनी ने दौड़ा दिए अपने रोबोट

बीजिंग। एक अनोखी घटना में चीन के बीजिंग शहर में एक हाफ मैराथन रेस में कुछ ह्यूमनॉयड रोबोट्स ने भाग लिया। दरअसल, बीजिंग शहर में इस रेस का आयोजन किया गया था। रोबोट क्या इंसानों की तरह दौड़ सकते हैं? एक कंपनी के वैज्ञानिकों ने इसका परीक्षण भी किया। इसीलिए, उन्होंने रेस में एक दो नहीं, बल्कि पूरे के पूरे 21 ह्यूमनॉयड रोबोट्स को ही मैराथन में दौड़ा दिया है। मैराथन आयोजकों ने इसकी अनुमति तो दे दी, लेकिन साथ ही कुछ शर्तें भी रखी थीं। रेस में औपचारिक तौर पर इंसानों और रोबोट का कोई मुकाबला नहीं था, लेकिन नतीजे बहुत ही रोचक मिले थे।

बीजिंग में हाफ मैराथन में 21 ह्यूमनॉयड रोबोट्स ने लिया भाग

आयोजकों ने रखी थी शर्त

बीजिंग इनोवेशन सेंटर ऑफ ह्यूम रोबोटिक्स ने अपने इंसानों जैसे बनाए रोबोट्स को हाफ मैराथन दौड़ में शामिल कराया।खास बात यह थी कि कि आयोजकों ने यह शर्त रखी थी कि रोबोट्स इंसानों की तरह दिखें, वे चल सकते हों या दौड़ सकते हों, और सबसे अहम बात, उनमें किसी तरह के चक्के लगे नहीं होने चाहिए।

एक जैसे नहीं थे सारे रॉबोट्स

शनिवार को हुई इस 21 किलोमीटर की दौड़ में हजारों इंसानों के साथ रेस में 21 रोबोट भी दौड़ते देखे गए। दिलचस्प बात ये थी कि सभी रोबोट एक से नहीं थे, बल्कि उनमें से कई अलग अलग डिजाइन के मॉडल्स थे। जहां कुछ की लंबाई 3 फुट 9 इंच थी यानी की 114 सेमी थी, वहीं दूसरे 5 फुट 9 इंच यानी 175 सेमी लंबे थे।

किसे कितना समय लगा?

यह पहले से ही ऐलान कर दिया गया था कि रेस में इंसानों और रोबोट के बीच किसी तरह का मुकाबला नहीं माना जाएगा। यानी प्रतिभागियों को केवल दूसरे इंसानों से ही रेस करनी थी।दौड़ में पाया गया कि जहां इंसानों के विजेता ने एक घंटे और दो मिनट का समय लगाया, वहीं रोबोट के विजेता तियानगोंग अल्ट्रा दो घंटे और 40 मिनट का समय लिया।

दर्शकों ने भी किया प्रोत्साहित

ग्लोबल टाइम्स के मुताबिक दौड़ पूरी करने के बाद रेस पूरी करने के बाद रोबोट बहुत ही अच्छे से वेटिंग एरिया में रुके, लेकिन उस समय उनमें थकावट के किसी तरह के संकेत नहीं दिख रहे थे। बल्कि, साथ में मैराथन की दौड़ पूरी करने वाले इंसानी प्रतिभागी उनके साथ फोटो खिंचवाने की होड़ में लग गए थे। इतना ही नहीं, रोबोट्स को दर्शकों ने भी खूब प्रोत्साहित किया।

तीन बार बदला गया रोबोट्स की बैटरी

कंपनी के मुख्य तकनीकी अधिकारी टैंग जियान का दावा है कि उसका बनाया हुआ रोबोट पश्चिम में बनाए किसी भी रोबोट के मुकाबले खेलों में बहुत आगे हैं। रोबोट के लंबे पैर और खास एल्गॉरिदम की वजह से वे इस तरह की मैराथन में इंसानों के साथ दौड़ सके। इस रेस के दौरान तीन बार रोबोट्स की बैटरी को बदला गया था। एक रोबोट स्टार्टिंग लाइन के पास ही गिर गया था और कुछ देर तक जमीन पर ही पड़ा रहा था। वहीं, दूसरा एक रेलिंग में ही भिड़ गया था।

रोचक खबरें

इतिहास और किवदंतियों से मशहूर है ये झरना, पर आज भी नहीं सुलझ सका है इसके स्रोत का रहस्य

पेरिस। दुनिया में हर अनोखी नदी या झरने का उद्गम का पता लगाया गया है। फिर भी कई स्रोतों की जानकारी नहीं हैं। इनमें से एक है फ्रांस के टोनर्रे का फॉसे डायोन झरना। इसे किसी कुदरती करिशमे से कम नहीं माना जाता है। इसकी वजह यही है कि उसके स्रोत का आज तक पता नहीं चल सका है। अजीब बात ये है कि इसका इस्तेमाल तो कई सदियों से होता आ रहा है और इसके स्वरूप में भी बदलाव हुए। इसके साथ कई कहानियां यहां तक किवदंतियां भी जुड़ीं, लेकिन इसके रहस्य का पता आज तक नहीं पता चला। फॉसे डायोन का अपना लंबा इतिहास है जिसमें बस स्रोत का हिस्सा ही गायब है। रोमनों इस झरने का इस्तेमाल शुरू किया, सेल्ट्स ने इसे पवित्र माना, 1700 के दशक में फ्रांसीसियों ने इसे गोल पत्थर के आकार के बेसिन में बंद किया और इसे एक सामुदायिक वॉश हाउस में बदल दिया। समय के साथ इसके साथ किवदंतियां भी जुड़ीं जिनमें से कई आज भी सुनी जाती हैं। इसके साथ एक सांप, एक साधु और यहां तक कि इसे दूसरी दुनिया के दरवाज़े की कहानियां भी जुड़ी हैं। फॉसे डायोन का सबसे बड़ा रहस्य यही है कि उसके पानी के स्रोत क्या है। बताया जाता है कि य यह भी दूसरे कार्स्ट झरनों की तरह जमीन के नीचे चूने के पत्थर की गुफाओं के जाल में छिपा है।

नासा ने मंगल पर खोजी सोने की चट्टान! देखते ही खुशी से पागल हुए साइंटिस्ट, इंसानों को होगा बंपर फायदा?

वॉशिंगटन। नासा का पर्सवियरेंस रोवर मंगल ग्रह पर लगातार चौंकाने वाले खुलासे कर रहा है। इस बार उसे उसे वहां ढेर सारी अलग-अलग चट्टानें मिली हैं, जो मंगल के पुराने दिनों की कहानी बता रही हैं। ये रोवर जेजेरो क्रेटर नाम की जगह पर घूम रहा है, जो बहुत पहले झील हुआ करती थी, लेकिन अब सूखी है। पिछले दिसंबर से रोवर एक ऊंची ढलान पर काम कर रहा है, जिसे विच हेजल हिल कहते हैं। ये ढलान मंगल के उस समय के राज खोल सकती है, जब वहां का मौसम बिल्कुल अलग था।

रोवर ने वैज्ञानिकों को चौंकाया

एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में रोवर ने पांच चट्टानों के टुकड़े इकट्ठे किए, सात चट्टानों की अच्छे से जांच

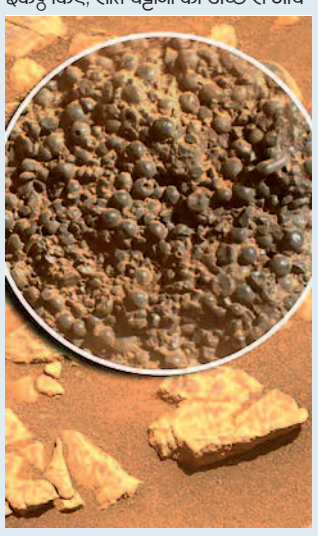

की और 83 चट्टानों पर लेजर से टेस्ट किए। नासा का कहना है कि चार सालों में पहली बार रोवर ने इतनी तेजी से मंगल पर पहुंचने के बाद काम किया है।

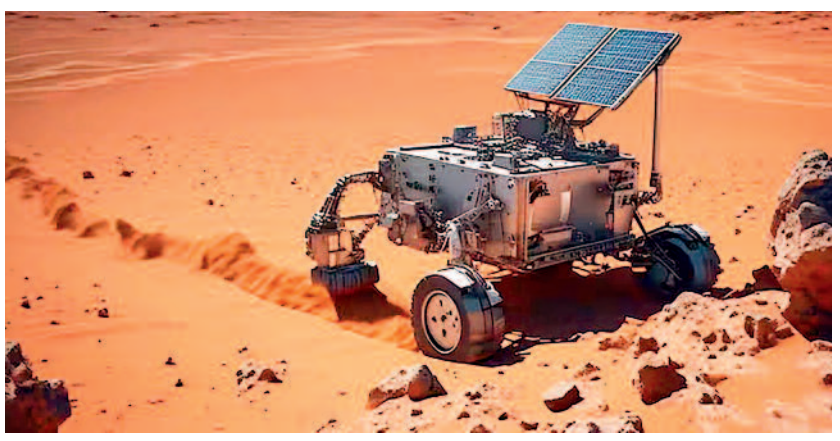

3.9 अरब साल पुरानी हो सकती है चट्टान

दक्षिणी कैलिफोर्निया में नासा की जेट प्रोपल्शन प्रयोगशाला में पर्सिवियरेंस की परियोजना वैज्ञानिक केटी मॉर्गन ने एक बयान में कहा कि जेजेरो क्रेटर का पश्चिमी हिस्सा वैज्ञानिकों के लिए सोने की तरह है। यहां ऐसी चट्टानें मिली हैं, जो बहुत पहले मंगल की गहराई से बाहर आई थीं। शायद ये उल्कापातों की वजह से निकलीं, जिनमें जेजेरो क्रेटर बनाने वाला उल्कापात भी हो सकता है। रोवर को एक खास चट्टान मिली, जिसे 'सिल्वर माउंटेन' कहते हैं। ये करीब 3.9 अरब साल पुरानी हो सकती है, जब मंगल पर बहुत सारे उल्कापात होते थे। रोवर ने अपने एक्स अकाउंट पर लिखा, ये चट्टान अब तक की सबसे अलग है। पास ही एक और चट्टान मिली, जिसमें सर्पेंटाइन नाम का खनिज है। ये खनिज तब बनता है, जब पानी और ज्वालामुखी चट्टानें मिलती हैं। वैज्ञानिक कहते हैं कि इस प्रक्रिया से हाइड्रोजन गैस बन सकती है, जो पृथ्वी पर जीवन के लिए जरूरी है। मॉर्गन ने कहा, 'पिछले चार महीने विज्ञान टीम के लिए बहुत व्यस्त रहे हैं, और हमें अभी भी लगता है कि विच हेजल हिल के पास हमें बताने के लिए बहुत कुछ है।' हम हाल ही में एकत्र किए गए सभी रोवर डेटा का उपयोग यह तय करने के लिए करेंगे कि क्रेटर रिम से अगला नमूना कहां और कहां एकत्र किया जाए।

अभी खुलेंगे और भी राज, क्या होगा इससे फायदा

वैज्ञानिकों का कहना है कि विच हेजल हिल के पास और भी राज हैं। रोवर जो जानकारी इकट्ठा कर रहा है, उससे ये तय होगा कि अगली चट्टान कहां से ली जाए. वैज्ञानिक केटी मॉर्गन ने कहा, 'ये इलाका वैज्ञानिकों के लिए मजेदार है। हर कदम पर नई चट्टानें मिल रही हैं।' वैज्ञानिक इन चट्टानों को पृथ्वी पर लाकर देखना चाहते हैं कि क्या मंगल पर कभी जीवन था। लेकिन, ये काम आसान नहीं। इस मिशन में बहुत सारा पैसा और समय लगेगा। नासा इसके लिए प्लान बना रहा है। पर्सवियरेंस रोवर मंगल के पुराने राज खोल रहा है। जेजेरो क्रेटर की चट्टानें बता रही हैं कि मंगल पहले कैसा था। शायद ये ये भी बताएं कि वहां कभी जीव-जंतु थे या नहीं। अगर, इसमें कुछ जानकारी मिल जाए तो वह दिन दूर नहीं जब लोग मंगल ग्रह पर भी रहने लगेंगे।

हाथी के गोबर से बनाते हैं लड्डू, दूर-दूर से चखने आ रहे लोग, एक प्लेट की कीमत कर देगी हैरान

बीजिंग। चीन का एक रेस्त्रां हाथी के गोबर से बने लड्डू के लिए मशहूर है। वर्षावन नाम के इस रेस्त्रां में सिर्फ चीन से ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी लोग सिर्फ इस लड्डू का स्वाद चखने के लिए आते हैं। इसे खाने के लिए लाइन लगाई जाती है। काफी मशक्कत के बाद ऑर्डर प्लेस हो पाता है और लोग इस अजीबोगरीब लड्डू का स्वाद चख पाते हैं। चीनी न्यूज वेबसाइट के मुताबिक़, इस रेस्त्रां की शुरुआत चीन के ब्लांग जनजाति के एक शख्स ने की थी। उसी समय से इस रेस्त्रां का शेफ फ्रांस का है। इस रेस्त्रां की सबसे ख़ास बात है कि यहां आपको ना सिर्फ हाथी के गोबर से बना लड्डू मिल जाएगा, बल्कि इस गोबर के इस्तेमाल से बने लगभग 14 डिश भी मिल जाएंगे। हर डिश का स्वाद उतना ही अनोखा होता है, जिसे खाने के लिए लोग अपने पूरे परिवार के साथ आते हैं। कई टूरिस्ट तो फ्रांस से सिर्फ हाथी के गोबर के लड्डू का स्वाद चखने ही आते हैं। आपको लग रहा होगा कि चूंकि इसे गोबर से बनाया जाता है, ऐसे में इसकी कीमत कुछ ख़ास नहीं होगी। लेकिन, ऐसा बिल्कुल नहीं है। बात अगर हाथी के गोबर से बने डिश की करें, तो रेस्त्रां में इसके सारे डिशेज को एक थाली में परोसा जाता है। इस थाली की कीमत पचास हजार है। यही कारण है कि इस रेस्त्रां में ज्यादातर रईस लोग ही आते हैं और इन लड्डुओं का लुत्फ़ उठाते हैं। हाथी के गोबर से बने इस लड्डू की रेसिपी को सीक्रेट रखा जाता है। हालांकि, गोबर में मौजूद सभी कीटाणुओं को सबसे पहले खत्म किया जाता है।

500 अरब साल में एक बार चक्कर लगाता है ब्रह्मांड खोज ने उड़ाए वैज्ञानिकों के होश, सुलझेगी ये पहेली

वॉशिंगटन। यूनिवर्स अपने आप में कई रहस्यों को छिपाए हुए है। हाल ही में एक नई खोज से पता चला है कि हमारा ब्रह्मांड हर 500 अरब साल में एक बार पूरा चक्कर लगा सकता है। इस खोज से उस पहेली का हल निकाला जा सकता है, जो पूरे यूनिवर्स साइंस के प्रिंसिपल के सामने बाधाएं खड़ी कर रही थी। बता दें कि साल 1929 में फेमस एस्ट्रोनॉमर एडविन हबल की एक रिसर्च पेपर में बताया गया था कि हमारे ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है। इससे हबल स्थिरांक का जन्म हुआ। यह वो संख्या होती है जो बताती है कि हमारा यूनिवर्स कितनी तेजी से फैल रहा है, लेकिन इस खोज से हबल स्ट्रेस की एक एक पहेली पैदा हुई थी। सुपरनोवा और कॉस्मिक माइक्रोवेव बैकग्राउंड ब्रह्मांड की विस्तार दर को मापने के दो दरें हैं। ये तकरीबन 10 प्रतिशत अलग रिजल्ट देते हैं, जो वैज्ञानिकों के लिए आजतक एक अनसुलझी पहेली बनी हुई है। 'हवाई यूनिवर्सिटी' के इस्तवान स्जापुदी की अगुआई में इस नई रिसर्च में एक नया गणितीय मॉडल पेश किया गया। इसमें ब्रह्मांड में थोड़ा घूर्णन जोड़ा गया। इस मॉडल ने बिना किसी मौजूदा एस्ट्रोनॉमिकल मेजरमेंट का खंडन किए हबल स्ट्रेस को हल कर दिया। इस खोज से पता चलता है कि यह यूनिवर्स 500 अरब साल में एक बार घूमता है। स्टडी के अनुसार हमारे यूनिवर्स का रोटेशन इतना धीमा है कि इसका सीधे तरह से मेजरमेंट करना बिल्कुल भी संभव नहीं है। इसी रोटेशन से ब्रह्मांड का विस्तार प्रभावित होता है। नए मॉडल में यह रोटेशन 0.6c यानी लाइट की स्पीड का 60 प्रतिशत की गति से होता है, जो फिजिक्स के नियमों का उल्लंघन नहीं करता है।

चंद्रमा पर कहां से आया पानी? चंद्रयान मिशन की बड़ी खोज के बाद वैज्ञानिकों के हाथ लगी एक और बड़ी सफलता

वॉशिंगटन। भारत के चंद्रयान मिशन के दौरान चंद्रमा पर पानी की खोज की गई थी। इसके साथ ही दशकों से आ रही सबसे बड़ी खोज का अंत हो गया है कि चंद्रमा की सतह पर पानी कैसे बनता है। वैज्ञानिकों की एक टीम ने अब पता लगा लिया है कि आखिर चंद्रमा के ऊपर पानी से कहां से आया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के नेतृत्व वाले रिसर्चर्स ने पुष्टि की है सूरज से आने वाली रोशनी और सौर हवा, पानी के निर्माण की सबसे बड़ी स्रोत है। इस खोज के बाद से दशकों से आ रही सबसे बड़ी खोज का समाधान हो गया है कि चंद्रमा की सतह पर पानी कैसे बनता है।

चंद्रमा पर कैसे आया पानी?

रिसर्च में पता चला है कि सौर वायु, सूर्य से निकलने वाला उत्सर्जित हाई स्पीड वाले प्रोटॉन (हाइड्रोजन नाभिक) का एक सतत प्रवाह, चंद्रमा की वायुहीन सतह पर प्रति घंटे दस लाख मील से ज्यादा की स्पीड से बमबारी करता है। पृथ्वी के विपरीत, जो चुंबकीय क्षेत्र और वायुमंडल से सुरक्षित है, जबकि चंद्रमा की सतह सीधे उजागर होती है। जब ये प्रोटॉन चंद्रमा की मिट्टी या रेगोलिथ से टकराते हैं, तो वे इलेक्ट्रॉनों को पकड़ लेते हैं और हाइड्रोजन परमाणु बनाते हैं। ये हाइड्रोजन परमाणु फिर चंद्र खनिजों में प्रचुर मात्रा में ऑक्सीजन परमाणुओं के साथ बंध जाते हैं, जिससे मिट्टी में सिर्फ मिलीमीटर गहराई पर हाइड्रॉक्सिल और पानी के अणु बनते हैं।

> रिपोर्ट के मुताबिक 1960 के दशक से ही वैज्ञानिकों ने इस बात की कल्पना करना शुरू किया कि सूर्य से आने वाले आवेशित कण चंद्रमा पर रासायनिक प्रतिक्रियाओं को सक्रिय कर सकते हैं, जिससे पानी के अणु बन सकते हैं। मौजूदा रिसर्च में अब तक के सबसे यथार्थवादी प्रयोगशाला सिमुलेशन में इस सिद्धांत को मान्यता दी गई है।

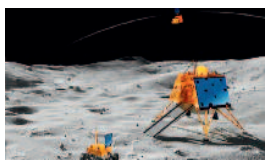

चंद्रमा पर इंसानों को बसाने की है मकसद

पृथ्वी पर मौजूद किसी भी नमी को हटाने के लिए नमूनों को पहले से बेक करके, टीम ने बिना किसी संदूषण के परिणाम सुनिश्चित किए। नासा के वैज्ञानिकों की ये खोज उसकी आर्टेमिटिस प्रोग्राम के लिए काफी महत्वपूर्ण है, जिसका मकसद चंद्रमा पर इंसानों को बसाने की है। जहां माना जाता है कि ज्यादातर पानी स्थायी रूप से छायादार क्रेटरों में जम गया है। इस खोज से पता चलता है कि चंद्रमा पर पानी सिर्फ एक अवशेष नहीं है, बल्कि सौर हवा के संपर्क से लगातार इसकी भरपाई हो सकती है, जिससे एक गतिशील चंद्र जल चक्र बनता है। यियो ने कहा, 'यहां रोमांचक बात यह है कि केवल चंद्रमा की मिट्टी और सूर्य से एक बुनियादी घटक, जो हमेशा हाइड्रोजन को बाहर निकालता रहता है, उसके साथ पानी बनाने की संभावना है।'

दुनिया में अबतक सिर्फ 5 लोग ही देख पाए हैं ये रंग, वैज्ञानिकों ने की खोज, नाम है 'ओलो'

लंदन। हमारी दुनिया बेहद रंग-बिरंगी है। रंगों की वजह से ही चीजें खूबसूरत भी दिखती है। सभी रंगों को हम अपनी आंखों से देख सकते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि एक ऐसा भी रंग है, जिसे आप नग्न आंखों से नहीं देख सकते हैं। इतना ही नहीं, इस रंग की खोज हाल फिलहाल में वैज्ञानिकों की ओर से की गई है। इस नए रंग का नाम 'ओलो' है। अमेरिकी वैज्ञानिकों की टीम का दावा है कि उन्होंने ओलो रंग की खोज की है। इसके लिए उन्होंने एक एक्सपेरिमेंट किया, जिसमें सबसे पहले 5 लोगों की आंखों में एकदम सटीक और नियोजित तरीके से लेजर बीम डाली गई। इसका मकसद रेटिना की कोन सेल्स को उत्तेजित करना था, जो हमें रंग देखने में मदद करती हैं। हमारे रेटीना में एस, एम, एल नाम की ये 3 कोन सेल्स होती हैं, जो नीला, हरा और लाल रंग देखने में मदद करती है। आमतौर पर रंग देखने के लिए एक से ज्यादा सेल्स एक्टिव होती हैं, लेकिन इस प्रयोग में एम सेल्स को एक्टिव किया गया था। इसके नतीजे में एक ऐसे रंग पैदा हुआ जिसे आज से पहले कभी नेचुरल विजन में नहीं देखा गया था। इस रंग को नाम दिया गया 'ओलो'।

बेहद गाढ़ा है रंग : ओलो रंग देखने वाले प्रतिभागियों ने बताया कि यह रंग कुछ हरा-नीला, लेकिन उससे अधिक गाढ़ा है। रिसर्च के को ऑथर और प्रतिभागी प्रोफेसर रेन एनजी ने 'बीबीसी' को बताया कि यह रंग बेहद गाढ़ा और सैचुरेटेड था मानो अब तक आप सिर्फ हल्का गुलाबी रंग देख रहे हों।

24 अप्रैल को आसमान में होगा चमत्कार, दिखेगा 'सुबह का तारा'!

नई दिल्ली। गुरुवार, 24 अप्रैल को सनराइज से एक घंटा पहले अगर आप अपने रूम से बाहर निकलेंगे और आसमान साफ रहा, तो आपको पूरब दिशा में बेहद ही शानदार नजारा देखने को मिलेगा। दरअसल, शुक्र ग्रह तब इस वक्त -4.4 मैग्नीट्यूड पर चमक रहा होगा, जो पृथ्वी से देखा गया अब तक का सबसे चमकीला ग्रह भी है। इसके बाद यह नजारा 22 सितम्बर 2026 तक नहीं दिखेगा। वैज्ञानिकों ने इसे 'सुबह का तारा' उपनाम दिया गया है, क्योंकि यह पूरब दिशा में उगता है और सूर्योदय से ठीक पहले चमकता है। यह 22 मार्च से ही ऐसा है, हालांकि, ग्रह पृथ्वी और सूर्य के बीच में घूमता रहा और कुछ हफ़्तों तक सूर्य की चमक में खो गया।

यह शुक्र का सूर्य के साथ अवर संयोजन था। लेकिन, इससे पहले, यह ग्रह सूर्यास्त के तुरंत बाद पश्चिम में 'शाम के तारे' के रूप में बहुत चमक रहा था। वहीं, 16 फरवरी को -4.6 मैग्नीट्यूड तक पहुंच गया था (कम परिमाण चमकीले पिंडों के अनुरूप होते हैं)।

क्यों चमक रहा शुक्र?

शुक्र ग्रह हाल के महीनों में खूब चमक रहा है, क्योंकि यह पृथ्वी के करीब है। दरअसल, शुक्र ग्रह सूर्य की 225-पृथ्वी-दिन की परिक्रमा करते हुए पृथ्वी के अंदर से चक्कर लगा रहा है। चूंकि पृथ्वी को एक परिक्रमा पूरी करने में 365 दिन से ज़्यादा वक्त लगता है, इसलिए शुक्र को पृथ्वी के पास आना होगा, उसे पूरा करना होगा और फिर उससे दूर जाना होगा।

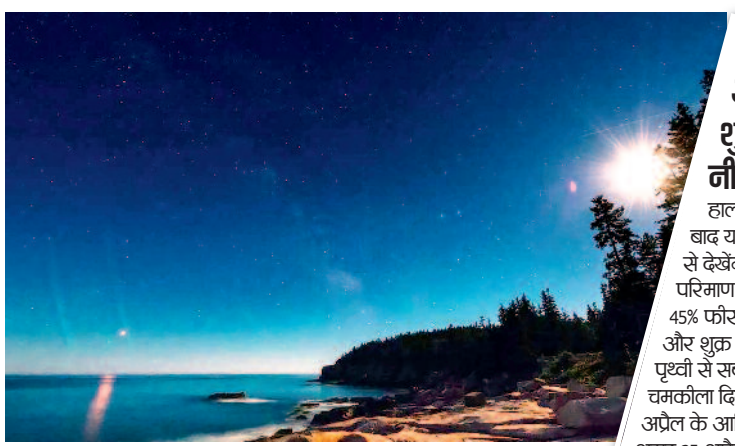

शनि पूरे अप्रैल में शुक्र के ठीक नीचे रहेगा

हालांकि, एक महीने बाद यानी 24 मई को फिर से देखेंगे तो शुक्र ग्रह -4.2 परिमाण पर चमकेगा और 45% फीसदी प्रकाशित होगा और शुक्र ग्रह 24 अप्रैल को पृथ्वी से सबसे ज्यादा चमकीला दिखाई देगा, जो अप्रैल के आखिर तक रहेगा. अगर 25 अप्रैल को आसमान साफ रहता है, तो आपको शुक्र के ठीक नीचे 8 फीसदी रोशनी वाला अर्धचंद्र दिखाई देगा, जबकि शनि पूरे अप्रैल में शुक्र के ठीक नीचे रहेगा। तीनों खगोलीय पिंड मिलकर कुछ वक्त के लिए आसमान में एक स्माइली चेहरा बना लेंगे।

अर्धचंद्राकार के रूप में देखते हैं

परिणामस्वरूप, शुक्र ग्रह पृथ्वी पर हमारे नजरिए से बहुत बड़ा और चमकीला हो जाता है। लेकिन, इसके साथ कुछ और भी होता है। अगर आप 24 अप्रैल को एक अच्छे टेलीस्कोप का इस्तेमाल करते हैं, तो आप देखेंगे कि इतना चमकीला होने के बावजूद, शुक्र ग्रह 23 फीसदी प्रकाशित अर्धचंद्राकार में है। जिस तरह हम चंद्रमा को पृथ्वी की परिक्रमा करते वक्त अर्धचंद्राकार के रूप में देखते हैं, उसी तरह हम इनर प्लानेट्स - शुक्र और बुध को सूर्य की परिक्रमा करते समय अर्धचंद्राकार के रूप में देखते हैं।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नियमतः निजी स्कूल स्वतः घोषित नहीं कर सकते विद्यालयों में अवकाश

अप्रैल की शुरुआत में बदला गया था स्कूलों का समय, लेकिन भीषण गर्मी में इससे नहीं मिल रही राहत

घर पहुंचते 'बज रहा 12', निजी स्कूल खुद पहुंचे शासन की शरण में, कहा-बंद कर दें हमारे विद्यालय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छोटे बच्चों को घर पहुंचते तक 12 बज रहे हैं। 44 डिग्री पर पहुंच चुके पारे के बीच निजी स्कूल संगठन ने खुद ही सरकार से गुहार लगाई है कि उनके स्कूलों को बंद कर दिया जाए। नियमतः निजी विद्यालय अपने स्तर पर अवकाश की घोषणा नहीं कर सकते हैं। इसके कारण उन्होंने अपनी समस्याएं गिनाते हुए छात्रों के स्वास्थ्य का हवाला दिया है। निजी स्कूलों का कहना है कि गर्मी में छात्रों का स्वास्थ्य खराब ▶▶|शेष पेज 5 पर

केस 1

बैरनबाजार स्थित एक विद्यालय में शासकीय समयानुसार प्रातः 11 बजे छात्रों को छुट्टी दी गई, लेकिन इस वक्त ही गर्मी इतनी अधिक बढ़ चुकी थी कि बच्चों को लेने आए पालक छाता, स्कार्फ, टोपी लेकर पहुंचे रहे।

केस 2

बड़े विद्यालयों के इतर कई छोटे और मंझोले स्तर के स्कूलों में गर्मी से छात्रों को बचाने पंखे के अलावा और कोई साधन नहीं है। सिविल लाइन स्थित एक विद्यालय के विद्यार्थियों की छुट्टी दोपहर 3 बजे हुई। पूरी दोपहर गर्मी में पढ़ाई करने का असर उनके स्वास्थ्य पर दिख रहा था। उन्हें लेने पहुंचे पालक ग्लूकोज की बोतल लेकर पहुंचे थे।

केस 3

आंबेडकर अस्पताल, जिला अस्पताल सहित निजी हॉस्पिटल में भी गर्मी के कारण बीमार होकर पहुंचने वाले बच्चों की संख्या में वृद्धि हुई है। मेडिकल संचालकों के मुताबिक, ओआरएस व इलेक्ट्रॉल पॉउडर की बिक्री बढ़ी है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

जेईई-एडवांस्ड परीक्षा संबंधी याचिका खारिज

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें 2023 में 12वीं की परीक्षा पास करने वाले छात्रों को प्रतिष्ठित आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए 'जेईई-एडवांस्ड' 2025 में भाग लेने की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

पूर्व प्रशिक्षु आईएएस को दो मई को पेश होने के निर्देश

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सिविल सेवा परीक्षा में धोखाधड़ी और अन्य पिछड़ा वर्ग तथा दिव्यांगता श्रेणी के तहत आरक्षण का गलत लाभ उठाने की आरोपी, पूर्व प्रशिक्षु अधिकारी पूजा खेडकर को दो मई को दिल्ली पुलिस के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया।

जम्मू-श्रीनगर हाईवे लगातार दूसरे दिन बंद

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में रविवार को बादल फटने और लैंडस्लाइड से इलाके में तबाही मच गई थी। रामबन इलाके में सोमवार को भी रेस्क्यू अभियान चलाते हुए घरो और सड़कों से मलबा हटाया जा रहा है। हालांकि, जम्मू श्रीनगर हाईवे दूसरे दिन भी बंद रहा। इसके चलते सैकड़ों ट्रक और वाहन अलग-अलग स्थानों पर फंसे हुए हैं। इसमें हजारों पर्यटक भी शामिल हैं।

बस से टकराई बाइक दो युवकों की गई जान

बलिया। बलिया जिले के फेफना थाना क्षेत्र में बस की टक्कर लगने से बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। दोनों एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर लौट रहे थे। बैरिया थाना क्षेत्र के श्रीनगर दुबेछपरा गांव के शुभम कुमार सिंह (22) तथा गौरव कुमार सिंह (25) मोटरसाइकिल से घर लौट रहे थे।

ट्रक ने कई वाहनों को मारी टक्कर, 3 की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के लोनावला हिल स्टेशन के पास पुराने पुणे-मुंबई राजमार्ग पर एक ट्रक के पांच वाहनों से टकरा जाने से तीन लोगों की मौत हो गई और 12 अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना रविवार रात 10 बजकर 20 मिनट पर बोरघाट के पास बैटरी हिल पर घटी। ट्रक के संभवतः ब्रेक फेल हो गए थे जिसके बाद वह अनियंत्रित हो गया और पांच वाहनों से जा टकराया।

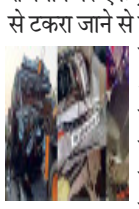

अटैच संपत्ति में नकदी 3.29 करोड़ के साथ सिक्योरिटी बॉन्ड और डीमैट अकाउंट शामिल

महादेव सट्टे में सात राज्यों में छापे के बाद ईडी ने की 576 करोड़ की संपत्ति अटैच

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रवर्तन निदेशालय के रायपुर जोनल कार्यालय ने महादेव सट्टा एप से जुड़े लोगों के दिल्ली, मुंबई, इंदौर, अहमदाबाद, चंडीगढ़, चेन्नई और ओडिशा के संबलपुर सहित कई ठिकानों पर छापे की कार्रवाई के बाद पौने छह सौ करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की है। ईडी ने सट्टा एप से जुड़े लोगों के यहां पिछले सप्ताह 16 अप्रैल को छापे मारे थे।

ईडी द्वारा जारी बयान के मुताबिक इस कार्रवाई में 3.29 करोड़ रुपए कैश जब्त किया गया है। इसके अलावा, 573 करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के सिक्योरिटी, बॉन्ड और डीमैट खातों को फ्रीज किया गया है। साथ ही बड़ी संख्या में आपत्तिजनक दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड जब्त किए गए हैं।

ईडी ने अपनी जांच में पाया है कि महादेव सट्टा एप से जुड़े लोग आर्गेनाइज नेटवर्क के रूप में कार्य कर रहे हैं। अपने यूजर को सट्टा संचालित करने अलग-अलग वेबसाइट में प्लेटफार्म उपलब्ध करा रहे हैं। ईडी की पड़ताल में यह बात सामने आई है कि महादेव सट्टा संचालन करने वाले विदेश से आई ब्लैकमनी को व्हाइट मनी में बदलने के लिए लघु, स्माल इंडस्ट्रीज (एसएमई) के शेयरों में रकम निवेश करने का काम कर रहे हैं। इन निवेशों का उपयोग एसएमई सेक्टर की कुछ कंपनियों के शेयरों में कृत्रिम मूल्य वृद्धि करके आम निवेशकों को धोखा देने के लिए किया ▶▶|शेष पेज 5 पर

हरिभूमि फॉलोअप

शेयर दलाल, एजेंट जांच के दायरे में

महादेव सट्टा एप की ब्लैक मनी ठिकाने लगाने शेयर दलाल, एजेंट तथा हवाला कारोबारियों की बड़ी भूमिका रही है। इस बात को ध्यान में रखते हुए ईडी के अफसर शेयर दलाल, एजेंट तथा हवाला कारोबारियों की भूमिका की अलग से पड़ताल कर रहे हैं। जिन सात राज्यों के अलग-अलग शहर में ईडी ने छापे मारे हैं, उनमें कई शेयर दलाल, हवाला कारोबारी शामिल बताए जा रहे हैं।

खास बातें

- लघु, मध्यम उद्योगों के शेयर में निवेश
- विदेश से आई ब्लैक मनी को एसएमई शेयर में निवेश करने की मिली जानकारी

महादेव सट्टे में देश के आधा दर्जन राज्यों में ईडी के ताबड़तोड़ छापे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

ढाई हजार करोड़ से ज्यादा की संपत्ति जब्त

• जोनल ऑफिस खुलने के बाद जांच में तेजी

छत्तीसगढ़ में ईडी के सब जोनल कार्यलय का जोनल कार्यालय के रूप में अपग्रेड होने के बाद महादेव सट्टा एप सहित अन्य घोटालों की जांच में तेजी आई है। पूर्व में छत्तीसगढ़ मुंबई जोनल कार्यालय से जुड़ा थार इस वजह से बड़ी कार्रवाई करने अनुमति लेने में देरी होती थी। आने वाले दिनों में महादेव सट्टा एप से जुड़े लोगों के खिलाफ ईडी की कार्रवाई और तेज होगी।

अब तक तीन हजार करोड़ की संपत्ति अटैच

महादेव सट्टा एप से जुड़े लोगों के पौने दो सौ ठिकानों पर ईडी ने छापे की कार्रवाई की है। छापे की कार्रवाई में ईडी ने तीन हजार दो करोड़ 47 लाख की चल, अचल संपत्ति अटैच की है। सट्टा एप से जुड़े एक दर्जन से ज्यादा लोगों को ईडी ने गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही 70 से ज्यादा संस्थाओं को आरोपी बनाया है। महादेव सट्टा एप से जुड़े मामले में ईडी ने कोर्ट में अब तक पांच अभियोजन पत्र दाखिल किया है। सर्च के दौरान यह भी सामने आया है कि शेयर दलाल और एजेंटों की मदद से कंपनियों के प्रमोटरों ने शेयर की कीमतों में हेरफेर कर अपनी कंपनियों का बाजार मूल्य कृत्रिम रूप से बढ़ाया।

पीएम मोदी और जेडी वेंस की मुलाकात

भारत-अमेरिका के बीच रक्षा और टेक्नोलॉजी क्षेत्र में बढ़ेगा सहयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति जेडी वेंस चार दिन के दौरे पर भारत आए हैं। सोमवार शाम उनकी मुलाकात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हुई। ये मुलाकात भारत-अमेरिका के बीच व्यापार और रिश्ते को लेकर काफी अहम रही। जिस वक्त अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ को लेकर तनाव बना हुआ है, उस वक्त जेडी वेंस का ये दौरा वैश्विक माहौल में भारत की अहमियत को दिखाता है। ऐसा भी कहा जा रहा है कि इसी साल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी भारत दौरे ▶▶|शेष पेज 5 पर

इन मुद्दों पर हुई बात

- *दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने पर जोर दिया*
- *पीएम मोदी ने अमेरिकी दौरे और राष्ट्रपति ट्रंप से हुई चर्चा को याद किया*
- *भारत-अमेरिका द्विपक्षीय साझेदारी की प्रगति का सकारात्मक मूल्यांकन किया*
- *ऊर्जा, रक्षा और रणनीतिक तकनीकों के क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की*
- *दोनों नेताओं ने वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों पर संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की बात कही*

वेंस ने किए अक्षरधाम मंदिर के दर्शन

प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात के पहले जेडी वेंस ने अपने परिवार के साथ दौरे के पहले दिन दिल्ली में अक्षरधाम मंदिर में दर्शन किए। मंदिर दर्शन के बाद उन्होंने कहा कि उनके बच्चों को अक्षरधाम मन्दिर बहुत पसंद आया। जेडी वेंस की ये यात्रा कूटनीति के साथ उनके लिए निजी तौर पर भी अहम है, क्योंकि जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस भारतीय मूल की हैं. और वो हिन्दू धर्म को मानती हैं। उनके माता-पिता मूल रूप से आंध्र प्रदेश के रहने वाले हैं।

अब कराएगी विकास के काम

'नक्सल' से मुक्त हुए छह जिले, पर फोर्स नहीं हटेगी

राजेश दास ▶▶| जगदलपुर

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह के मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद के खात्मे के ऐलान के बाद लगातार नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या घट रही है। इससे पूर्व तक देश के नक्सल प्रभावित 90 जिले थे इनकी संख्या वर्तमान में लगातार घटते हुए 75 रह गई है। नक्सल प्रभावित व नक्सलमुक्त जिलों को तीन श्रेणी अति नक्सल प्रभावित, नक्सल प्रभावित व पूर्व नक्सल प्रभावित की श्रेणी में बांटा गया है। नक्सलमुक्त होने के बाद भी इन जिलों में फोर्स की तैनाती रहेगी जो क्षेत्र के विकास होने तक इन इलाकों में तैनात ▶▶|शेष पेज 5 पर

खास खबर

बैकफुट में नक्सली

नक्सलियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई का परिणाम है कि संभाग के बस्तर व कोंडागांव के बाद दंतेवाड़ा जिले से नक्सलियों का लगभग सफाया कर नक्सलमुक्त करने हम प्रयासरत है। नक्सली बैकफुट में है बहुत जल्द पूरे संभाग को नक्सलमुक्त कर लिया जाएगा जिसके लिए शासन की मंशानुरूप रणनीति के तहत हम नक्सलियों के सफाए के साथ ही क्षेत्र के विकास की नीति पर काम कर रहे हैं।

-सुंदरराज पी

नक्सलमुक्त जिलों में भी रहेगी फोर्स तैनात

केन्द्र सरकार ने प्रदेश के 5 जिलों को नक्सलमुक्त की श्रेणी में रखा है लेकिन इन जिलों से फोर्स को नहीं हटाया जाएगा, इन जिलों के विकास के लिए एक ओर जहां फोर्स की तैनाती रहेगी। ▶▶|शेष पेज 5 पर

इन इलाकों से सिमटे नक्सली, खदेड़ने हो रहा प्रयास

बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित नौ इलाकों में वर्तमान में फोर्स का पूरा ध्यान है जहां नक्सलियों को टॉरगेट किया जा रहा है। इन इलाकों में अबूझमाड़ के उतरी व दक्षिणी क्षेत्र के अलावा नेशनल पार्क एरिया, इन्द्रावती एरिया, पिड़िया हिरोली एरिया, पामेड़ व उसूर एरिया, बीजापुर व सुकमा का सीमाई इलाका जिसे नक्सल लीडर हिड़मा का आधार क्षेत्र माना जाता है। इसके अलावा दंतेवाड़ा व सुकमा का सीमाई इलाका तथा जगरगुण्डा व किस्टाराम का सीमावर्ती इलाका शामिल है जहां वर्तमान में नक्सलियों की मौजूदगी बताई जा रही है। नक्सलियों के इन आधार इलाकों में वर्ष 2024 से अब तक 38 नए कैम्प खोले जा चुके है।

वायुसेना अफसरों पर हमला

विंग कमांडर-स्क्वाड्रन लीडर के साथ मारपीट, किया लहूलुहान

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से एक शर्मनाक वारदात सामने आई है। बेंगलुरु में भारतीय वायुसेना के विंग कमांडर शिलादित्य बोस और उनकी पत्नी स्क्वाड्रन लीडर मधुमिता के साथ खुलेआम मारपीट की गई है। दोनों अधिकारी डीआरडीओ कॉलोनी, सीवी रामन नगर से एयरपोर्ट की ओर जा रहे थे। इस दौरान ये घटना सामने आई। विंग कमांडर बोस ने एक वीडियो शेयर कर के इस पूरी घटना की जानकारी दी है। पुलिस ने विंग कमांडर शिलादित्य बोस की पत्नी की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

घटना का वीडियो साझा किया

शिलादित्य बोस ने सोशल मीडिया मंच 'इंस्टाग्राम' पर इस घटना का वीडियो साझा किया, जिसमें उन्होंने घटनाक्रम का विवरण दिया और अपने चेहरे एवं गर्दन पर लगी चोट के निशान दिखाए। उनके चेहरे एवं गर्दन से खून बहता हुआ नजर आ रहा था।

बेंगलुरु रोड रेज में नया मोड़

भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी और उनकी पत्नी से जुड़े बेंगलुरु रोड रेज मामले में नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है, जिसमें अधिकारी और कथित हमलावर के बीच हाथापाई का खुलासा हुआ है। इस वीडियो से मामले में एक नया मोड़ आया है, जिसमें अधिकारी के एकतरफा हमला किए जाने के शुरुआती दावे का खंडन हो गया है, जिसमें साफ है कि दोनों पक्षों ने हाथापाई की।

शहीद वाटिका में अंतिम विदाई

नक्सली आईईडी विस्फोट में सीएएफ का जवान शहीद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी की चपेट में आने से सोमवार को छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल का एक जवान शहीद हो गया। यह घटना जिले के तोयनार-फरसेगढ़ मार्ग पर स्थित मोरमेड जंगल में हुई। यह स्थान तोयनार से लगभग 4 किलोमीटर दूर है। शहीद जवान मनोज पुजारी 26 वर्ष सीएएफ की 19वीं बटालियन में तैनात थे। वे मार्ग निर्माण कार्य की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात थे, उस दौरान दर्दनाक हादसा हुआ। ▶▶|शेष पेज 5 पर

शहीद को दी गई अंतिम विदाई

शहीद जवान मनोज पुजारी को सोमवार की शाम शहीद वाटिका में अंतिम विदाई दी गई। नम आंखों और भारी मन से स्थानीय लोग, साथी जवान और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है।

अमेरिकी दौरे पर उठाए ईसी पर सवाल, आपस में भिड़ी कांग्रेस-भाजपा

राहुल बोले-निर्वाचन आयोग ने 'कर लिया है समझौता'

एजेंसी ▶▶| बोस्टन

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का हवाला देते हुए आरोप लगाया है कि निर्वाचन आयोग ने 'समझौता कर लिया है' और 'प्रणाली में कुछ गड़बड़ है'। राहुल गांधी शनिवार को अमेरिका पहुंचे। राहुल का यह वीडियो सामने आने के बाद भारतीय जनता पार्टी कांग्रेस पर हमलावर हो गई है। राहुल गांधी के इस बयान को भाजपा ने भारत की संवैधानिक संस्था का अपमान बताते हुए कहा कि राहुल गांधी ने विदेशों में भारत को बदनाम करने की सुपारी ले रखी है। इधर, कांग्रेस ने राहुल गांधी का बचाव किया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने एक कार्यक्रम को संबोधित करते ▶▶|शेष पेज 5 पर

क्या कहा था राहुल गांधी ने

अमेरिकी दौरे पर गए कांग्रेस नेता ने बोस्टन यूनिवर्सिटी में छात्रों को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि भारत में सिस्टम में कुछ तो बुनियादी गड़बड़ियां हैं। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव का उदाहरण देते हुए कहा कि उस चुनाव के दौरान माहौल बिल्कुल अलग था। इस चुनाव के दौरान महज 2 घंटे के अंदर वोटर लिस्ट में करीब 65 लाख मतदाता जुड़ गए, जो कि लगभग असंभव है।

भाजपा ने राहुल को देशद्रोही बताया

भाजपा ने निर्वाचन आयोग के खिलाफ कथित टिप्पणी को लेकर सोमवार को राहुल गांधी को 'देशद्रोही' करार दिया और उन पर 'नेशनल हेराल्ड' मामले में ईडी की कार्रवाई को लेकर निर्वाचन आयोग पर अपनी भड़ास निकालने का आरोप लगाया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, आप प्रवर्तन निदेशालय (की 'नेशनल हेराल्ड' मामले में कार्रवाई) की वजह से निर्वाचन आयोग पर भड़ास निकाल रहे हैं।

राहुल गांधी के समर्थन में कांग्रेस

अमेरिका के बोस्टन में चुनाव आयोग पर दिए बयान के मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी राहुल गांधी के समर्थन में उतर आई है। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पवन खेड़ा ने कहा कि कांग्रेस को भारतीय चुनाव आयोग के काम करने के तरीके पर शक है।

चिंतन

लोकसेवा को भ्रष्टाचारमुक्त व जवाबदेह बनाने की जरूरत

सरकार चाहे नीतियां बनाएं या बजट, तीन बातों को ध्यान में रखकर काम करती है। अल्प अवधि यानी तत्काल की जरूरत, मध्य अवधि की आवश्यकता और दीर्घ अवधि की योजना। कार्ययोजना चालू वर्ष, अगले तीन वर्ष और पांच वर्ष के लिए तैयार की जाती है। पिछले एक दशक से सरकार कुछ इसी पैटर्न पर काम कर रही है। सरकार ने लंबी अवधि योजना के तहत वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य भी अपने लिए रखा है। लेकिन सभी स्तर की योजनाओं के क्रियान्वयन में लोक सेवक या प्रशासनिक अधिकारियों की अहम भूमिका है। भारत की विकास यात्रा और नीति निर्माण में लोक सेवक रीढ़ की भूमिका निभाते हैं। यह खासियत भी है और कमियां भी हैं। योग्य व श्रेष्ठ ब्रेन लोक सेवा में आते हैं, लेकिन हमारी प्रशासनिक कार्यप्रणाली में इतनी जड़ता, बाबूइज्म, सुस्ती व भ्रष्टाचार हैं कि नीति निर्माण से लेकर उसके क्रियान्वयन तक की प्रक्रिया अपेक्षित परिणाम नहीं दे पाते हैं। आजादी के बाद से ही अंग्रेजी ढर्रे पर चल रहे प्रशासनिक ढांचे में समय समय पर यूं तो अनेक बार सुधार किए गए हैं, इसके बावजूद इसका मूल चरित्र लोकोन्मुखी नहीं हो सका है। देश के प्रशासनिक ढांचे में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। 21 अप्रैल को हर वर्ष सिविल सेवा दिवस मनाया जाता है, इस दिन लोक सेवकों को अपने कामकाज का अवलोकन करने का अवसर मिलता है। देश के पहले गृहमंत्री लौहपुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने वर्ष 1947 में इसी दिन दिल्ली के मेटकाफ हाउस में परिवीक्षाधीन प्रशासनिक सेवा अधिकारियों को संबोधित किया था और लोक सेवकों को 'भारत का स्टील फ्रेम' कहा था। देश का प्रशासनिक ढांचा आज भी स्टील फ्रेम की तरह मजबूत है, लेकिन भारतीयता, स्थानीय जरूरत, स्वदेशी ढांचा, पारदर्शिता, जवाबदेही, समयबद्धता, गतिशीलता जैसे लक्षणों से दूर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीय प्रशासनिक ढांचे की जड़ता की ओर ध्यान दिलाते हुए विज्ञान भवन में लोक सेवकों के साथ अपने संवाद में दो टूक कहा कि, 'भारत की नौकरशाही और नीति निर्माण प्रक्रिया पुराने ढर्रे पर नहीं चल सकती।' पीएम ने औद्योगीकरण और उद्यमिता की गति को नियंत्रित करने वाले नियामक के रूप में नौकरशाही की पुरानी भूमिका का जिक्र करते हुए इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्र इस मानसिकता से आगे बढ़ चुका है और अब ऐसा माहौल बना रहा है जो आम नागरिकों के बीच उद्यमिता को प्रोत्साहित करता है एवं उन्हें बाधाओं से निपटने में मदद करता है। इसलिए सिविल सेवाओं को अपने में बदलाव कर नियम पुस्तिकाओं का मात्र रखवाला न बनकर, विकास का सूत्रधार बनना चाहिए। देश का शासन मॉडल अब अगली पीढ़ी के सुधारों पर केंद्रित है तथा सरकार एवं आम नागरिकों के बीच की खाई को पाटने के लिए प्रौद्योगिकी एवं नई प्रक्रियाओं का सहारा लिया जा रहा है। हाल के वर्षों में सरकार ने नागरिक सशक्तिकरण, सेवा वितरण में सुधार, डिजिटल गैप को पाटने व प्रशासनिक क्षमता में वृद्धि के लिए कदम उठाए हैं। सिविल सेवा को दक्ष, प्रतिस्पर्धी और प्रभावी बनाने के लिए मिशन कर्मयोगी, लेटरल एंट्री, ई-समीक्षा, ई-ऑफिस, सिटीजन चार्टर, सुशासन सूचकांक जैसे उपाय किए गए हैं। इन सुधारों का मुख्य उद्देश्य लोकसेवा को अधिक कुशल, पारदर्शी, भ्रष्टाचार मुक्त और जवाबदेह बनाना है। हालांकि 1966 और 2005 के प्रशासनिक सुधार आयोगों की सिफारिशें अभी भी लागू होने का इंतजार कर कर रही हैं। सिविल सेवकों के कामकाज व सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का सोशल ऑडिट आवश्यक है। सिविल सेवा को अधिक जवाबदेह, लोकोन्मुख और परिणामोन्मुखी बनाने की आवश्यकता है।

वेंस की यात्रा

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा पर पूरे देश और दुनिया की निगाहें लगी हुई हैं। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शुल्क के मुद्दे और भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के मद्देनजर बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने सहित भारत-अमेरिका संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर भी वार्ता होगी। उम्मीद करें कि वेंस की भारत यात्रा के दौरान भारत के साथ शुल्क के मुद्दे और भारत-अमेरिका के बीच हुए नए कारोबार समझौते को वर्ष 2025 के अंत तक अंतिम आकार दिए जाने के लक्ष्य के मद्देनजर लाभप्रद होगी। साथ ही इससे भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार का नया दौर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

यूएस से कारोबार की नई उम्मीदें

इक्कीस से 24 अप्रैल तक अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा पर पूरे देश और दुनिया की निगाहें लगी हुई हैं। इस दौरान वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शुल्क के मुद्दे और भारत-अमेरिका के द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने के मद्देनजर बातचीत को तेजी से आगे बढ़ाने सहित भारत-अमेरिका संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर भी वार्ता होगी। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि 18 अप्रैल को प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी सहयोगी और अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क के बीच प्रौद्योगिकी और नवाचार में साझेदारी तथा आपसी कारोबार हित संबंधी मुद्दों पर प्रभावी चर्चा हुई है।

गौरतलब है कि विगत 13 फरवरी को प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप के बीच व्हाइट हाउस में हुई द्विपक्षीय वार्ता के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप एक हाथ से देने और दूसरे से लेने में कामयाब दिखाई दिए हैं। इस वार्ता के दौरान भारत और अमेरिका ने व्यापार निवेश, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और रक्षा क्षेत्र में कारोबार तथा वैश्विक व्यापक रणनीतिक साझेदारी को मजबूत बनाने पर आधारित नए द्विपक्षीय कारोबार समझौते की रूपरेखा पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने अमेरिका के व्यापार घाटे को कम करने, व्यापार पर गतिरोध के बीच टैरिफ को कम करने, अधिक अमेरिकी तेल, गैस और लड़ाकू विमानों की खरीदी के बारे में बात करने और रियायतों पर भी सहमति जताई है। दोनों देशों ने द्विपक्षीय समझौते के तहत भारत और अमेरिका के बीच वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार के लिए 500 अरब डालर का लक्ष्य निर्धारित किया है। साथ ही भारत और अमेरिका भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे के निर्माण के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। इस परिप्रेक्ष्य में विगत 9 अप्रैल को अमेरिका के वित्तमंत्री स्कॉट बेसेंट ने व्हाइट हाऊस में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि पूरी दुनिया में भारत ऐसे पहले देश के रूप में सामने आया है, जो अमेरिका के साथ सबसे पहले टैरिफ पर प्रभावी बातचीत करते हुए दिखाई दे रहा है। भारत-अमेरिका के बीच बीटीए को 31 दिसंबर 2025 तक पूर्ण करना सुनिश्चित किया गया है। यह भारत की टैरिफ कूटनीति की ही जीत है कि ट्रंप द्वारा चीन पर 245 फीसदी टैरिफ लागू कर दिया गया है और भारत पर लगाए गए 26 फीसदी टैरिफ को 90 दिनों तक स्थगित कर दिया गया है। ऐसे में भारत के कई प्रमुख उद्योग क्षेत्र लाभान्वित हो सकते हैं। इनमें आईटी, टेक्सटाइल और परिधान और सेमीकंडक्टर उद्योग आदि शामिल हैं। निःसंदेह अमेरिका और चीन के बीच व्यापार युद्ध में भारत का यह रणनीतिक मंथन है कि मित्र देश अमेरिका से भारत को अधिक लाभ हो सकते हैं। हाल ही में प्रकाशित विदेश व्यापार के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका लगातार चौथी बार भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। साथ ही दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार 131.84 अरब डॉलर पर पहुंच गया। यह महत्वपूर्ण है कि पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में अमेरिका को भारत का निर्यात 11.6 प्रतिशत बढ़कर 86.51 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 77.52 अरब डॉलर था। 2024-25 में अमेरिका से आयात 7.44

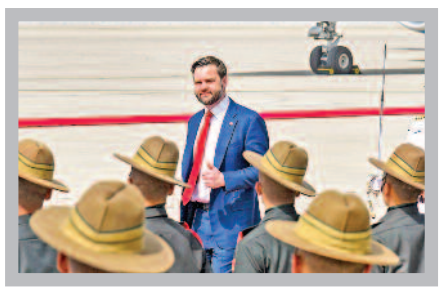

प्रतिशत बढ़कर 45.33 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 42.2 अरब डॉलर था। अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 41.18 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जो 2023-24 में 35.32 अरब डॉलर था।

यदि हम भारत के द्वारा अमेरिका को किए गए मुख्य निर्यात को देखें तो पाते हैं कि पिछले वर्ष अमेरिका को किए गए निर्यात में औषधि निर्माण व जैविक (8.1 अरब डॉलर), दूरसंचार उपकरण (6.5 अरब डॉलर), कीमती व अर्ध-कीमती पत्थर (5.3 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 अरब डॉलर), सोना व अन्य कीमती धातु के आभूषण (3.2 अरब डॉलर), सहायक उपकरण सहित सूती तैयार वस्त्र (2.8 अरब डॉलर) और लोहा व इस्पात के उत्पाद (2.7 अरब डॉलर) शामिल हैं। अमेरिका से भारत वाले आयात में कच्चा तेल (4.5 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (3.6 अरब डॉलर), कोयला, कोक (3.4 अरब डॉलर), कटे व पॉलिश किए हुए हीरे (2.6 अरब डॉलर), इलेक्ट्रिक मशीनरी (1.4 अरब डॉलर), विमान, अंतरिक्ष यान तथा उसके पुर्जे (1.3 अरब डॉलर) और सोना (1.3 अरब डॉलर) शामिल है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि भारत में प्रधानमंत्री के तौर पर बीते 11 सालों में अमेरिका के साथ भारत के आर्थिक और कारोबारी रिश्ते मजबूत रहे हैं और भारत का अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार लगातार बढ़ा है। यह द्विपक्षीय कारोबार वित्त वर्ष 2013-14 में महज 61.5 अरब डॉलर था, वह वित्त वर्ष 2024-25 में 131.84 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। इतना ही नहीं अमेरिका से भारत में किया गया एफडीआई भी रिकॉर्ड ऊंचाई पर है। यह भी उल्लेखनीय है कि जहां अमेरिका के साथ भारत का कारोबार बढ़ना भारत के लिए लाभप्रद है, वहीं चीन के साथ द्विपक्षीय कारोबार भारत के लिए हानिप्रद है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में चीन को भारत का निर्यात 14.5 प्रतिशत घटकर 14.25 अरब डॉलर रह गया, जबकि 2023-24 में यह 16.66 अरब डॉलर था। चिंताजनक यह भी है कि चीन से 2024-25 में आयात 11.52 प्रतिशत बढ़कर 113.45 अरब डॉलर हो गया, जबकि 2023-24 में यह 101.73 अरब डॉलर था। चीन के साथ व्यापार घाटा पिछले वित्त वर्ष में करीब 17 प्रतिशत बढ़कर 99.2 अरब अमेरिकी डॉलर हो गया, जो 2023-24 में 85.07 अरब अमेरिकी डॉलर था। चीन 2024-25 में 127.7 अरब अमेरिकी डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार के साथ भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बना रहा। दोनों देशों में 2023-24 में 118.4 अरब अमेरिकी डॉलर का द्विपक्षीय व्यापार हुआ था। यद्यपि इस समय सरकार अमेरिका और चीन के टैरिफ वॉर के बीच घरेलू उद्योगों के संरक्षण के लिए राहत देने की तैयारी कर रही है, लेकिन अब टैरिफ संरक्षण की बजाय वैश्विक प्रतिस्पर्धा, अनुसंधान व विकास पर भी अधिक ध्यान दिया जाना होगा। कृषि तथा श्रम सहित अन्य सुधारों के क्रियान्वयन पर ध्यान देना होगा। जीएसटी को सरल बनाना होगा। लॉजिस्टिक्स व बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। देश को अधिक डिजिटल महारत हासिल करनी होगी। भारत को सेवा निर्यात और तेजी से बढ़ाने की नई रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा। चूंकि अमेरिका ने चीन से अपने देश में आने वाले उत्पादों पर ज्यादा शुल्क लगा दिया है, ऐसे में भारत की ओर चीनी सामान की डंपिंग शुरू हो गई है। इसे देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों के भारतीय उद्यमियों और कारोबारियों की घरेलू बाजार में चीनी सामान की 'डंपिंग' को लेकर चिंताओं पर ध्यान दिया जाना होगा।

हम उम्मीद करें कि जेडी वेंस की भारत यात्रा के दौरान भारत के साथ शुल्क के मुद्दे और भारत-अमेरिका के बीच हुए नए कारोबार समझौते को वर्ष 2025 के अंत तक अंतिम आकार दिए जाने के लक्ष्य के मद्देनजर लाभप्रद होगी। साथ ही इससे भारत-अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार का नया दौर आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

सारा संसार

गोबिंद सागर झील सतलुज नदी पर बने भाखड़ा बांध के पानी से बनी एक मानव निर्मित झील है जो 170 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैली हुई है जो 90 किलोमीटर लंबी है। अपने स्थान और हिमालय पर्वतमाला से निकटता के कारण, झील हरे-भरे हरियाली और हर मोड़ पर शांति की आभा से घिरी हुई है।

विश्व पृथ्वी दिवस

रोहित कौशिक

सिर्फ नारों से नहीं बचेगी धरती

यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज धरती को बचाने के लिए भाषणबाजी तो बहुत होती है, लेकिन धरातल पर काम नहीं हो पाता है। यही कारण है कि धरती और पर्यावरण की स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। जिस तरह से मौसम चक्र बिगड़ रहा है, वह हम सबके साथ समाज के उस वर्ग के लिए भी चिंता का विषय है जो ग्लोबल वार्मिंग पर चर्चा करने को फैशन मानने लगा था। दरअसल इन दिनों सम्पूर्ण विश्व में धरती बचाने के नारे जोर-शोर से सुने जा सकते हैं, लेकिन जब नारे लगाने वाले ही अभियान की हवा निकालने में लगे हों, तो धरती पर संकट के बादल मंडराने तय हैं। आज विभिन्न देशों में अनेक मंचों से जो धरती बचाओ आन्दोलन चलाए जा रहे हैं, उनमें एक अजीब विरोधाभास दिखाई दे रहा है। धरती सभी बचाना चाहते हैं, लेकिन अपने नहीं दूसरों के त्याग की कीमत पर। स्थायी विकास, ग्रीन इकोनॉमी और पर्यावरण संबंधी विभिन्न चुनौतियों पर चर्चा जरूरी है लेकिन इसका फायदा तभी होगा जब हम व्यापक दृष्टि से सभी देशों के हितों पर ध्यान देंगे। गौरतलब है कि ग्रीन इकोनॉमी के तहत पर्यावरण को नुकसान पहुंचाए बिना सभी वर्गों की तरक्की वाली अर्थव्यवस्था का निर्माण करना शामिल है लेकिन हरित अर्थव्यवस्था के उद्देश्यों के क्रियान्वयन के लिए विकसित देश, विकासशील देशों की अपेक्षित सहायता नहीं करते। स्पष्ट है कि विकसित देशों की हठधर्मिता की वजह से पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों पर कोई स्पष्ट नीति नहीं बन पाती है। वास्तव में हम पिछले अनेक दशकों से भ्रम में जी रहे हैं। यही कारण है कि पर्यावरण के अनुकूल तकनीक के बारे में सोचने की फुरसत किसी को नहीं है। पुराने जमाने में पर्यावरण के हर अवयव को भगवान का दर्जा दिया जाता था। नए जमाने में पर्यावरण के अवयव वस्तु के तौर पर देखे जाने लगे और हम इन्हें मात्र भोग की वस्तु मानने लगे। यह समझ विकसित करने के लिए एक बार फिर हमें नए सिरे से सोचना होगा। हमें यह मानना होगा कि जलवायु परिवर्तन की यह समस्या किसी एक शहर, राज्य या देश के सुधरने से हल होने वाली नहीं है। इस समय सम्पूर्ण विश्व में पर्यावरण के प्रति चिंता देखी जा रही है। यदि ग्रीन हाउस गैसों की वृद्धि इसी तरह जारी रही तो दुनिया को लू, सूखे, बाढ़ व समुद्री तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं का सामना करना पड़ेगा। तटीय इलाकों पर अस्तित्व का संकट पैदा हो जाएगा और अनेक पारिस्थितिक तंत्र, जंतु एवं वनस्पतियां विलुप्त हो जाएंगी। 30 फीसद एशियाई प्रवाल भित्ती जो कि समुद्रीय जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, अगले तीस सालों में समाप्त हो जाएंगी। वातावरण में कार्बनडाइआक्साइड की मात्रा बढ़ने से समुद्र के अम्लीकरण की प्रक्रिया बढ़ती चली जाएगी जिससे खोल या कवच का निर्माण करने वाले प्रवाल या मूंगा जैसे समुद्रीय जीवों और इन पर निर्भर रहने वाले अन्य जीवों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। दरअसल उन्नत भौतिक अवसंरचना जलवायु परिवर्तन के विभिन्न खतरों जैसे बाढ़, खराब मौसम, तटीय कटाव आदि से कुछ हद तक रक्षा कर सकती है। गौरतलब है कि विभिन्न तौर-तरीकों से जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित किया जा सकता है। इन तौर-तरीकों में ऊर्जा प्रयोग की उन्नत क्षमता, वनों के काटने पर नियंत्रण और जीवाश्म ईंधन का कम से कम इस्तेमाल जैसे कारक प्रमुख हैं। अब हमें यह समझना होगा कि धरती को सिर्फ नारे लगाकर नहीं बचाया जा सकता।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुख-शांति से जीवन जीने की कला

संकलित

दर्शन

भगवान महावीर, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर न केवल एक महान तपस्वी थे बल्कि एक महान दार्शनिक और आध्यात्मिक मार्गदर्शक भी थे। उनके उपदेश आज भी मानव जीवन को दिशा देने वाले हैं। उन्होंने जिन पांच मूल सिद्धांतों-अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह की शिक्षा दी, वे आज के तनावपूर्ण और भौतिकतावादी युग में भी सुख-शांति का मार्ग दिखाते हैं। अगर हम उनके बताए मार्गों को अपने जीवन में उतारें, तो न केवल व्यक्तिगत स्तर पर सुख-शांति पा सकते हैं, बल्कि समाज और विश्व में भी करुणा, नैतिकता और अहिंसा की भावना को जागृत कर सकते हैं। भगवान महावीर का मार्ग समयातीत है-हर युग में प्रासंगिक और हर मनुष्य के लिए उपयोगी। भगवान महावीर स्वामी का प्रमुख संदेश था- अहिंसा परमो धर्मः। भगवान महावीर ने सत्य को आत्मा की शक्ति बताया। जो वस्तु हमारी नहीं है, उसे न लेना ही अचौर्य है। यह न केवल बाह्य चोरी से संबंधित है, बल्कि मानसिक और नैतिक स्तर पर भी लालच न करने की प्रेरणा देता है। आज जब भोगवादी प्रवृत्तियां चरम पर हैं, यह सूत्र संयम और संतोष का मार्ग दिखाता है। ह्मचर्य का तात्पर्य केवल शारीरिक संयम नहीं, बल्कि इंद्रियों की संपूर्ण नियंत्रण से है। यह व्यक्ति को मानसिक स्थिरता, आत्मानुशासन और ध्यान की शक्ति देता है। आधुनिक जीवन की दौड़ में यह सूत्र आत्म-शक्ति और जीवन-संतुलन बनाए रखने में सहायक हो सकता है।

जीवन भर काम आएंगी ये बातें

संकलित

प्रेरणा

चाणक्य नीति को जीवन के गहन रहस्यों की कुंजी माना जाता है। आचार्य चाणक्य, जिनकी दूरदृष्टि, नीति निपुणता और तीक्ष्ण बुद्धि ने एक पूरे साम्राज्य की नींव रखी। यदि किसी धर्म में दया का भाव नहीं है, तो वह केवल एक खोखला आडंबर बन जाता है-ऐसे धर्म को त्याग देना चाहिए। उसी प्रकार जो गुरु ज्ञानहीन हो, पत्नी सदैव क्रोधित रहे और जो बंधुजनों में स्नेह न हो, उन्हें भी त्याग देना चाहिए। आचार्य चाणक्य के अनुसार आज जब समाज में दिखावे और आडंबर का बोलबाला है, यह श्लोक हमें बताता है कि असली मूल्य भावनाओं का है, आचरण का है। रिश्ते तब तक मूल्यवान हैं जब तक उनमें स्नेह, सहयोग और करुणा हो। यदि कोई रिश्ता केवल तनाव और क्रोध से भरा हो, तो वह आपके मानसिक स्वास्थ्य के लिए विषाक्त हो सकता है। ऐसे में बुद्धिमत्ता इसी में है कि व्यक्ति ऐसे संबंधों से दूरी बना ले जो जीवन को बोझ बना दें। जैसे सोने की परख उसे घिसने, काटने, तपाने और पीटने से होती है, वैसे ही मनुष्य की असली पहचान उसके त्याग, शील (चरित्र), गुण और कर्म से होती है। आधुनिक युग में जहां व्यक्ति को उसके बाहरी लिबास और सोशल स्टेटस से आंका जाता है। आचार्य चाणक्य का यह श्लोक याद दिलाता है कि सच्ची पहचान परिस्थितियों में दिखती है। जब समय कठिन होता है, तब ही असली चरित्र सामने आता है। ये पंक्तियां आज के नेताओं, शिक्षकों, माता-पिता और हर आम इंसान के लिए मार्गदर्शन का काम करती हैं क्योंकि जीवन का मूल्य उसकी आंतरिक गुणवत्ता से होता है, ना कि उसकी चमक-धमक से।

अंतर्मन

आज की पाती

शादियों में दिखावा गरीबों के लिए मुसीबत

हमारे देश में लोगों में दिखावे की भावना बहुत बढ़ गई है। लगभग हर त्योहार, सामाजिक और धार्मिक समारोहों में भी दिखावा किया जा रहा है। यह दिखावा हमारा आर्थिक नुकसान ही नहीं करवाता है, बल्कि हमारी मानसिक शांति भी भंग करता है, खास तौर पर उनके लिए यह दिखावा मुसीबत बनता है जो अपनी हैसियत से ज्यादा खर्चा करते हैं। त्योहारों के साथ-साथ अब शादियों का मौसम भी शुरू हो गया है। हमारे देश में शादी समारोह में भी फिजूलखर्ची लोक दिखावे के लिए होने लगी है। लोक दिखावे के लिए लोग अपने पैर चादर से बाहर भी पसार देते हैं। इसके कारण अनेक समस्याएं, गरीबों के सामने पैदा होती हैं। दिखावे की बढ़ती परंपरा पर रोक लगनी चाहिए। *-किशन सिंह, रायपुर*

ट्रेंड

चैंपियनों को हार्दिक बधाई

सऊदी अरब के दम्मम में छठी एशियाई युवा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हमारे अंडर-18 एथलीटों द्वारा अविश्वसनीय प्रयास। 11 पदकों की प्रभावशाली संख्या के साथ, उन्होंने देश को बहुत गौरव दिलाया है। हमारे सभी युवा चैंपियनों को हार्दिक बधाई।
-मनसुख मांडविया, केंद्रीय मंत्री

पोप के निधन से दुनिया दुःखी

पोप फ्रांसिस के निधन से पूरी दुनिया दुखी है, जिन्हें आने वाली पीढ़ियां महत्वपूर्ण मानेंगी। वे अंतर-धार्मिक समझ और जुड़ाव के समर्थक थे। वे वैश्विक शांति और सद्भाव के लिए भी प्रभावशाली शक्ति थे, जिन्होंने भेदभाव समाप्त करने का समर्थन किया।
-मल्लिकार्जुन खड़गे, कांग्रेस अध्यक्ष

यूपी पुलिस ने गिरफ्तार किया

महात्मा ज्योतिबा फुले जी और माता सावित्री बाई फुले जी के जीवन पर बनी फिल्म पर मोदी सरकार के इशारे पर सेंसर बोर्ड द्वारा लगाई गई रोक के विरोध में लखनऊ में प्रदर्शन कर रहे आप कार्यकर्ताओं को योगी की तानाशाह पुलिस ने किया गिरफ्तार।
-संजय सिंह, आप नेता

पुनर्मूल्यांकन करें

अगर यह आपकी शांति की कीमत चुकाता है, तो यह बहुत महंगा है। कोई भी नौकरी, व्यक्ति या आदत आपकी समझदारी के लायक नहीं है। अपनी शांति की रक्षा करें जैसे कि यह अमूल्य है-क्योंकि यह अमूल्य है। पुनर्मूल्यांकन करें। पुनः प्राप्त करें। पुनः ध्यान केंद्रित करें।
-हर्ष गोयनका, उद्योगपति

करंट अफेयर

कांगड़ा घाटी के रेलवे स्टेशन पर समृद्ध इतिहास वाली कलाकृतियां

हिमाचल प्रदेश की कांगड़ा घाटी में लगभग 100 साल पुराने कई रेलवे स्टेशन पर 1929 में उनकी स्थापना के बाद से ट्रेन परिचालन में इस्तेमाल हुए पुरातन उपकरणों और कलाकृतियों को प्रदर्शित किया गया है। इस प्रदर्शनी का आयोजन 18 अप्रैल को मनाए जाने वाले विश्व धरोहर दिवस के उपलक्ष्य में 14 से 20 अप्रैल तक किया गया। कांगड़ा, पालमपुर और पठानकोट जैसे स्टेशन पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस प्रदर्शनी के दौरान रात्रिकालीन सिग्नल प्रणाली के लिए लालटेन, 'लेवल क्रॉसिंग' पर लालटेन, पहिया फिसलने से रोकने के लिए 'स्किप' उपकरण और ट्रेन संचालन में इस्तेमाल किए जाने वाले कई अन्य उपकरणों समेत दुर्लभ उपकरणों को प्रदर्शित किया गया। वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता भूपेंद्र ने कहा, इस दौरान फिरोजपुर मंडल ने पठानकोट स्टेशन पर विरासत से जुड़ी कलाकृतियों की प्रदर्शनी, पालमपुर स्टेशन पर विरासत गलियारा, कांगड़ा स्टेशन पर रोशनी का प्रबंध, नूरपुर और बैजनाथ के बीच चलने वाली 'नैरो-गेज' ट्रेन की सजावट, फिरोजपुर स्टेशन और मंडल कार्यालय के पास विरासत से जुड़ी वस्तुओं के विवरण के साथ 'सेल्फी प्वाइंट' की स्थापना की गई। उन्होंने बताया कि मंडल कार्यालय में विरासत से संबंधित चित्रकला और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं।

ऑफ बीट

राष्ट्रीय राजधानी में बढ़ी मादक पदार्थों की तस्करी

दिल्ली में 2024 की तुलना में 2025 के शुरूआती तीन महीनों में मादक पदार्थों से संबंधित अपराधों में दोगुनी वृद्धि देखी गई, जबकि आबकारी अधिनियम के तहत दर्ज मामलों में 80 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। पुलिस द्वारा रविवार को साझा किये गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आंकड़ों के मुताबिक, एक जनवरी से 31 मार्च 2025 के बीच दिल्ली में आबकारी अधिनियम के तहत कुल 2,496 मामले दर्ज किए गए, जबकि इसी अवधि के दौरान 2024 में कुल 1,382 मामले दर्ज किए गए थे। इसी प्रकार, स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के उल्लंघन के मामले 257 से बढ़कर 544 हो गए। रोजाना औसतन छह मामले सामने आए। आंकड़ों के मुताबिक, शस्त्र अधिनियम के तहत दर्ज मामले भी बढ़े हैं, जो पिछले वर्ष के 957 से बढ़कर इस वर्ष 1,049 हो गए हैं, जबकि जुआ अधिनियम के तहत दर्ज मामले 2024 के 677 से बढ़कर 1,018 हो गए हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि दिल्ली में अपराध में यह बढ़ोतरी प्रवर्तन कार्रवाई में वृद्धि के कारण हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, शस्त्र अधिनियम और जुआ अधिनियम सहित विभिन्न कानूनों के तहत दर्ज अपराधों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

भरोसेमंद और सुरक्षित पेमेंट्स
बिल्कुल सेफ ट्रांज़ेक्शन्स

आसान पेमेंट्स
सिंपल इंटरफ़ेस बनाया गया है भारत के लिए

सबके लिए
15+ भाषाएँ, स्प्लिट एन एक्सपेंस, स्पेंड एनालिटिक्स, UPI Lite (पिन लैस ट्रांज़ेक्शन्स) और फ़ैमिली-मोड

एसएस राजामौली हैं भारत के सबसे महंगे डायरेक्टर

मुंबई। अब तक आपने बड़े बड़े सुपरस्टार्स की फीस के बारे में तो ढेरों किस्से पढ़े होंगे। चलिए आज आपको भारत के सबसे महंगे फिल्ममेकर से मिलवाते हैं। जिनकी फीस के आगे बड़े बड़े धुरंधरों की फीस भी चिल्लर है। इंडियन सिनेमा में एक डायरेक्टर ऐसे हैं जिन्होंने अब तक जितनी फिल्में बनाई हैं वो सुपरहिट रही हैं। देश ही नहीं, दुनिया में भी इनका डंका बजा है। चलिए इनसे मिलवाते हैं। ये कोई और नहीं, बल्कि एसएस राजामौली हैं, जिन्हें भारत का सबसे हाईएस्ट-पेड फिल्म डायरेक्टर कहा जा सकता है। मूल रूप से वह तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री से आते हैं, मगर उनकी फिल्में पैन इंडिया ही होती है। वह एक फिल्म के करीब 200 करोड़ रुपए चार्ज करते हैं। वहीं, ट्रेंड इनसाइडर्स एसएस राजामौली के कामकाज के तौर तरीकों पर बात करते हुए बताते हैं कि वह भारी भरकम फीस के साथ साथ फिल्म के राइट्स, शेयर से लेकर बोनस तक भी हासिल करते हैं। आरआरआर के वक्त ही एसएस राजामौली की फीस 200 करोड़ रुपए थी। इस रकम के साथ वह सबसे महंगे डायरेक्टर बन जाते हैं।

दो सगी बहनें : एक बनी सुपरस्टार, दूसरी रह गई गुमनाम... बन गई दुश्मन!

नई दिल्ली। *इंडियन सिनेमा की सबसे सफल एक्ट्रेस की बात हो तो यकीनन श्रीदेवी का नाम सबसे टॉप पर आता है। जिन्होंने 300 फिल्मों में काम किया। बॉलीवुड से लेकर साउथ तक उनकी तूती बोली। एक्टर से लेकर तमाम डायरेक्टर तक उनके फैन हुआ करते थे। लेकिन, क्या आप श्रीदेवी की बहन की कहानी के बारे में जानते हो। श्रीदेवी की एक सगी बहन भी रही हैं, जिनका नाम है श्रीलता। तो चलिए आज श्रीलता और श्रीदेवी के रिश्ते, दरार और पूरी कहानी से रूबरू करवाते हैं। श्रीदेवी ने कई दशकों तक राज किया है। कॅरियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम किया और हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस बनीं। वह साउथ से लेकर बॉलीवुड में लगातार काम करती थीं। कॅरियर के दौरान उनका नाम कभी मिथुन चक्रवर्ती से जुड़ा तो फिर शादी बोनी कपूर से कर ली। वहीं, दूसरी ओर उनका रिश्ता बहन श्रीलता के साथ शुरुआत में काफी गहरा रहा है। जहां श्रीदेवी इंडस्ट्री की बड़ी सुपरस्टार बनीं तो श्रीलता वहां तक नहीं पहुंच पाईं। फिर जिंदगी में एक मोड़ ऐसा आया कि दोनों के रिश्ते में खटास आने लगी। फिर तो एक मौका ऐसा भी था जब दोनों एक-दूसरे से बात भी नहीं करती।*

क्यों पड़ी थी श्रीदेवी और श्रीलता में दरार

1996 की बात है। श्रीदेवी की मां अस्पताल में भर्ती थीं। तब दावा किया गया था कि उनका गलत ऑपरेशन के कारण याददाश्त कमजोर हो गई। बाद में उनकी तबीयत ठीक ही नहीं हुई और वह चल बसीं। इस घटना के बाद श्रीदेवी आगबबूला हो गईं और उन्होंने अस्पताल पर गलत ऑपरेशन का मुकदमा किया और 7.2 करोड़ रुपए का मुआवजा जीता। उस जमाने में उन्होंने इस रकम को अपने पास रख लिया।

श्रीदेवी की बहन बनी मैनेजर

श्रीदेवी ने 1970 के दशक में अपने कॅरियर की शुरुआत की, तब श्रीलता अक्सर उनके साथ सेट पर जाती थीं। श्रीलता बहन के साथ-साथ साया की तरह रहती। कभी वह उनके साथ अवॉर्ड फंक्शन में दिखती तो कभी इंडस्ट्री के कार्यक्रमों में नजर आती। कहते हैं कि बहन की तरह श्रीलता भी इंडस्ट्री में आना चाहती थीं। वह भी हीरोइन बनने की चाहत रखती थीं। लेकिन, श्रीलता कभी हीरोइन न बन सकी और वह अपनी बहन श्रीदेवी की मैनेजर बन गईं।

बहन ने दिया साथ

श्रीदेवी जहां इंडस्ट्री में बुलंदियां छू रही थीं, तो वहीं श्रीलता भी उनके हर कदम पर उनका साथ दे रही थीं। वह सब काम संभाल रही थीं। पहले उनकी मां सबकुछ देखती थीं। मगर, जब श्रीदेवी की मां का निधन हुआ तो दोनों बहनों के बीच दरार आ गई। तभी इस रिश्ते में खटास आने लगी।

कर दिया था बहन ने ही केस

एक रिपोर्ट के मुताबिक, मां के गुजरने के बाद श्रीदेवी ने अपनी मां की संपत्ति अपने नाम कर ली, जिससे श्रीलता नाराज हो गईं। यहीं से दो सगी बहनों के बीच दरार पड़ने लगी। फिर श्रीलता ने प्रॉपर्टी में अपना हिस्सा पाने के लिए बहन पर मुकदमा किया, यह दावा करते हुए कि उनकी मां मानसिक रूप से स्वस्थ नहीं थीं। श्रीलता को 2 करोड़ रुपए मिले, जिससे उनके रिश्ते में और कड़वाहट आ गई।

जीजा चाहते थे सुलह करवाने

कहते हैं कि श्रीदेवी के पति और श्रीलता के जीजा बोनी कपूर ने दोनों बहनों के बीच सुलह कराने की लाख कोशिश की थी। एक वक्त तो ऐसा भी आया जब ये अफवाह उड़ी कि दोनों बहनों के बीच सब सही हो गया है। ये बात है 2013 की जब श्रीदेवी को पद्मश्री से सम्मानित किया गया, तब उनकी बहन ने परिवार के बीच एक समारोह रखा। तभी ये बातें होने लगी थी कि दोनों के बीच सब सही हो गया है। हालांकि, इन मतभेद के खत्म होने की औपचारिक पुष्टि नहीं हुई। दोनों बहनें न तो साथ दिखीं न ही कुछ कहा।

श्रीदेवी की मौत के बाद भी गायब थीं बहन : कहते हैं कि जब श्रीदेवी की आकस्मिक मौत हुई तो श्रीलता चेन्नई में प्रार्थना सभा में भी नहीं पहुंची थीं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्रों ने कहा, 'श्रीलता को चुप रहने और तस्वीर से बाहर रहने के लिए कहा गया है। कुछ लोगों से तो ये भी सुना है कि वह श्रीलता को चैन्नई वाले बंगले का हक भी देंगे।' प्रॉपर्टी तो सब श्रीदेवी की थी। उनकी दौलत शोहरत से ही संपत्तियां अर्जित की गई थी।

Government of Jharkhand
Urban Development and Housing Department
Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

e-Procurement Tender Notice No. DMC/02/2025-26
NIT No.- DMC/02/2025-26 Date :- 21.04.2025

1.	Name of the work	**Construction of FSTP Plant under DMC, Dhanbad**
2.	Estimated Cost (Rs.)	Rs. **4,23,18,743.00**
3.	Tender Fee and Bid Security	Tender document fee: - INR 10,000/- (Ten Thousand Only) Non-Refundable. Bid Security: Rs **4,23,187.00** (Rupees Four Lakh Twenty Three Thousand One Hundred Eighty Seven Only).
4.	Time of Completion	365 Days
5.	Date / Time of Publication of Tender on Website	23.04.2025 at 03:00 PM
6.	Date of Pre-bid meeting	28 04.2025 at 03:00 PM in DMC, Mada Building, Luby Circular Road, Dhanbad.
7.	Start Date of Submission of Bids	29.04.2025 at 03:00 PM
8.	Last Date / Time for receipt of bids Online	16.05.2025 (On line) till 03:00 PM
9.	Date and Time of Technical Bid Opening Online.	17.05.2025 (On line) from 03:00 PM
10.	Name & address of office Inviting tender	Chief Executive Officer, Dhanbad Municipal corporation, Dhanbad.
11.	Helpline number of e-Procurement cell	**8986892064**
12.	e-mail id	**dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com**

NOTE:- (i) Only e-Tenders will be accepted. Further details can be seen on website http://www.jharkhandtenders.gov.in.
(ii) Contractor should be registered in Class (I) First class as per NIT
(iii) Estimated Cost / Quantity May Vary
(iv) Any Change/Information can be seen on Website on http://www.jharkhandtenders.gov.in

S/d-
Executive Engineer,
Dhanbad Municipal Corporation, Dhanbad

PR.NO.350718 Urban Development and Housing(25-26):D

भारतीय प्रबंध संस्थान, रायपुर

IIMR / CMGGF / **2025/01** **दिनांक : 22.04.2025**

दो वर्षीय लोक नीति एवं सुशासन में MBA हेतु आवेदन आमंत्रित

भारतीय प्रबंधन संस्थान (IIM) रायपुर, छत्तीसगढ़ शासन के प्रतिष्ठित मुख्यमंत्री सुशासन फैलोशिप (CMGGF) के अंतर्गत दो वर्षीय लोक नीति एवं सुशासन में MBA हेतु आवेदन आमंत्रित करता है।

आवेदन क्यों करें ?

- **पूर्णतः प्रायोजित :** इस पाठ्यक्रम की पूरी शुल्क राशि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा वहन किया जाएगा।
- **आकर्षक छात्रवृत्ति :** प्रत्येक नामांकित छात्र को प्रति माह ₹50,000 छात्रवृत्ति प्रदान किया जाएगा।
- **अनुभवात्मक शिक्षा :** IIM रायपुर परिसर में व्याख्यान तथा छत्तीसगढ़ सरकार के साथ प्रशिक्षण।

पात्रता मानदंड : –

- **स्थायी निवास :** अभ्यर्थी छत्तीसगढ़ राज्य के निवासी हों।
- CAT **स्कोर :** वर्ष 2022-2023 अथवा 2024 का कोई भी वैध CAT स्कोरकार्ड मान्य होगा।
- **शैक्षिक योग्यता :** किसी भी विषय में स्नातक डिग्री न्यूनतम 60% अंकों (आरक्षित श्रेणियों के लिए 55%) अथवा समतुल्य CGPA के साथ।
- **आरक्षण :** छत्तीसगढ़ राज्य की आरक्षण नीति के अनुसार।
- **आवेदन की अंतिम तिथि :** 11 मई 2025
- **पूर्ण जानकारी हेतु देखे : http:// iimraipur. ac. in/mba- ppg/**

S-43601/3

ऐश्वर्या-अभिषेक को एनिवर्सरी पर साथ देख खुश हुए फैन्स....

मुंबई। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन के तलाक की खबरों से उनके कई फैन्स के दिल टूटे थे। इस मैटर पर काफी गॉसिप भी चलती रही। अब ऐश्वर्या ने ऐनीवर्सरी पर अभिषेक के साथ फोटो पोस्ट करके सब कुछ ठीक होने की तरफ इशारा किया है। ऐश्वर्या राय के एक पोस्ट से उनके और अभिषेक बच्चन के फैन्स काफी खुश हैं। बीते कुछ वक्त से उन दोनों के तलाक की खबरें आ रही थीं। अब ऐश्वर्या ने अपनी एनीवर्सरी पर अभिषेक के साथ नई तस्वीर पोस्ट की है। इसके साथ में दिल वाला इमोजी भी लगाया है। इस पोस्ट को करीब ढाई लाख लोगों ने लाइक किया है। इस पोस्ट पर लोगों के कई तरह के पोस्ट दिख रहे हैं। ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन 20 अप्रैल साल 2007 में शादी के बंधन में बंधे थे। उनकी शादी को 18 साल हो चुके हैं। ऐनीवर्सरी के मौके पर ऐश्वर्या ने अभिषेक और आराध्या के साथ एक तस्वीर पोस्ट की। साथ में वाइट हार्ट इमोजी भी है। इस पर प्रियंका चोपड़ा सहित कई लोगों के लाइक्स हैं। फैन्स खुशी भी जता रहे हैं। एक फॉलोअर ने लिखा है, फाइनली सब ठीक हो गया, परिवार से इम्पॉर्टेंट कुछ नहीं है। इस पर एक रिप्लाई है, सब ठीक ही था भाई। एक ने लिखा है, इनके रीयूनाइट होने से मुझे क्यों खुशी हो रही है। एक और ने लिखा है, लो भी कन्फर्म हो गया कि डिवोर्स नहीं हो रहा है। एक कमेंट है, कौन था वो जो तलाक की खबर फैला रहा था। एक ने लिखा है, तीनों की साथ तस्वीर पोस्ट करने के लिए थैंक यू। शादीशुदा कपल्स को आप दोनों से सीखना चाहिए। कुछ भी हो, एक कपल को सारे उतार-चढ़ाव में साथ रहना चाहिए।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया

सूचना

इस कार्यालय के द्वारा प्रकाशित निविदा संख्या **03/JMT/2025-26**, PR No. **349939** Left out work for Construction of 6.0 M dia R.C.C. Intake well cum pump house, Gangway 50 mtr. length and 3.00 mtr. wide, 3.5 MLD capacity Water Treatment Plant, 3 No. ESR, Compound wall, Approach road, Railway crossing, Supplying and laying Raw/Clear Water rising main & Laying Distribution Network, , Supplying and Installation of Vertical turbine and Centrifugal pump motor, and Five years Operation and Maintenance with allied works etc. all complete job for **KHARIODIH Rural Water Supply Scheme** under Drinking Water & Sanitation Division, Jhumritelaiya on turnkey basis. for the year 2025-26 को अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

(ई० अनुज कुमार सिन्हा)
कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, झुमरीतिलैया

PR 350705 Drinking Water and Sanitation(25-26)#D

कार्यालय बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा)

-: निविदा सूचना :-

पृ.क्रमांक/119 /निविदा/बि.दे.के./ बिलासपुर (चकरभाठा) दिनांक 19.04.2025

बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा) में कर्मियों की आपूर्ति हेतु 02 ड्राईवर कम ऑपरेटर (कुशल) 12 माह के अस्थायी रूप से संचालन हेतु निविदा निर्धारित प्रारूप एवं शर्तों के अधीन निविदा दिनांक 21.04.2025 समय दोपहर 02:00 बजे तक आमंत्रित किया गया है इच्छुक फर्म/ संस्था निर्धारित प्रारूप के साथ 500/- रूपये का डिमांड ड्राफ्ट बिलासपुर एयरपोर्ट बिलासपुर के नाम से बंद लिफाफा में अधेहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में कार्यालयीन समय प्रातः 10:30 से दोपहर 02:00 बजे तक (अवकाश दिवस को छोड़कर) जमा कर सकते है।

निर्धारित प्रारूप एवं आवश्यक शर्ते बिलासपुर जिले के वेबसाईट **www.bilaspur.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।

निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :- 05.05.2025 को 02:00 बजे अपरान्ह तक
निविदा खोलने की तिथि :- 05.05.2025 को सायं 03:00 बजे
स्थान :- बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा)

एयरपोर्ट डायरेक्टर बिलासा देवी केवट एयरपोर्ट, बिलासपुर (चकरभाठा)

G-252600380/1

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER PUBLIC WORKS DEPARTMENT, E/M CIRCLE, RAIPUR (C.G.)

e-Procurement Tender Notice

Online tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh from contractors, C.G. P.W.D in new Registration system (unified Registration system) for the following work :-

NIT No.	Name of work	Probable amount of contract	Date of bid submission
01/SE E/M/2025 (I Call) System Tender No 165026 Registered contractor class in "D" & above For Form "A" (Percentage Rate Tender)	GROUND FLOOR FOR E/F & VRV A.C. WORK OF INTEGRATED EXAMINATION HALL AT Pt. R.S.S. UNIVERSITY RAIPUR (C.G.)	Rs 33.54 Lacs	08-05-2025

The tender documents can be downloaded from the web-portal http://eproc.cgstate.gov.in.Only those contractors/bidders, interested in bidding shall pay the tender document cost online.

Superintending Engineer
P.W.D., E/M Circle Raipur (C.G.)

G-252600373-1

हरिभूमि CLASSIFIED

epaper : www.haribhoomi.com
Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी —सुविधा हमारी—
Contact for advertisment booking :
Bhilai- 6267575723

Appointment आवश्यकता

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- सुरक्षा गार्ड 50 ऊंचाई 5.5 इंच योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री) खाने की सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंकसूची, बैंक पासबुक, 8 पासपोर्ट फोटो) **कार्यालय शॉप नं. 08 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर छत्तीसगढ़ फोन 0771-4036689 मों. 9770304037, 8120957510.** (RO-7305)

आवश्यकता है- रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5,8,10 पास हाईट 5 फीट 6 इंच, 4 फोटो, आधार कार्ड सहित मिले रहने, खाने की सुविधा, वेतन 14500 से 19000 तक MO. **8109070600.** (RO-7086)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु आठवीं/दसवीं तक पढे लडको की आवश्यकता है कार्य समय 11 से 8 बजे तक। इच्छुक (मोबाइल नंबर) सहित संपर्क करें: **शिल्पा सेल्स ए-10 आरडीए काम्पलेक्स, शारदा चौक रायपुर** (RO-7214)

ऑफिस बॉय

आवश्यकता है- प्रतिष्ठित रियल स्टेट कंपनी में भिलाई लोकेशन हेतु, ऑफिस बॉय की आवश्यकता है, 10 वी पास एवं अनुभवी को प्राथमिकता, वेतन योग्यतानुसार। **संपर्क- 8898306907.** (आरो नं.-721)

कम्प्युटर ऑपरेटर

Wanted- REQUIRED EXPERIENCE FEMALE COMPUTER OPERATOR KNOWLEDGE GST WAYBILL PURCHASE SALE ENTRY SEND RESUME WHATSAPP Mob. No. **8777261838.** (RO-058)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- बच्चा संभालने हेतु 24 घंटे की बाई (लड़की) चाहिये। रहना एवं खाना दिया जाएगा। स्थान अमलीडीह, रायपुर **सम्पर्क करे:- 9575042812.** (RO-057)

मैनेजर/क्लर्क

आवश्यकता है- सी.एस.डी. कैंटीन रायपुर के लिए मैनेजर- 22000/-, असिस्टेंट मैनेजर- 21000/- अकाउंट क्लर्क /ऑफिस क्लर्क- 16000/- दुर्ग एवं बिलासपुर के लिए जे.सी.ओ. इंचार्ज- 21000/-, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग एवं नया रायपुर के लिए स्टोर होल्डर- 18000/-, बिलिंग क्लर्क /बिल चेकर /एमटीएस- 15000/-, सफाई कर्मी- 10700/- आवेदन Email ID hqcosaurc1985@gmail.com पर दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक करें। अधिक जानकारी के लिए https://www.hqcosaraipururc.in पर विजिट करें। **संपर्क:- 9685726593.** (RO-048)

मिस्त्री/हेल्पर

आवश्यकता है- दुर्ग से बालोद रोड ग्राम कुथरेल में अपना ढाबा में अनुभवी मिस्त्री सप्लाई हेल्पर चहिए वेतन योग्यतानुसार मिस्त्री 15000 से 20000 सप्लाई हेल्पर 9000 से 12000 तक दिया जाएगा। **mo.-9098459847, 93035799982.** (आरो नं.-729)

सेल्स एवजीक्यूटिव

आवश्यकता है।
ट्रैक्टर और इम्प्लीमेंट सेल्स के लिए सेल्सएग्जीक्यूटिव की भर्ती। रायपुर, अभनपुर, आरंग, बलौदा बाजार, **कॉर्पोरेट सेल्स :-** रायपुर के लिए आवश्यक स्वयं का दो पहिया वाहन होना आवश्यक है। वॉकइन इंटरव्यू, radha.enterprise.main@gmail.com पर अपना बायोडाटा ईमेल कर सकते हैं।
राधा एंटरप्राइजेज
राजू ढाबा के सामने, सेरीखेड़ी, रायपुर, (छत्तीसगढ़)
Mo.:- 9406373821

Requirment- Urgent Required SALES EXECUTIVE Any graduate (Freshers/ Experience) Male/Female Location:- Devpuri, Raipur Company - Camco Industries Salary - 10,000-15,000/- Contact - **9407620262, 9039097701.** (RO-7304)

ड्रायवर/ लेबर

आवश्यकता है- आशीर्वाद किराया भंडार में लेबर + ड्राइवर, वेतन 11000/- , लेबर- वेतन 9000/- की आवश्यकता है। समय 9 से 8:30 बजे तक **संपर्क करें - पता- ब्राम्हण पारा रायपुर मो. - 98261-82338** (RO-7308)

ड्रायवर/हेल्पर

आवश्यकता है- 1.टाटा एस एवं ऑटो ड्राइवरों की जो लोडिंग- अनलोडिंग भी करें रहने की सुविधा उपलब्ध 2. दुकान हेल्पर लड़के - लड़कियों की जो लोडिंग - अनलोडिंग भी करें. 3.कमीशन पर मसाले बेचने सेल्स पर्सनों की। **संपर्क करें- 94252- 12631, 94255-17056.** (RO-168)

छोटा विज्ञापन

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- विरदी साड़ी शोरूम हेतु सेल्समैन, सेल्सगर्ल, हेल्पर, कम्प्यूटर ऑपरेटर सभी रायपुर निवासी अनिवार्य, अनुभवी को प्राथमिकता, संपर्क समय सुबह 10.30 से रात 9.30, **विरदीचंद मानकलाल जैन कंकाली पारा रायपुर 9425216364, 9340477419.** (RO-038)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- थोक साड़ी एवं रेडीमेड कपड़ा दुकान में काम हेतु लड़के/ लड़कीयों की अनुभवी/बगैर अनुभवी वेतन योग्यतानुसार, केवल स्थानीय व बायोडाटा सहित मिले । **महेश फैब्रिक्स ,जैनज्योति काम्प्लेक्स चिकनी मंदिर के पास गोलबाजार रायपुर 9827928290, 9752022866..** (Ro- 596)

सेल्स मार्केटिंग

Wanted- Required experience in sales marketing for all works in Raipur, Raigarh, and odisha and M.P, Mob. No. **9830027878** Resume send Whatsapp. (RO-059)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18-32, 10th, 12th पास जो आगरा, में रह कर काम कर सके वेतन 10,000/- + कमीशन + बोनस , रहना फ्री शीघ्र **संपर्क करे - 6395268809, 7252820491.** (RO-319)

आवश्यकता है- महासमुंद में ऑफिस कार्य हेतु एक 10वीं, 12वीं शिक्षित लड़के की तुरंत आवश्यकता है। आयु सीमा- 16 से 22 वर्ष. रहने, खाने की सुविधा सहित 7000/- मासिक। **संपर्क करें। मोबाइल 9826126499.** (RO-1642)

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके अंबिकापुर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए। वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क करें- 9303374409 , 8279232601.** (Ro-0325)

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

जैकेट के शेष

मुठभेड़ में मारे...

माओवादियों का लगभग सफाया हो चुका है। वे केवल चाईबासा क्षेत्र में बचे हैं। हम सीआरपीएफ, झारखंड जगुआर और झारखंड सशस्त्र पुलिस सहित अपने सभी बलों को सारंडा क्षेत्र में स्थानांतरित कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य अगले 15 से 20 दिन में या निश्चित रूप से बरसात के मौसम से पहले क्षेत्र के सभी माओवादी दस्तों को खत्म करना है। डीजीपी ने कहा, हम चाईबासा के माओवादियों से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने की अपील करते हैं। आत्मसमर्पण को लेकर उनके लिए एक अच्छी नीति है। कोबरा सीआरपीएफ की विशेष इकाई है जो जंगलों में युद्ध संबंधी रणनीति में दक्षता के लिए जानी जाती है। यह अभियान मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद को खत्म करने की केंद्र सरकार की घोषणा के तहत चलाया गया।

नक्सलवाद के खात्मा...

नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम पर चर्चा की गई। इसके साथ ही पुलिस, जेल, अदालतों, अभियोजन और फोरेंसिक से संबंधित विभिन्न नए प्रावधानों के कार्यान्वयन और वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री श्री साय ने बैठक में जानकारी देते हुए बताया, छत्तीसगढ़ में नए आपराधिक कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रशासनिक व तकनीकी तैयारियां पूरी की जा चुकी हैं। राज्य में 27 प्रकार की एसओपी और दिशा-निर्देश तैयार कर लागू किए गए हैं। इसके साथ ही लगभग 37,385 पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। न्यायालयों, पुलिस थानों और जेलों को ई-साक्ष्य और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम से लैस किया गया है। राज्य में अब तक 53,981 एफआईआर नए कानूनों के तहत दर्ज की जा चुकी हैं, जिनमें से लगभग 50% मामलों में चालान प्रस्तुत हो चुके हैं।

2026 में नक्सल मुक्त होगा छत्तीसगढ़ : बैठक में नक्सल समस्या के स्थायी समाधान के लिए भी विशेष रणनीति पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने बताया कि हाल के महीनों में राज्य में चलाए गए ऑपरेशनों में कई वांछित नक्सली मारे गए, गिरफ्तार हुए या आत्मसमर्पण कर चुके हैं। नियद नेलानार योजना, बस्तर ओलंपिक, महिला सुरक्षा केंद्र, और आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे व पर्यटन ढांचे का विकास जैसे प्रयासों से युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ने का सार्थक प्रभाव पड़ा है। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य सरकार वर्ष 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त बनाने के लिए कटिबद्ध है और बस्तर को भारत के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से काम हो रहा है।

शाह ने कहा- शत प्रतिशत लागू हों नए कानून : मुख्यमंत्री श्री साय ने यह भी आश्वासन दिया, छत्तीसगढ़ केंद्र सरकार के दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करेगा और देशभर में कानूनी सुधार की इस पहल को प्रभावी ढंग से लागू करने में अग्रणी भूमिका निभाएगा। नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए गृह मंत्री ने शीघ्र नए कानूनों को राज्य में शत प्रतिशत लागू करने पर बल दिया। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, पुलिस महानिरीक्षक सुशील द्विवेदी, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, सचिव राहुल भगत, प्रमुख सचिव विधि रजनीश श्रीवास्तव, सचिव गृह, श्रीमती नेहा चंपावत सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री भी करें नए...

श्री शाह ने कहा, छत्तीसगढ़ में हर पुलिस थाने और डीएसपी स्तर के अधिकारियों को गंभीर अपराध के मामलों में नेटग्रिड के उपयोग की आदत डालनी चाहिए। उन्होंने कहा, राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक सप्ताह में एक बार, राज्य के गृह मंत्री हर 15 दिन और मुख्यमंत्री महीने में एक बार राज्य में नए आपराधिक कानूनों के अमल की प्रगति की समीक्षा करें।

कानन जू के व्हाइट टाइगर...

जाते हैं। वन्यप्राणियों के केज के साथ टाइगर के केज में भी सफाई कार्य किया जा रहा था। इस दौरान स्टाफ ने देखा कि अपनी मां और बहन के साथ एक केज में साथ रखे गए व्हाइट टाइगर आकाश घूम फिर रहा था। अचानक सुबह 9 बजकर 5 मिनट पर 10 वर्षीय व्हाइट टाइगर आकाश की तबीयत बिगड़ी और 9 बजकर 11 मिनट पर उसने दम तोड़ दिया। सुबह तक आकाश पूरी तरह से स्वस्थ घूम रहा था, लेकिन अचानक उसकी मौत होने की खबर से कानन प्रबंधन और डॉक्टर भी आश्चर्य में पड़ गए। घटना के बाद जिला स्तरीय चिकित्सकीय समिति की तीन सदस्यीय पशु चिकित्सा दल एवं वन्यप्राणी चिकित्सक कानन पेण्डारी जू पहुंचे। डॉ. पीके चंदन ने अपनी मां और बहन के साथ रह रहे मृत आकाश को अलग कर रेस्क्यू कर लाया, जहां उसका पोस्टमार्टम किया गया। इस दौरान कानन पेण्डारी जू के मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र निदेशक बिलासपुर, संचालक कानन पेण्डारी जू, कानन जू के अधीक्षक, परिक्षेत्र अधिकारी एवं एक स्वतंत्र बाह्य विशेषज्ञ मंसूर खान अध्यक्ष नेचर बायोडायवर्सिटी एसोसिएशन भी मौजूद थे। सभी की उपस्थिति में पोस्टमार्टम करने के बाद आकाश की मौत का कारण कांगेस्टिव हार्ट फेलियर की जानकारी मिली। पोस्टमार्टम करने के बाद व्हाइट टाइगर का दाह संस्कार कर दिया गया। **एक माह पहले लायन भीम की मौत :** कानन पेण्डारी जू में इस वर्ष यानि चार माह के दौरान मरने वाले वन्यप्राणियों की संख्या तीन हो गई है। जनवरी माह में भालू ने कानन पेण्डारी में दम तोड़ा था। इसके बाद कई दिन से लायन भीम काफी बीमार चल रहा था, जिसके उपचार की प्रक्रिया गुजरात के डॉक्टर से कराई जा रही थी। डॉक्टर की निगरानी में उपचार और दवाई लगातार चलने के बाद भी फरवरी माह में लायन भीम ने दम तोड़ दिया। इसके बाद सोमवार 21 अप्रैल को व्हाइट टाइगर आकाश की जान चली गई।

बच गए दो...

सोमवार को दम तोड़ दिया, जिसके बाद अब दो व्हाइट टाइगर बचे हुए हैं। दो मादा में एक 10 वर्ष की बाघिन है। आकाश का जन्म बिलासपुर के कानन पेण्डारी जू में ही हुआ था। इनके परिवार की वंशवृद्धि के लिए कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क प्रबंधन को एक स्वस्थ और व्यस्क सफेद टाइगर की आवश्यकता थी। व्हाइट टाइगर से ब्रीड़िंग के लिए मेल व्हाइट टाइगर की तलाश शुरू की गई। इसके लिए देशभर के जू में संपर्क किया गया था, जिसमें जानकारी मिली कि ग्वालियर वन्यप्राणी संग्रहालय में व्हाइट टाइगर की संख्या अधिक हो गई है और वे उन्हें देना चाहते हैं। कानन पेंडारी प्रबंधन ने इसका प्रस्ताव बनाकर सीजेडए को भेजा था, जहां से ने इसे मंजूरी दे दी गई है।

सीएम आवास घेरने...

शामिल हुए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं के जंगी प्रदर्शन को देखते हुए रायपुर पुलिस ने खास इंतजाम किए थे। कांग्रेस कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए जगह जगह बैरिकेड्स लगाए गए। भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई थी। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता जैसे ही सीएम हाउस की ओर बढ़े, पुलिस ने उनको रोक दिया। नाराज कार्यकर्ता पुलिस से भिड़ गए। कई कार्यकर्ता झड़प के दौरान बैरिकेड्स फांदकर आगे बढ़ते रहे। पुलिस लगातार उनको रोकने की कोशिश में जुटी रही।

कांग्रेस ने अपराधियों के समान ही शासन चलाया- संजय : कांग्रेस के प्रदर्शन पर बीजेपी प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा, जब भी कोई प्रदेश में बड़ी घटना होती है, तो 10 घटनाओं में से 8 घटनाओं में कांग्रेस के कार्यकर्ता या पदाधिकारी लिप्त पाए जाते हैं। पिछले 5 साल तक कांग्रेस छत्तीसगढ़ में रहते हुए अपराधियों के समान शासन चलाने वाली, अपराधियों की तरह व्यवहार करने वाली रही है। वर्तमान में बीजेपी सरकार के कार्यकाल में जितनी घटनाएं हो रही हैं, उसकी जिम्मेदारी हम लेते हैं, क्योंकि हमारी सरकार में घटनाएं हो रही हैं, लेकिन अधिकतर घटनाओं में कांग्रेस के नेता शामिल होते हैं। प्रदेश में 10 घटना होती है, तो 8 घटनाओं में यदि कोई खड़ा होता है, तो वह है कांग्रेस का नेता। उन्होंने भी माना की छत्तीसगढ़ में हो रहे अपराध के पीछे मुख्य वजह नशा है, ऐसे में इसे जड़ से खत्म करना जरूरी है।

विस में दिए...

2024-25 के बीच हत्या 1114, लूट 458, अपहरण 3644, चोरी 7960, डकैती 56, दुष्कर्म के 3191 केस दर्ज, एक साल में ही इसी 1 साल में राजधानी रायपुर में हत्या 93, लूट 80, अपहरण 515, चोरी 1645, डकैती 9, बलात्कार 268 घटनाएं हुई हैं।

सोने .ने आखिर एक...

बाजार बंद हुआ था, तब इसकी कीमत 98300 रुपए थी। यानी एक ही दिन में दाम दो हजार रुपए बढ़े हैं। इसी के साथ नए साल में अब तक सोने की कीमत 21900 रुपए बढ़ चुकी है। बीते साल 31 दिसंबर को दाम 78400 रुपए थे। अमेरिका के टैरिफ वार के चलते सोने की कीमत लगातार बढ़ रही है। सराफा कारोबारियों का कहना है कि किसी ने नहीं सोचा था कि सोने की कीमत इस साल इतनी तेजी से बढ़ेगी। बीते साल, साल भर में दाम 19300 रुपए बढ़े थे, लेकिन अब उससे ज्यादा दाम बढ़ चुके हैं।

नए साल में...

बाद कीमत में कमी आई और फिर मार्च में कीमत में तेजी आती चली गई। मार्च में माह के अंतिम दिन कीमत ने नया रिकॉर्ड बनाया और कीमत 93 हजार के भी पार हो गई। इसके बाद अब अप्रैल में कीमत और आसमान पर जा रही है। अब तो कीमत एक लाख हो गई है। अप्रैल में अब तक करीब सात हजार दाम बढ़ चुके हैं।

पूर्व डीजीपी की हत्या का खुलासा

खाना खाते वक्त पत्नी ने आंखों में मिर्ची डाली फिर चाकू से गोद डाला!

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

कर्नाटक के पूर्व पुलिस महानिदेशक ओम प्रकाश की हत्या के मामले में सोमवार को नया खुलासा हुआ। पुलिस सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि पत्नी पल्लवी ओम प्रकाश की हत्या की प्रमुख संदिग्ध है। घटना के समय ओम प्रकाश खाना खा रहे थे। इस दौरान दोनों के बीच झगड़ा हुआ।

यह इतना बढ़ गया कि पत्नी ने उनकी हत्या कर दी। पल्लवी ने पहले ओम प्रकाश पर मिर्ची पाउडर फेंका, जब जलन से राहत पाने के पूर्व डीजीपी इधर-उधर भाग रहे थे तो पल्लवी ने उनकी गर्दन, पेट और छाती पर चाकू से 10-12 वार किए गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पल्लवी ने गुनाह कबूल कर लिया है। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इस वारदात के दौरान बेटी कृति भी वहीं मौजूद थी। शुरुआती जांच में सामने आया है कि हत्या के बाद एक अन्य आईपीएस ऑफिसर की पत्नी को मैसेज किया- एक राक्षस को खत्म कर दिया।

छ.ग. स्टेट पावर डिस्ट्रीब्युशन कंपनी लिमिटेड

क्रमांक/10-22/सामा./2025/243 धमतरी, दिनांक 21.04.2025

बिजली बन्द की सूचना

समस्त सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है, कि नगरी से कांकेर के मध्य 132 के.व्ही. उच्चदाब लाईन में शिफ्टिंग कार्य किया जाना है। अतः 132/33 के.व्ही. चमेंदा नगरी उच्चदाब उपकेन्द्र से उत्सर्जित होने वाली सभी 33 के.व्ही. फीडर एवं नीचे दर्शाये गये सभी 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र एवं 11 के.व्ही. फीडरों में विद्युत आपूर्ति प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक निम्न क्षेत्रों में बिजली बन्द रहेगी।

दिनांक	दिन	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
24.04.2025	गुरूवार	33/11 के.व्ही. बिरगुड़ी/बेलरगाँव/आमगाँव	वितरण केन्द्र बेलरगाँव के अंतर्गत आने वाले समस्त ग्राम।
28.04.2025	सोमवार	33/11 के.व्ही. सरईटोला (गुहाननाला)/गट्टासिल्ली	वितरण केन्द्र गट्टासिल्ली के अंतर्गत आने वाले समस्त ग्राम।

आवश्यकतानुसार समय में परिवर्तन किया जा सकता है, असुविधा के लिए खेद है।

कार्यपालन अभियंता (संचा/संधा) संभाग
छ.स्टे.पा.डि.कं.लि. धमतरी

न्यायालय तहसीलदार बालोद जिला बालोद (छ.ग.)

// उद्घोषणा//

रा.प्र.क्र. / 202504240700015/अ-20 (3) / वर्ष 2024-25

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कार्यालय नगर पालिका परिषद बालोद जिला बालोद का पृष्ठा. पत्र क्रमांक/648/ लो.नि.वि./न.पा./2025 बालोद, दिनांक 11.04.2025 के अनुसार अधोसंरचना मद अंतर्गत अटल परिसर निर्माण कार्य हेतु बालोद नगर के मध्य चौक, जयस्तंभ चौक में किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसके लिए नगर पालिका सीमा क्षेत्रांतर्गत ग्राम बालोद प.ह.न. 06 तहसील बालोद स्थित भूमि ख.नं. 691/1 क्षेत्रफल 0.2950 में से 0.009 हे. अटल परिसर निर्माण कार्य हेतु चयन करते हुए आबंटन की मांग की गई है।

इस संबंध में यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा आपत्ति हो तो दिनांक 30/04/2025 तक प्रस्तुत किया जा सकता है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उदघोषणा आज दिनांक 15.04.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी। मुहर

तहसीलदार
बालोद, जिला-बालोद

शपथ पत्र

शपथ पत्र मिनजानिब सीमा पाल पुत्री हरिभान सिंह पाल निवासी-हुसेपुर करन सलेमपुर जिला कन्नौज।

शपथकर्ती सशपथ निम्न कथन करती है :-

1. यह कि शपथकर्ती उपरोक्त पते की मूल निवासी है।
2. यह कि शपथकर्ती आधार कार्ड नम्बर-5146 1857 7416 की धारक है जिसमें शपथकर्ती का नाम मनोरमा पाल दर्ज हो गया है।
3. यह कि शपथकर्ती का सही व वास्तविक नाम सीमा पाल है जो शपथकर्ती के अन्य प्रपत्रों में दर्ज है जिसे दर्ज किया जाना है।
4. यह कि आधार कार्ड में दर्ज नाम मनोरमा पाल को संशोधित कर उसके स्थान पर सही नाम सीमा पाल दर्ज किया जाना है।
5. यह कि दोनों ही नाम मुझ शपथकर्ती के ही है।

यह कि शपथ पत्र की धारा 1 लगायत 3 का लेख मेरे निजी ज्ञान व जानकारी में सत्य व सही है इसका कोई अंश झूठ नही है और न ही कुछ छिपाया गया है। ईश्वर मेरी मदद करे।

सीमा पाल
शपथकर्ता

State Council of Educational Research & Training, Chhattisgarh Shankar Nagar, Raipur
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, छत्तीसगढ़, शंकर नगर, रायपुर
Telephone-0771-2443596, 2443496
Website: www.scert.cg.gov.in Email:scertcg@gmail.com

पत्र क्रं/शिक्षक शिक्षा / 30-1 / 2025-26 1304 रायपुर दिनांक 17.04.2025

बी.एड. (विभागीय) / एम.एड. (विभागीय) व एम.एड. सीधी भर्ती सत्र 2025-27 में प्रवेश की सूचना

सत्र 2025-27 के लिए शासकीय उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान, बिलासपुर, शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर व शासकीय शिक्षा महाविद्यालय कांकेर में संचालित द्विवर्षीय पाठ्यक्रम बी.एड. (विभागीय) तथा शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर /उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर में संचालित एम.एड. (विभागीय) व एम.एड. (सीधी भर्ती) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन एस.सी.ई.आर.टी. के वेबसाइट https://.scert.cg.gov.in में निम्नलिखित तिथियों तक कर सकते है :-

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	ऑनलाइन आवेदन करने की तिथि	संबंधित शिक्षा महाविद्यालय में आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि
1	बी.एड. (विभागीय)	22.04.2025 से 07.05.2025	13.05.2025 तक
2	एम.एड. (विभागीय)		
3	एम.एड. (सीधी भर्ती)		

शासकीय शिक्षा महाविद्यालय में एम.एड. (विभागीय)/ एम.एड. (सीधी भर्ती) में प्रवेश चयन परीक्षा के प्राप्तांक के आधार पर तैयार मेटिर सूची के आधार पर दिया जायेगा। एम.एड. पाठ्यक्रम में शासकीय उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान, बिलासपुर एवं शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, रायपुर के लिए पृथक-पृथक मेरिट सूची बनाई जायेगी। चयन परीक्षा संभवतः दोनों शासकीय शिक्षा महाविद्यालयों (शासकीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय रायपुर/ उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान बिलासपुर) में दिनांक 10.06.2025 को आयोजित किये जायेंगे। विस्तृत निर्देश प्रवेश नियम एवं तिथियों में परिवर्तन की स्थिति परिवर्तित तिथियों की सूचना हेतु कृपया एस.सी.ई.आर.टी. के वेबसाइट https://.scert.cg.gov.in देखें।

(दिव्या उमेश मिश्रा) IAS
संचालक
एस.सी.ई.आर.टी., छ.ग. रायपुर

S-43600/1

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स) गरियाबंद संभाग, गरियाबंद
Phone No. - 07706-241533 Fax No. - 07706-241488
Email:- eepwd.gbd-cg@gov.in

ज्ञाप. क्रं/1208/ व. ले.लि. / 2025 - 26 गरियाबंद, दिनांक 17.05.2025

: रूचि की अभिव्यक्ति आमंत्रण (प्रथम आमंत्रण) :

इस संभाग के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2025-26 में व्ही.आई.पी. आगमन पर एवं शासकीय कार्यक्रम के आयोजन हेतु होने वाले समारोह हेतु पंजीकृत फर्मों से किराया भण्डार सामाग्री के दर रूचि की अभिव्यक्ति पत्र रजिस्टर्ड/ स्पीड पोस्ट के द्वारा बंद लिफाफे में आमंत्रित की जाती हैं, रूचि की अभिव्यक्ति पत्र की कीमत रू. 1000.00 (एक हजार रूपये) विवरण निम्नानुसार हैं :-

1. आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि - 01/05/2025
2. दर प्रस्तुत करने की तिथि - 08/05/2025
3. दर खोलने की तिथि - 09/05/2025

रूचि की अभिव्यक्ति पत्र दाता दो अलग-अलग लिफाफे प्रथम लिफाफे में फर्म का गुमास्ता पंजीयन आयकर चुकता प्रमाण पत्र, विगत 3 वर्षो का आयकर रिटर्न (फार्म 16) जी.एस.टी. की पंजीयन प्रमाण पत्र तथा पेन कार्ड स्व प्रमाणित छायाप्रति शासकीय कार्य का अनुभवन प्रमाण पत्र एवं द्वितीय लिफाफे में रूचि की अभिव्यक्ति पत्र निर्धारित समयावधि में इस कार्यालय को उपलब्ध करावें। विस्तृत शर्तें किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में देखी जा सकती हैं।

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ/स)
संभाग गरियाबंद

G-252600366/2

पेज एक के शेष

घर पहुंचते 'बज रहा 12'...

हो रहा है। इस कारण सरकार आदेश जारी कर छुट्टी की घोषणा कर दे। इसके पूर्व पालकों द्वारा भी खत लिखकर स्कूल प्रबंधन से मांग की गई थी कि वे अवकाश घोषित कर दें। छात्रों के खराब हो रहे स्वास्थ्य को देखते हुए निजी स्कूल संगठन भी अपने संस्थान बंद करने की तैयारी में हैं, लेकिन इसके लिए शासन के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के अनुसार, विद्यालयों में छात्रों की उपस्थिति का प्रतिशत गर्मी बढ़ने के साथ ही 30 प्रतिशत तक घट गया है।

दोनों पाली के छात्र परेशान : गौरतलब है कि अप्रैल की शुरुआत में ही आदेश जारी कर लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा विद्यालयों के समय में परिवर्तन किया गया था। एक शिफ्ट वाले स्कूलों को सुबह 7 से 11 बजे तक कक्षा संचालन करने कहा गया था। दो पालियों में संचालित होने वाले विद्यालयों में प्रथम पाली की कक्षा सुबह 7 से 11 बजे तथा द्वितीय पाली की कक्षा 11 से 3 बजे तक संचालित करने कहा गया था। निजी विद्यालय शासकीय आदेश को देखते हुए सुबह 11 बजे छात्रों की छुट्टी कर रहे हैं, लेकिन घर तक की दूरी तय करने में 12 बज रहे हैं। इस दौरान सूर्य की किरणें प्रचंड हो जाती हैं। जिसके चलते छात्रों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। दूसरी ओर जिन छात्रों की कक्षाएं दोपहर 3 बजे छूट रही है, उन्हें भी गर्म थपेड़ों का सामना करना पड़ रहा है।

तबीयत बिगड़ रही : हम स्वतः अवकाश घोषित नहीं कर सकते हैं। कई जिलों में पारा 43 डिग्री तक पहुंच गया है। इसे देखते हुए शासन से मांग की है कि स्कूलों को तत्काल बंद किया जाए।

-राजीव गुप्ता, अध्यक्ष, निजी स्कूल संघ

महादेव सट्टे में सात राज्यों...

गया। जांच में यह भी पाया गया है कि कुछ लिस्टेड कंपनियों के प्रमोटरों ने भी इस काले धन को अपने शेयरों की बिक्री, वॉरंट इश्यू और प्रेफरेंशियल शेयरों के जरिए अपनी कंपनियों में लगाया।

भारत-अमेरिका के बीच ...

पर आ सकते हैं। जेडी वेंस का ये दौरा इसलिए भी अहम है क्योंकि उपराष्ट्रपति बनने के बाद वो जिन देशों में भी गए वहां अपने बयानों की वजह से चर्चाओं में रहे। फ्रांस दौरे पर उन्होंने यूरोपीय देशों को चेतावनी दी थी, जबकि जर्मनी दौरे पर उन्होंने कहा कि यूरोप को सबसे बड़ा खतरा अंदर से है। ग्रीनलैंड को तो उन्होंने अमेरिका में शामिल होने का ऑफर दे दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद जेडी वेंस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट किया।

'नक्सल' से मुक्त हुए छह...

रहेगी। प्रदेश के मानचित्र से माओ प्रभावित जिले लगातार कम हो रहे हैं। फोर्स की प्रभावी कार्रवाई से प्रदेश ही नहीं वरन देश से भी नक्सल प्रभावित 90 जिले की सख्या में लगातार कमी देखी जा रही हैं। छग की बात करें तो पूर्व में नक्सल प्रभावित 18 जिले थे जो कम होकर वर्तमान में 13 जिले बचे हैं। बस्तर, कोण्डागांव, गरियाबंद, धमतरी, दंतेवाड़ा, अबांगढ़ चौकी को नक्सलमुक्त की श्रेणी में रखा गया है, वहीं 6 जिले सामान्य रूप से प्रभावित नक्सल जिले में आते हैं जिनमें कबीरधाम, सूरजपुर व जशपुर जैसे जिले शामिल हैं। सुरक्षाबलों द्वारा इन इलाकों में लगातार आपरेशन करने के साथ-साथ शासन की कल्याणकारी योजनाओं को स्थानीय प्रशासन द्वारा उन इलाकों में क्रियान्वयन करने से सफलता मिली है।

नक्सलमुक्त जिलों में भी...

वहीं दूसरी ओर जनता अपने को असुरक्षित महसूस नहीं करें इसके लिए आगे भी नए कैम्प व पुलिस चौकी खोली जाएगी। वर्तमान में बस्तर से नक्सलियों को खदेड़ने के लिए नक्सल प्रभावित इलाकों में स्टेट के डीआरजी, बस्तर फाईटर व लोकल फोर्स के 20 हजार जवानों के अलावा लगभग 40 हजार केन्द्रीय अर्द्धसैनिक बल तैनात हैं।

नक्सली आईईडी विस्फोट...

बताया जा रहा है कि नक्सलियों ने निर्माण कार्य में बाधा डालने के उद्देश्य से इस मार्ग पर प्रेशर आईईडी बिछा रखा है, जिसकी चपेट में जवान आ गया। घटना के तुरंत बाद जवानों ने स्थिति को संभालने की कोशिश की और घायल जवान का उपचार किया गया लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी और मनोज पुजारी की शहादत हो गई। घटना के बाद सुरक्षाबलों ने इलाके में सघन सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। आसपास के क्षेत्रों में संभावित संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है और जंगल में सर्चिंग जारी है।

राहुल बोले-निर्वाचन ...

हुए दावा किया कि सरल शब्दों में कहें तो महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में राज्य में वयस्कों की संख्या से ज्यादा लोगों ने मतदान किया। उन्होंने कहा, निर्वाचन आयोग ने हमें शाम 5:30 बजे तक के मतदान के आंकड़े दिए और शाम 5:30 बजे से 7:30 बजे के बीच 65 लाख मतदाताओं ने मतदान किया। ऐसा होना असंभव है। एक मतदाता को मतदान करने में लगभग 3 मिनट लगते हैं और अगर हिसाब लगाएं तो इसका मतलब है कि मतदाताओं की कतारें देर रात 2 बजे तक लगी रही होंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। उन्होंने कहा, जब हमने उनसे वीडियोग्राफी के लिए कहा, तो उन्होंने न केवल इनकार कर दिया, बल्कि उन्होंने कानून भी बदल दिया ताकि अब हमें वीडियोग्राफी के लिए कहने की अनुमति न मिले।

Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran
Paryavas Bhawan, North Block, Sector- 19,
Nava Raipur Atal Nagar, Raipur- 492 002, Chhattisgarh.
Tel No: +91 771 2512500; Fax No.: +91 771 2512400.Website: www.navaraipuratalnagar.com

Notice Inviting Application

NIT No.: 3735/R-05/PRJ/NRANVP/2024

Nava Raipur Atal Nagar, Dated: 10/04/2025

Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran invites applications for the allotment of Furnished Built-up space for the establishment of IT companies at Commercial Complex, CBD, Sector 21, Nava Raipur Atal Nagar on License basis. The Applicants shall submit the applications as per the format provided on the website.

Allotment shall be done by draw of lots. The Fixed Monthly License fee for allotment of Furnished Built-up space is INR 300.00 per seat. The Application Processing Fee is INR 5,900/- only (inclusive of GST). The important dates are as per below:-

Last Date of Submission of Application	Application can be submitted till 3:00 PM on or before 08th May 2025 The Applicants shall be intimated later regarding the date of draw of lots

Note:- If the date of submission falls on public holiday, then the next working day shall be considered as the Date of submission.

Any amendment/modification in the tender documents, will only be uploaded on the NRANVP's website https://navaraipuratalnagar.com/ and shall not be published in any newspaper.

Approved by CEO

Manager (Estate)
NRANVP, Nava Raipur Atal Nagar

S-43597/1

कार्यालय प्रमुख अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर, अटल नगर

(केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ) ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: https: // eproc.cgstate.gov.in

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है :-

स. क्र.	सिस्टम निविदा क्रमांक/दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रुपये लाख में)
1	166801 प्रथम आमंत्रण 08.04.2025	नाबार्ड योजनांतर्गत जिला - बीजापुर ब्लॉक भैरमगढ़ के अंतर्गत जैगूर रोड से तुमनार (शेष कार्य) तक पहुंच मार्ग पुल-पुलिया सहित लंबाई 11.20 कि.मी. निर्माण कार्य ।	1308.80
2	166803 प्रथम आमंत्रण 08.04.2025	जिला जशपुर के वि.ख. कांसाबेल के देवरी से हाईस्कूल पहुंच मार्ग लं. 2.40 कि.मी. पुल-पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	204.38
3	166832 प्रथम आमंत्रण 08.04.2025	जिला जशपुर के रैनी से लमदरहा पहुंच मार्ग लं. 2.64 कि.मी. निर्माण कार्य ।	269.52
4	166864 प्रथम आमंत्रण 09.04.2025	जिला सूरजपुर के सूरजपुर के वि.ख. रामानुजगंज (रामानुजनगर) मुख्य मार्ग कौशलपुर से भैसामुड़ा पहुंच मार्ग लं. 12.22 कि.मी. निर्माण कार्य ।	1276.44
5	166915 द्वितीय आमंत्रण 11.04.2025	संभागीय कार्यालय मुख्यालय दुर्ग में 750 सीटर ऑडिटोरियम भवन के निर्माण कार्य की वाटर सप्लाई, सेनेटरी फिटिंग, फायर फाईटिंग, हार्वेस्टिंग, पहुंच मार्ग लैण्ड स्कैपिंग एवं विद्युतीकरण सहित निर्माण कार्य । शेष कार्य ।	1014.78
6	166984 प्रथम आमंत्रण 11.04.2025	जिला बेमेतरा के गडुवा खैरझिटी नवागांवकला मार्ग (मु.जि.मा.) लंबाई 14.375 कि.मी. का पुल पुलिया सहित निर्माण कार्य ।	2115.21

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथी सं.क्र. 05 दिनांक 28.04.2025 निर्धारित है । एवं अन्य शेष निविदाओं के लिए दिनांक 02.05.2025 निर्धारित है। निविदा में भाग लेने की प्रक्रिया एवं निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी विभाग के उपरोक्त वेबसाइट में देखे जा सकते है।

मुख्य अभियंता
केन्द्रीय निविदा प्रकोष्ठ कार्यालय प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग, नवा रायपुर अटल नगर

G-252600357/4

राशिफल

मेष – परिवार का साथ मिलेगा। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ स्थान परिवर्तन हो सकता है। वाणी में मधुरता रहेगी।

वृष – कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। व्यर्थ की भागदौड़ बढ़ सकती है। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

मिथुन – लाभ में में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। कारोबार के लिए विदेश जा सकते हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। परिवार की समस्याओं पर ध्यान दें।

कर्क – सेहत का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करें। मान-सम्मान बढ़ेगा। बातचीत में संतुलन बनाए रखें। वाणी में कठोरता का प्रभाव हो सकता है।

सिंह – कला या संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी। नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

कन्या – आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। शैक्षिक या शोधादि कार्यों के लिए विदेश जा सकते हैं। मन में निराशा एवं असन्तोष के भाव हो सकते हैं।

तुला – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें।

वृश्चिक – पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। कार्यभार में वृद्धि होगी। स्थान परिवर्तन भी हो सकता है। आय में वृद्धि होगी।

धनु – जीवनसाथी से नोकझोंक हो सकती है। कुटुम्ब में मान-सम्मान की प्राप्ति के योग हैं। लंबी यात्रा पर जाना हो सकता है। सुखद परिणाम मिलेंगे।

मकर – व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। परिवार की समस्याएं परेशान कर सकती हैं। खर्चों की अधिकता रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है।

कुंभ – नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

मीन – शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान मिलेगा। शासन-सत्ता का सहयोग रहेगा। कला एवं संगीत में रुचि बढ़ेगी। खर्च अधिक रहेंगे।

शब्द पहेली - 5844

बाएँ से दाए
1. अनाथालय-5
4. जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर-4
7. कमरा, रूम-2
8. फिजूल-3
9. अंग्रेजी शराब-2
10. अनर्गल (अंग्रेजी-4)
11. लक्ष्मी, कमला-2
13. ध्वनिहीनता, शांति-4
14. देवता, देव-2
16. प्रणाम, नमस्कार-3
18. रुधिरहीन, कमजोर-3
19. प्रस्थान करना-3,2
21. पालने वाला, ईश्वर-5
24. प्रेम, चाहना-3
26. वन, अरण्य, जंगल-3
28. विदेशी मदिरा-2
29. छिड़कना-4
30. धूल, मिट्टी-2
32. अंगीकार करना-4
33. छापा, सतत वर्षा-2
35. विरुद्ध-3
36. सुबह, प्रातःकाल-2
37. जोकर, विदूषक-4
38. संन्यासी, साधु-3,2

ऊपर से नीचे
1. इसके सवाल युधिष्ठर ने हल किये थे -2
2. उदारता, बड़प्पन-4
3. पत्नी का नाना-2,3
4. दसवीं राशि -3
5. बहादुर, निडर-2
6. एक मुस्लिम महीना-4
7. कहानी लेखक-5
10. नाव चलाना-2,2
12. सम्मान-2
15. मारकाट, खून खराबा-4
17. पैगंबर, जीवन रक्षक-3
18. कुकर्म, दुष्कर्म-4
20. गाड़ी, यान-3
22. इंकार करना-4
23. रचना करनेवाला, रचयिता -5
25. जीवनसाथी-5
26. कारोबार, व्यवसाय-4
27. मादा का विलोम-2
29. निर्झरणशील-4
31. ढेर, काफी सारा (उर्दू-3)
34. मजा, आनंद-2
36. भोगने वाला, कामी-2

शब्द पहेली - 5843 का हल

अ	स	ह	नी	य	■	■	क	लि	का	■
प	र	■	ला	■	सा	ग	र	■	बु	आ
ह	■	■	प	ह	रा	■	ण	■	■	खे
र	स	खा	न	■	■	म	■	क	प	ट
ण	■	लि	■	न	भ	च	र	■	रा	■
■	आ	स	■	सी	■	ल	■	ग	स्त	■
■	रा	■	प	ह	न	ना	■	रु	■	ड
शा	म	त	■	त	■	■	ता	र	ता	र
य	■	■	तै	■	जा	हि	र	■	■	ल
द	म	■	र	सी	ला	■	पी	■	ज	ग
■	न	गी	ना	■	■	म	न	भ	र	ना

सूडोकु नवताल - 5854

★★★★★ कठिनतम

			4		6			
					2	7		
	6	8				9		
5	3							6
				6				
7							9	2
		9				8	5	
		2	1					
			3		4			

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 5853 का हल

2	9	7	1	3	6	4	8	5
3	1	6	5	8	4	2	9	7
5	4	8	7	9	2	6	3	1
9	2	1	4	7	3	8	5	6
7	8	3	6	1	5	9	2	4
4	6	5	9	2	8	1	7	3
1	7	4	2	5	9	3	6	8
6	3	2	8	4	7	5	1	9
8	5	9	3	6	1	7	4	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

खबर संक्षेप

एलआईसी ने बैंक ऑफ बड़ौदा में बढ़ाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली। बीमा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलआईसी ने सोमवार को कहा कि उसने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा में अपनी हिस्सेदारी करीब दो प्रतिशत बढ़ाकर 7.05 प्रतिशत कर ली है। भारतीय जीवन बीमा निगम ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसने डेढ़ साल की अवधि में खुले बाजार से 10.45 करोड़ अतिरिक्त शेयर खरीदे हैं।

इंटरआर्क को मिला 300 करोड़ रुपए का ऑर्डर

नई दिल्ली। निर्माण समाधान प्रदाता इंटरआर्क बिल्डिंग प्रोडक्ट्स लिमिटेड को एक टायर विनिर्माण कंपनी से 300 करोड़ रुपये से अधिक का ऑर्डर मिला है। इंटरआर्क ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, "इंटरआर्क बिल्डिंग सॉल्यूशंस लिमिटेड ने भारतीय पीईबी उद्योग में अब तक का सबसे बड़ा एकल पीईबी ऑर्डर हासिल किया है।

एआई उपकरणों की बिक्री बढ़ाने बनाई नई योजना

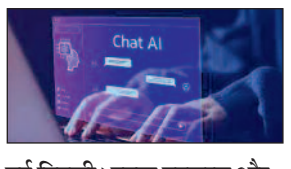

नई दिल्ली। प्रमुख उपकरण और उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी सैमसंग ने यहां अत्यधिक प्रतिस्पर्धी घरेलू उपकरण बाजार में अपनी वृद्धि को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय भाषाओं और भारत से संबंधित विशिष्ट सुविधाओं के लिए एआई आधारित फीचर पेश किए हैं। दक्षिण कोरियाई कंपनी के अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

सरकार अब हर महीने जारी करेगी बेरोजगारी के आंकड़े

मुंबई। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को कहा कि सरकार 15 मई से बेरोजगारी के आंकड़े तिमाही आधार पर जारी करने के बजाय मासिक आधार पर जारी करना शुरू करेगी। 15 मई को जारी होने वाले आंकड़ों में जनवरी, फरवरी और मार्च के आंकड़े शामिल होंगे और उसके बाद हर महीने के आंकड़े जारी किए जाएंगे। अधिकरी ने कहा, 'पहले तीन महीनों के लिए हम 15 मई को आंकड़े जारी करेंगे।

सोना हुआ सोणा... 1,650 रुपए की छलांग, एक लाख की दहलीज पर, चांदी भी मजबूत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कमजोर डॉलर और अमेरिका-चीन व्यापार युद्ध को लेकर अनिश्चितताओं के चलते मांग बढ़ने से राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतों में 1,650 रुपए की तेजी आई, जिससे इसका भाव एक लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के मनोवैज्ञानिक स्तर के करीब पहुंच गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार को 99,800 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। शुक्रवार को इसका मूल्य 20 रुपए घटकर 98,150 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

स्थानीय बाजार में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने का भाव 1,600 रुपए उछलकर 99,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए शिखर पर पहुंच गया। चांदी की कीमतें भी 500 रुपए चढ़कर 98,500 रुपए प्रति किलोग्राम हो गईं। पिछले सत्र में चांदी 98,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर सपाट बंद हुई थी।

प्रति 10 ग्राम सोने की कीमत सोमवार को 99,800 रुपए

डिलिवरी वाला सोना भी चमका

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जून डिलिवरी वाले सोना वायदा का भाव 1,621 रुपए यानी 1.7 प्रतिशत बढ़कर 96,875 रुपए प्रति 10 ग्राम के नए उच्चस्तर पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में हाजिर सोना 3,397.18 डॉलर प्रति औंस के नए शिखर पर पहुंच गया। बाद में, इसका लाभ कुछ कम हुआ और यह 3,393.49 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार किया। वैश्विक स्तर पर, सोने के वायदा भाव ने 80 डॉलर प्रति औंस या 2.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ पहली बार 3,400 डॉलर के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार किया।

कमजोर डॉलर बना कारण

कोटक महिंद्रा एएमसी के कोष प्रबंधक सतीश डोंडापति ने कहा, "इस साल, व्यापार तनाव, ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं और कमजोर डॉलर के कारण सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव देखा गया है। अब तक सोने में 25 प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी हुई है, जिसमें अमेरिकी प्रशासन द्वारा दो अप्रैल को शुल्क की घोषणा के बाद से छह प्रतिशत की बढ़ोतरी भी शामिल है।"

सकारात्मक तेजी जारी

जेएम फाइनेंशियल सर्विसेज के जिंस एवं मुद्रा शोध के ईबीजी उपाध्यक्ष प्रणव मेर ने कहा, 'सोने की कीमतों में सकारात्मक तेजी जारी रही और यह 3,400 डॉलर प्रति औंस से ऊपर पहुंच गई। व्यापार शुल्क संबंधी अनिश्चितता, अमेरिकी डॉलर में कमजोरी और बॉन्ड प्रतिफल में वृद्धि से सोने को समर्थन मिल रहा है।' एशियाई कारोबार के घंटों में हाजिर चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 32.85 डॉलर प्रति औंस हो गई।

निफ्टी 24,000 अंक के पार

जियोजीत इनवेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, 'बाजार पर तेजड़ियो हावी रहे, जिससे निफ्टी पिछले तीन महीने से अधिक समय में तीसरे प्रयास में 24,000 अंक के पार पहुंच गया और बैंक निफ्टी नई ऊंचाई पर पहुंच गया। अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते की संभावना बाजार धारणा को मजबूत कर रहा है।'

सेंसेक्स 855.30 अंक उछलकर 79,408.50 पर बंद

निवेशक मालामाल ! पांच दिन में 32 लाख करोड़ रुपए बढ़ी संपत्ति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

शेयर बाजार में पिछले पांच दिन कारोबारी सत्रों से जारी तेजी से सोमवार तक निवेशकों की संपत्ति 32 लाख करोड़ रुपए बढ़ी है। इस दौरान विदेशी कोषों की लिवाली और व्यापक तेजी से कारोबारी भावनाएं मजबूत हुईं। सोमवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 855.30 अंक या 1.09 प्रतिशत उछलकर 79,408.50 पर बंद हुआ। पिछले पांच दिन में सेंसेक्स 5,561.35 अंक या 7.53 प्रतिशत बढ़ा है।

पांच कारोबारी दिनों में बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 32,03,295.8 करोड़ रुपए बढ़कर 4,25,85,629.02 करोड़ रुपए (5,000 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया। लेमन मार्केट्स डेस्क के विश्लेषक सतीश चंद्र अलूरी ने कहा, 'बाजार में तेज शुरुआत हुई और पूरे दिन बढ़त जारी रही। सप्ताहांत में बैंकों की मजबूत आय ने कारोबारी धारणा को मजबूत किया। इसे सकारात्मक घरेलू संकेतों का लाभ भी मिला।' उन्होंने कहा कि कंपनियों के तिमाही नतीजों को लेकर उत्साह है, क्योंकि दिग्गज बैंकों ने सकारात्मक टिप्पणियों के साथ अनुमान से काफी बेहतर नतीजे पेश किए हैं।

संपत्ति गुणवत्ता में सुधार

बैंकों में संपत्ति गुणवत्ता में सुधार और कर्ज में अच्छी वृद्धि से बैंक शेयरों के प्रति निवेशक आकर्षित हो रहे हैं। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बृहस्पतिवार को 4,667.94 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे। बीएसई के 2,918 शेयर लाभ में जबकि 1,168 शेयर नुकसान में रहे।

टैरिफ वॉर नुकसान की हुई पूरी भरपाई

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दो अप्रैल को जवाबी शुल्क लगाये जाने की घोषणा के बाद शेयर बाजार में जितना नुकसान हुआ था, उसकी पूरी भरपाई अब हो चुकी है। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में टेक महिंद्रा, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड, बजाज फिनसर्व, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एचसीएल टेक, भारतीय स्टेट बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज प्रमुख रूप से लाभ में रहे। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईटीसी, एशियन पेंट्स और नेस्ले शामिल हैं। निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक के शेयर में एक प्रतिशत से अधिक की तेजी आई।

आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार चढ़ा

मुंबई। स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स 855 अंक से अधिक चढ़कर 79,000 अंक के स्तर से ऊपर रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 24,100 अंक के पार पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली के साथ कंपनियों के बेहतर तिमाही नतीजों के बाद बैंक और आईटी शेयरों में खरीदारी से बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 855.30 अंक यानी 1.09 प्रतिशत की बढ़त के साथ 79,000 अंक के ऊपर 79,408.50 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 1,081.85 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 273.90 अंक यानी 1.15 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,125.55 अंक पर बंद हुआ। पांच दिनों की तेजी में सेंसेक्स 5,561.35 अंक यानी सात प्रतिशत से अधिक लाभ में रहा है, जबकि निफ्टी 1,726.40 अंक चढ़ा है।

भारत को विकसित देश बनने सालाना पैदा करनी होंगी 80 लाख नौकरियां

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि भारत को 2047 तक विकसित देश बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अगले 10-12 वर्षों तक प्रति वर्ष कम से कम 80 लाख नौकरियां पैदा करनी होंगी तथा सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण की हिस्सेदारी बढ़ानी होगी।

नागेश्वरन ने यहां कहा, हमारा दृष्टिकोण 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करना है। भारत के आकार के अलावा सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अगले 10-20 वर्षों तक बाहरी वातावरण उतना अनुकूल नहीं रहने वाला है, जितना 1990 के बाद पिछले 30 वर्षों में रहा होगा। इस संदर्भ में यह तो तय है कि आप एक सीमा से आगे अपना बाह्य वातावरण नहीं चुन सकते - हमें कम से कम अगले 10 से 12 वर्षों तक प्रति वर्ष 80 लाख नौकरियां पैदा करनी होंगी और जीडीपी में विनिर्माण का हिस्सा बढ़ाना होगा।

चीन विनिर्माण में आगे

हमें यह देखना होगा कि चीन ने विनिर्माण में, खासकर कोविड महामारी के बाद जबरदस्त प्रभुत्व हासिल कर लिया है। नागेश्वरन कोलंबिया विश्वविद्यालय के 'स्कूल ऑफ इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स' में भारतीय आर्थिक नीतियों पर 'दीपक और नीरा राज केंद्र' द्वारा आयोजित 'कोलंबिया भारत शिखर सम्मेलन-2025' को संबोधित कर रहे थे।

बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर सुस्त पड़कर रही 3.8 प्रतिशत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रमुख बुनियादी उद्योगों की वृद्धि दर मार्च में सुस्त पड़कर 3.8 प्रतिशत रही है। एक साल पहले इसी महीने में बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 6.3 प्रतिशत बढ़ा था। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मासिक आधार पर इन उद्योगों की वृद्धि दर फरवरी में 3.4 प्रतिशत के मुकाबले थोड़ी अधिक है। मार्च में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में गिरावट आई।

आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य महीने में कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, इस्पात और बिजली उत्पादन में क्रमशः 1.6 प्रतिशत, 0.2 प्रतिशत, 7.1 प्रतिशत और 6.2 प्रतिशत की हल्की वृद्धि हुई। उर्वरक उत्पादन मार्च में 8.8 प्रतिशत बढ़ा जबकि पिछले साल इसी महीने में इसमें 1.3 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सीमेंट उत्पादन बीते महीने 11.6 प्रतिशत बढ़ा जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 10.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। बुनियादी उद्योगों...कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली... की वृद्धि दर बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 4.4 प्रतिशत रही। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में यह 7.6 प्रतिशत थी। आठ बुनियादी उद्योगों की औद्योगिक वृद्धि को मापने वाला औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

■ उर्वरक उत्पादन मार्च में 8 .8 प्रतिशत बढ़ा

ट्रैक्टर की बिक्री रिकॉर्ड 9.75 लाख इकाई रहने का अनुमान

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रमुख नकदी फसलों के लिए उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य, बेहतर प्रतिस्थापन और सामान्य से अधिक मानसून की उम्मीद के बीच निर्माण मांग से घरेलू ट्रैक्टर की बिक्री चालू वित्त वर्ष में तीन से पांच प्रतिशत की दर से बढ़कर लगभग 9.75 लाख इकाई के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। आंकड़ा कंपनी क्रिसिल रेटिंग्स ने

एक बयान में कहा कि भारतीय ट्रैक्टर उद्योग में 4,000 करोड़ रुपए का रणनीतिक पूंजीगत व्यय चक्र आने वाला है, जिसमें क्षमता उपयोग 75-80 प्रतिशत के इष्टतम स्तर के करीब है और 'ट्रेम-वी' के तहत स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसमें कहा गया है कि 'ट्रेम वी' का उत्सर्जन मानदंड एक अप्रैल, 2026 से लागू होने की उम्मीद है। वित्त वर्ष के अंत में पूर्व-खरीदारी भी मात्रा को बढ़ावा दे सकती है। इसमें कहा गया, परिणामस्वरूप, चालू वित्त वर्ष में ट्रैक्टर की बिक्री वित्त वर्ष 2022-23 में प्राप्त 9.45 लाख इकाइयों के शिखर को पार करने की उम्मीद है।

रुपया 25 पैसे लुढ़का, 85.13 प्रति डॉलर : मुंबई। *डॉलर इंडेक्स में तेज गिरावट और घरेलू शेयर बाजार में उछाल के बीच सोमवार को रुपये में लगातार पांचवें सत्र में तेजी जारी रही और यह 25 पैसे की बढ़त के साथ 85.13 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि डॉलर इंडेक्स 99 अंक के स्तर से नीचे टूटता हुआ अपने तीन साल के सबसे निचले स्तर पर कारोबार कर रहा है।*

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER
PLANNING AND INVESTIGATION DIVISION
ROAD CONSTRUCTION
DEPARTMENT (RCD),RANCHI
NirupanBhawan, 3rdFloor,Room No. 401
,56-Set,Doranda,Ranchi-834002

e-Procurement (Short Tender Notice)
Letter of Invitation (LOI) No.-02/2025-26 2nd Call
e-Tender Ref No:–RCD/PID/RANCHI/02/2025-26
Date:-17.04.2025

1	Name Of Work	Consultancy Services for Preparation of Traffic Study & Feasibility Study Report for Construction of Ring road at Tatanagar Railway station chowk to Tata Hata main road under East Singhbhum Distict in the State of Jharkhand.*Only Empanelled consultant with RCD under category-I vide letter No. 3063(S) WE Dated 22.08.2022 are allowed to bid.
2	Tentative Length	To be determined by Consultant
3	Period of Completion of Work	30 Days
4	Cost of Tender documents & Earnest Money Deposit	Cost of tender documents is Rs. 5000/-(Non-Refundable) EMD:- The quotationers have to deposit a fixed amount of Rs 20000.00 (Twenty thousand only) as Earnest Money. As per the Departmental Letter no.-4652(S) dated 06.10.2023, cost of tender document and Earnest Money Deposit will be received in online mode only through e-procurement portal (http://jharkhandtenders.gov.in) by internet banking/NEFT/RTGS facility as per Standard Operating Procedure (SOP) issued by Information Technology & e-Governance Department, Government of Jharkhand vide letter no- 120 dated 03.10.2023.
5	Mode of Bid Submission	e-tenderingthttps://jharkhandtenders.gov.in/)
6	Date/Time of Publication of Tender on Website	24.04.2025,10:30 AM
7	Online Last Date/Time of Bid Submission	07.05.2025, 12:00 NOON
8	Date and Time of Bid opening	08.05.2025, 12:30 PM
9	Bid validity	120 days
10	Designation and Contact no. of Tender inviting Officer	Executive Engineer, Planning and Investigation Division, RCD, Ranchi, Mob No.-9471650883
11	Advertisement no.	PR 349169 ROAD (2425) D

Note:- Only e-Tender shall be accepted. Further details can be seen on e-procurement portal (https://jharkhandtenders. gov.in/).

Executive Engineer,
Planning & Investigation Division,
PR 350727 (Road)25-26*D Road Construction Department, Ranchi.

हरिभूमि
HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Centre
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311 Email:bsinghania111@yahoo.co.in
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

निवेद चेस्ट & आई केयर
डॉ. देवी ज्योति दाश
M.D. DNB PULMONARY MEDICINE (DELHI) (Gold medalist)
डॉ. नमित नंदे
MS Ophthalmology
उपलब्ध सुविधायें: एलर्जी, अस्थमा, निमोनिया, फिजीयोथेरेपी, धुम्रपान नियंत्रण रिलप रट्डी और आईसीयू केयर
आई केयर सुविधायें: मोतियाबिंद, काला मोतिया, डायबिटिक रेटिनोपैथी और मेडिकल रेटिना
24, Central Avenue, Ground Floor, Below SBI Personal Banking Branch, Choubey Colony, Raipur (C.G.), Mob.: 0711-4337888,7697752001

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं: पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्प्लेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कॉपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ई.रोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलब्ध OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा निडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ष पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं: मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लाप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

डॉ. मनोज अग्रवाला
एमडी (सीएमसी वेल्लोर) (गोल्ड मेडलिस्ट)
स्किन क्लिनिक
रोग: • मुहासें • सोरासिस • स्किन एलर्जी • पिगमेंटेशन • विटिलियो / ल्यूकोडरमा • पीआरपी थेरेपी • एलोपेसिया • अर्टीकेरिया • फंगल इंफेक्शन • टैली कंसल्टेशन • लेजर थेरेपी
9 चौबे कॉलोनी, रायपुर (छत्तीसगढ़) 0771-4003777, 77778-76292

विज्ञापन हेतु संपर्क करें :
7987119756, 9303508130

बांठिया हॉस्पिटल
राजा तालाब रोड, रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-2425009, 2424737
आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हार्ट की एंजियोग्राफी, एंजियोप्लास्टी एवं सिरियस मरीजों का ईलाज

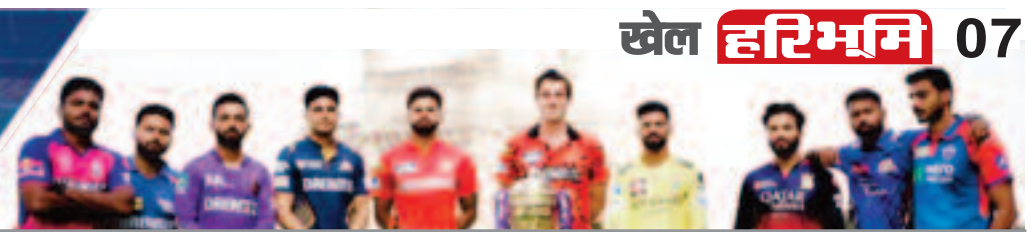

34 खिलाड़ियों को मिला बीसीसीआई का कॉन्ट्रैक्ट, अय्यर-किशन की वापसी, अश्विन बाहर

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोमवार को 2024-25 सीजन के लिए टीम इंडिया के लिए वार्षिक खिलाड़ी अनुबंध की घोषणा की। बीसीसीआई की सालाना कॉन्ट्रैक्ट सूची में कुल 34 खिलाड़ी हैं। इन्हें 4 ग्रेड (ए+, ए, बी और सी ग्रेड) में रखा गया है।

बीसीसीआई ने चारों अनुबंध श्रेणियों के लिए अभी राशि का उल्लेख नहीं किया है, लेकिन पिछले साल को आधार माना जाए तो यह 7 करोड़ रुपए (ए+), 5 करोड़ रुपए (ए), 3 करोड़ रुपए (बी) और 1 करोड़ रुपए (सी) होने की संभावना है। पिछले सीजन बीसीसीआई की सालाना कॉन्ट्रैक्ट सूची में 30 खिलाड़ी ही शामिल थे। इस बार 8 खिलाड़ियों को जोड़ा गया है, जबकि पुराने 5 खिलाड़ियों को बाहर किया गया है।

बीसीसीआई कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट

ग्रेड	नंबर	खिलाड़ी
ए+	1	रोहित शर्मा
	2	विराट कोहली
	3	जसप्रीत बुमराह
	4	रविंद्र जडेजा
ए	5	मोहम्मद सिराज
	6	केएल राहुल
	7	शुभमन गिल
	8	हार्दिक पंड्या
	9	मोहम्मद शमी
	10	ऋषभ पंत
बी	11	सूर्यकुमार यादव
	12	कुलदीप यादव
	13	अक्षर पटेल
	14	यशस्वी जायसवाल
	15	श्रेयस अय्यर

ग्रेड	नंबर	खिलाड़ी
सी	16	रिंकू सिंह
	17	तिलक वर्मा
	18	ऋतुराज गायकवाड़
	19	शिवम दुबे
	20	रवि बिश्नोई
	21	वाशिंगटन सुंदर
	22	मुकेश कुमार
	23	संजू सैमसन
	24	अर्शदीप सिंह
	25	प्रसिद्ध कृष्णा
	26	रजत पाटीदार
	27	ध्रुव जुरेल
	28	सरफराज खान
	29	नितीश कुमार रेड्डी
	30	इशान किशन
	31	अभिषेक शर्मा
	32	आकाश दीप
	33	वरुण चक्रवर्ती
	34	हर्षित राणा

सरफराज को मिला फायदा

सालाना कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट में जोड़े गए नाम हैं- श्रेयस अय्यर, इशान किशन, वरुण चक्रवर्ती, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, अभिषेक शर्मा, आकाशदीप और हर्षित राणा हैं। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि रविचंद्रन अश्विन, शार्दुल ठाकुर, जितेश शर्मा, केएस भरत और आवेश खान को बाहर कर दिया गया है।

पंत ए ग्रेड में प्रमोट

पिछले साल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट से बाहर किए गए श्रेयस अय्यर और इशान किशन की वापसी हुई है। इस सीजन श्रेयस अय्यर को बी ग्रेड, जबकि इशान किशन को सी ग्रेड में रखा गया है। ऋषभ पंत का भी प्रमोशन हुआ है। वह अब बी से ए ग्रेड में आ गए हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	8	6	2	12
दिल्ली	7	5	2	10
बैंगलुरु	8	5	3	10
पंजाब	8	5	3	10
लखनऊ	8	5	3	10
मुंबई	8	4	4	8
कोलकाता	8	3	5	6
राजस्थान	8	2	6	4
हैदराबाद	7	2	5	4
चेन्नई	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

साई सुदर्शन
417 रन
गुजरात

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
16 विकेट
गुजरात

खबर संक्षेप

भारतीय मुक्केबाजों का जीत का सिलसिला जारी

अम्मान। भारतीय मुक्केबाजों ने एशियाई अंडर-15 और अंडर-17 मुक्केबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन जीत का सिलसिला जारी रखा। भारतीय स्कूल खेल महासंघ के स्वर्ण पदक विजेता टीकम सिंह (52 किग्रा) ने तीसरे दौर में रैफरी द्वारा मुकाबला रोकने के बाद यूएई के अली अल्मेस्मारी के खिलाफ जीत दर्ज की।

आईपीएल : कप्तान गिल फार्म में लौटे, 55 गेंदों में ठोके 90 रन

'शुभ मन से चला सुदर्शन चक्र...' गुजरात ने नाइट राइडर्स को 39 रन से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶ कोलकाता।

कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन के अर्धशतक के बाद गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग में सोमवार को यहां कोलकाता नाइट राइडर्स को एकतरफा मुकाबले में 39 रन से हराकर अंक तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। इस जीत से टाइटंस के आठ मैच में 12 अंक हो गए हैं और उसने अंक तालिका के शीर्ष पर दो अंक की बढ़त बना ली है। नाइट राइडर्स की टीम छह अंक के साथ सातवें स्थान पर है।

नाइट राइडर्स की टीम टाइटंस के 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए कप्तान अजिंक्य रहाणे (50) के अर्धशतक के बावजूद आठ विकेट पर 159 रन ही बना सकी। राशिद खान और प्रसिद्ध कृष्णा दो दो विकेट की धारदार गेंदबाजी के सामने नाइट राइडर्स की टीम कभी लक्ष्य के करीब पहुंचने की स्थिति में भी नहीं दिखी। साई किशोर, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर और इशांत शर्मा ने भी एक-एक विकेट चटकाया।

गिल शतक से चूके

गिल ने 55 गेंद में 10 चौकों और तीन छक्कों से 90 रन की पारी खेलने के अलावा सुदर्शन (52) के साथ पहले विकेट के लिए 114 और जोस बटलर (नाबाद 41) के साथ दूसरे विकेट के लिए 58 रन की साझेदारी की जिससे टाइटंस ने तीन विकेट पर 198 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। सुदर्शन ने 36 गेंद की अपनी पारी में छह चौके और एक छक्का मारा जबकि बटलर ने 23 गेंद का सामना करते हुए आठ चौके मारे।

शीर्ष पर गुजरात

यह गुजरात की आठ मैचों में छठी जीत है और वह 12 अंक लेकर शीर्ष पर बना हुआ है। गुजरात ने इस सीजन दो मुकाबले गंवाए हैं। वहीं, केकेआर की आठ मैचों में यह पांचवीं हार है और वह तीन जीत के साथ छह अंक लेकर अंक तालिका में सातवें स्थान पर है।

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का गुरबाज बो रसेल	52	36	6	1
शुभमन का रिंकू बो अरोड़ा	90	55	10	3
जोस बटलर नाबाद	41	23	8	0
तेवतिया का रमनदीप बो हर्षित	00	02	0	0
एम शाहरुख खान नाबाद	11	05	0	1
अतिरिक्त : 04, कुल : 20 ओवर में 198/3				
गेंदबाजी : अरोड़ा 4-0-44-1, मोईन 3-0-27-0, हर्षित 4-0-45-1, चक्रवर्ती 4-0-33-0, नारायण 4-0-36-0, रसेल 1-0-13-1.				
कोलकाता नाइट राइडर्स	**रन**	**गेंद**	**4**	**6**
गुरबाज पगबाधा बो सिराज	01	04	0	0
नारायण का तेवतिया बो राशिद	17	13	2	1
रहाणे स्टं बटलर बो वाशिंगटन	50	36	5	1
वेंकटेश का वाशिंगटन बो किशोर	14	19	0	0
रिंकू सिंह का गिल बो इशांत	17	14	1	1
आंद्रे रसेल स्टं बटलर बो राशिद	21	15	3	1
रमनदीप सिंह का एवं बो प्रसिद्ध	01	02	0	0
अली का शाहरुख बो प्रसिद्ध	00	02	0	0
अंगकृष रघुवंशी नाबाद	27	13	3	1
हर्षित राणा नाबाद	01	02	0	0
अतिरिक्त : 10, कुल : 20 ओवर में 159/8				
गेंदबाजी : सिराज 4-0-32-1, इशांत 2-0-18-1, प्रसिद्ध 4-0-25-2, राशिद 4-0-25-2, वाशिंगटन 3-0-36-1, किशोर 3-0-19-1.				

दिल्ली और लखनऊ में आज होगा मुकाबला

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स जब मंगलवार को यहां आईपीएल में लखनऊ सुपर जाइंट्स का सामना करेगा तो उसकी उम्मीद रहेगी कि उसके सलामी बल्लेबाज फॉर्म में लौटकर टीम को अच्छी शुरुआत देंगे। दिल्ली के सलामी बल्लेबाज वर्तमान सत्र में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसने सलामी जोड़ी के रूप में अभी तक चार बल्लेबाजों के साथ तीन संयोजन आजमाए हैं लेकिन इसके बावजूद उसकी टीम पिछले पांच मैचों में पहले विकेट के लिए 23, 34, 00, 09 और 00 रन की साझेदारी ही निभा पाई है। दिल्ली ने अब तक फाफ डु प्लेसी, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, अभिषेक पोरेल और करुण नायर को सलामी बल्लेबाज के रूप में आजमाया है लेकिन उसे अपेक्षित परिणाम नहीं मिले हैं। इसका संबंध डु प्लेसी की चोट से भी है और इस मैच से पहले दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ी की फिटनेस पर कड़ी नजर रहेगी।

खास खबर

खुद की क्षमता पर संदेह नहीं करता

मुंबई। स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा कि लंबे समय तक खराब दौर से गुजरने के बावजूद उन्होंने अपनी क्षमता पर कभी संदेह नहीं किया। इंडियन प्रीमियर लीग में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ लगाए गए अपने अर्धशतक को खुद के कौशल पर भरोसा दिखाने का परिणाम बताया। मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए रोहित ने 45 गेंद पर नाबाद 76 रन बनाए। मुंबई इंडियंस ने उनकी इस शानदार पारी की मदद से यह मैच नौ विकेट से जीता। रोहित का आईपीएल के वर्तमान सत्र का यह पहला अर्धशतक है। इससे पहले वह पिछले मैचों में 0, 8, 13, 17, 18 और 26 रन ही बना पाए थे।

गिल के लिए दबाव में प्रदर्शन करने का मौका

नई दिल्ली। अफगानिस्तान के स्टार स्पिनर राशिद खान का कहना है कि आईपीएल में प्रदर्शन का दबाव विश्व कप से अधिक है। गुजरात टाइटंस के कप्तान के रूप में शुभमन गिल के पास एक बेहतरीन कप्तान के रूप में अपनी साख साबित करने के लिए साहसिक निर्णय लेने का शानदार मौका है। गुजरात टाइटन्स में गिल की अगुआई में खेलने वाले राशिद ने अपने कप्तान की तारीफ में कहा, 'एक नेतृत्वकर्ता के रूप में शुभमन का भविष्य बहुत उज्जवल है। केवल एक बल्लेबाज के रूप में ही नहीं बल्कि जिस तरह से वह सोचता है और खेल को समझता है उसमें भी।'

भले ही हम क्वालिफाई न करें, अगले साल के लिए तैयार करेंगे 11 खिलाड़ी

मुंबई। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि उन्हें इस पर गौर करने की जरूरत है कि क्या वह सही तरह की क्रिकेट खेल रहे हैं। उन्होंने अगले साल होने वाले आईपीएल के लिए 11 खिलाड़ी तैयार करने की योजना को ध्यान में रखते हुए अपने साथियों से थोड़ा आत्ममंथन करने का आग्रह किया। धोनी ने रविवार शाम यहां आईपीएल मैच में मुंबई इंडियंस के हाथों नौ विकेट से हार के बाद कहा, ''हमारे जितने भी मैच बचे हैं उनमें हमें जीत हासिल करनी होगी। हम एक समय में केवल एक मैच पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। अगर आगे हम कुछ मैच हारते हैं, तो हमारे लिए अगले साल के लिए सही संयोजन तैयार करना महत्वपूर्ण होगा। हम बहुत अधिक खिलाड़ियों को बदलने के पक्ष में नहीं हैं। हमारे लिए अभी प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना महत्वपूर्ण है लेकिन अगर ऐसा नहीं होता तो हमारा ध्यान अगले साल के लिए 11 खिलाड़ी तैयार करना और फिर दमदार वापसी करने पर होगा।'

संशय में दृष्टिकोण

मोसेस भारत की राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी से हैरान

एजेंसी ▶▶ मैड्रिड

अमेरिकी एथलेटिक्स के दिग्गज एडविन मोसेस ने भारत की 2030 में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी में दिलचस्पी पर हैरानी व्यक्त करते हुए कहा कि यह तय करने की जरूरत है कि केवल आयोजन के लिए ऐसा किया जा रहा है या फिर इसका उद्देश्य खेलों का विकास करना है।

लगातार 107 फाइनल जीतने और 1977 से 1987 के बीच चार बार 400 मीटर बाधा दौड़ में विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले मोसेस ने कहा कि भारत को कोचिंग और बुनियादी ढांचे पर खर्च करने की जरूरत है। भारत ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए अपनी दिलचस्पी की अभिव्यक्ति जमा कर दी है। यही नहीं भारत अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति को आशय पत्र सौंपने के बाद 2036 में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए बोली लगाने की दौड़ में भी शामिल है। भारत पुरुष फुटबॉल में 2031 एएफसी एशियाई कप की मेजबानी के लिए बोली लगाने वाले सात देशों में भी शामिल है। एक ऐसा खेल जो देश में प्रदर्शन और प्रशासन दोनों के मामले में खराब स्थिति में है।

इतने बड़े देश में सफल नहीं खिलाड़ी

मोसेस को यह समझ में नहीं आ रहा था कि एक अरब से अधिक जनसंख्या वाले देश भारत में अच्छे खिलाड़ी क्यों तैयार नहीं हो पा रहे हैं। उन्होंने कहा, "यह उन लोगों पर निर्भर करता है जो खिलाड़ी रहे हैं और जो चीजों को करने में सक्षम हैं। यह भारत के लोगों को तय करना है। मैं नहीं जानता कि ऐसा क्या गलत हुआ जो एक अरब की जनसंख्या वाला देश खेलों के क्षेत्र में पिछड़ा हुआ है।'

आयोजन या खेलों का विकास

लॉरियस वर्ल्ड स्पोर्ट्स अकादमी के सदस्य मोसेस से जब पूछा गया कि क्या राष्ट्रमंडल खेलों जैसे बड़े आयोजनों की मेजबानी से बेहतर खिलाड़ी ढूंढने में मदद मिल सकती है, उन्होंने कहा, 'यह इस बात पर निर्भर करता है कि राष्ट्रमंडल खेलों के आयोजन के लिए क्या दृष्टिकोण है। क्या यह सिर्फ भारत में एक आयोजन करना है, या वास्तव में खेलों का विकास करना है? यह बड़ा सवाल होगा। आप राष्ट्रमंडल खेल या किसी अन्य बड़ी प्रतियोगिता का आयोजन कर सकते हैं। इसे बड़ी धूमधाम से आयोजित किया जा सकता है और इसमें सरकार भी शामिल हो सकती है। ऐसे लोग जिनका खेलों से कोई लेना देना नहीं होता है लेकिन वह सबसे आगे की पंक्ति में बैठते हैं। आप इससे बचना चाहते हैं लेकिन आमतौर पर ऐसा ही होता है।'

स्टार एथलीट एंडरसन पीटर्स और थॉमस लेंगे हिस्सा

बेंगलुरु में होगी नीरज भाला फेंक प्रतियोगिता

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नीरज चोपड़ा क्लासिक भाला फेंक प्रतियोगिता का पहला चरण पर्याप्त रोशनी की कमी के कारण 24 मई को पंचकुला के बजाय बेंगलुरु के कांतिरावा स्टेडियम में कराया जाएगा। इसमें कई स्टार एथलीट हिस्सा लेंगे क्योंकि एंडरसन पीटर्स और थॉमस रोहलर ने भागीदारी की पुष्टि कर दी है। ग्रेनेडा के पीटर्स दो बार के विश्व चैंपियन हैं और रोहलर 2016 ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता हैं।

चोपड़ा ने कहा, 'मैंने पाकिस्तानी ओलंपिक चैंपियन अरशद को निमंत्रण भेजा है और उन्होंने कहा है कि वह अपने कोच से चर्चा करने के बाद मुझसे संपर्क करेंगे। अभी तक उन्होंने भागीदारी की पुष्टि नहीं की है।'विश्व एथलेटिक्स द्वारा इस प्रतियोगिता को श्रेणी ए का दर्जा दिया गया है जिसने भी अपने कैलेंडर में इस

टूर्नामेंट के स्थल का नाम बदल दिया है। चोपड़ा ने कहा, 'मैं चाहता था कि यह प्रतियोगिता पंचकुला में आयोजित हो, लेकिन वहां स्टेडियम में रोशनी की व्यवस्था से संबंधित कुछ मुद्दे हैं। विश्व एथलेटिक्स अंतरराष्ट्रीय प्रसारण के लिए 600 'लक्स' (प्रकाश की तीव्रता का माप) की रोशनी चाहती थी लेकिन पंचकुला में इतनी रोशनी उपलब्ध नहीं थी और इसे तैयार करने में समय लगेगा। इसलिए इस साल हमने प्रतियोगिता को बेंगलुरु के कांतीरवा स्टेडियम में स्थानांतरित करने का फैसला किया है। मैंने कर्नाटक के मुख्यमंत्री से बात की है। टूर्नामेंट के सफल आयोजन के हर पहलू का ध्यान रखने केलिए हमारे पास जेएसडब्ल्यू की टीम है।'

चोटिल सैमसन एक मैच से बाहर जयपुर में करेंगे 'रिहैबिलिटेशन'

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान रॉयल्स ने सोमवार को पुष्टि की कि कप्तान संजू सैमसन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आगामी इंडियन प्रीमियर लीगमैच से बाहर रहेंगे क्योंकि वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच के दौरान हुए मांसपेशियों में खिंचाव से उबर रहे हैं।

सैमसन पहले ही लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ रॉयल्स के घरेलू मैच से बाहर हो चुके हैं और गुरुवार को टीम का आरसीबी के खिलाफ मैच होना है। रॉयल्स के मेडिकल स्टाफ ने सैमसन की वापसी की तारीख तय नहीं की है। रॉयल्स ने एक बयान जारी कर कहा, 'राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन फिलहाल उबरने की प्रक्रिया से गुजर रहे हैं और वह राजस्थान रॉयल्स मेडिकल स्टाफ के साथ टीम के 'होम बेस' पर ही रहेंगे। 'रिहैबिलिटेशन' प्रक्रिया के अंतर्गत वह आरसीबी के खिलाफ आगामी मैच के लिए बेंगलुरु नहीं जाएंगे। टीम प्रबंधन उनकी प्रगति पर बारीकी से नजर रख रहा है और उनकी वापसी के लिए मैच दर मैच का दृष्टिकोण अपनाएगा।'

आधिपत्य सूचना

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड

शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर

Tel: 0771-4243149/240 CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

जबकि एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश के तहत माननीय एनसीएलटी–मुंबई द्वारा अनुमोदित सम्मेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी), प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 ('उक्त अधिनियम') और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए धारा 13(2) के तहत डिमांड नोटिस जारी किए गए। उक्त अधिनियम के तहत, निम्नलिखित उधारकर्ताओं/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों से आह्वान किया गया है कि वे अपने संबंधित नामों के सामने उल्लेखित राशि का भुगतान उक्त नोटिस में उल्लेखित लागू दरों पर ब्याज सहित करें। उक्त नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिन, आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क आदि भुगतान और/या वसूली की तारीख तक।

क्रं.	ऋणी (ओं) के नाम/ कानूनी वारिस (ओं) एवं कानूनी प्रतिनिधि (यों)	बकाया राशि*	मांग सूचना की दिनांक	आधिपत्य दिनांक	अचल संपत्ति (यों) का विवरण
01.	**श्री यादव कमला सिंह**, प्लॉट–एचआईजी–31, सामान्य आवास योजना, 32 एचआईजी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पिरदा, रायपुर–492001. **श्री यादव कमला सिंह**, जी 3/11 जीएडी कॉलोनी, कचना रोड, सड्डू, रायपुर छत्तीसगढ़ 492001. **श्री यादव कमला सिंह**, पुलिस विभाग छत्तीसगढ़ पुलिस, हाउसिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड, 3/2, नोटमा विला शैलेन्द्र नगर, रायपुर छत्तीसगढ़ 492001. **श्रीमती यादव सुशीला**, प्लॉट–एचआईजी–31, सामान्य आवास योजना, 32 एचआईजी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पिरदा, रायपुर–492001. **श्रीमती यादव सुशीला**, जी 3/11 जीएडी कॉलोनी, कचना रोड, सड्डू, रायपुर छत्तीसगढ़ 492001.	₹ 19,37,356/- दिनांक 31.10.19* तक	26.11.2019	17-Apr-2025 (भौतिक कब्जा)	प्लॉट–एचआईजी–31, सामान्य आवास योजना, 32, एचआईजी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, पिरदा, रायपुर

*भुगतान और/या वसूली की तारीख तक लागू अतिरिक्त ब्याज, आकस्मिक व्यय, लागत, शुल्क आदि के साथ।

हालाँकि, चूँकि ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि देय राशि चुकाने में विफल रहे हैं, इसलिए ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों और कानूनी प्रतिनिधियों को विशेष रूप से और सामान्य रूप से जनता को नोटिस दिया जाता है कि एचडीएफसी के प्राधिकृत अधिकारियों ने धारा 13(4) के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए ऊपर वर्णित अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति(यों) पर कब्जा कर लिया है। उक्त अधिनियम ऊपर उल्लेखित तिथियों पर उक्त नियमों के नियम 8 के साथ पढ़ा जाता है।

विशेष रूप से ऊपर उल्लेखित उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी और कानूनी प्रतिनिधि और सामान्य रूप से जनता को आगाह किया जाता है कि वे उपरोक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ लेनदेन न करें और उक्त अचल संपत्ति/सुरक्षित संपत्ति (संपत्तियों) के साथ कोई भी लेन-देन एचडीएफसी के बंधक के अधीन होगा। उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा 8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

निकाले गए पंचनामा और बनाई गई सूची की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे सामान्य कार्यालय समय के दौरान किसी भी कार्य दिवस पर अधोहस्ताक्षरी से संबंधित प्रति प्राप्त करें।

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड के लिए
वास्ते
प्राधिकृत अधिकारी

स्थान–रायपुर, दिनांक : 22.04.2025

रजिस्टर्ड ऑफिस : एच.डी.एफ.सी. बैंक हाउस, सेनापती बापत मार्ग, लोअर परेल (पश्चिम), मुम्बई–400013

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India A Government of India Undertaking

शाखा: जगदलपुर, बिरझापुर (छ.ग.)

गोल्ड लोन नीलामी सूचना

विशेष कर गिरवी कर्ता एवं सामान्य जनता को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित खाता में रखे गये सोने के आभूषण को सार्वजनिक नीलामी **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, शाखा- जगदलपुर, बिरझापुर** द्वारा **दिनांक 25.04.2025** को **सुबह 11.00 बजे** से किया जायेगा। हम ऐसे डिफाल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किये जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है। गिरवीकर्ता को यह सूचित किया जाता है कि दिनांक **24.04.2025** को या उससे पहले देनदारी और अन्य शुल्कों का भुगतान कर अपने गिरवी आभूषण को मुक्त करा सकते हैं अन्यथा **25.04.2025** को शाखा में नीलाम किया जायेगा।

क्र.	शाखा	ऋण की तिथि	ऋण नम्बर	ऋणी का नाम एवं पता
01	**जगदलपुर शाखा**	**17.01.2024**	**327106540000139**	**आशा राम सेन**, लाल बहादुर शास्त्री वार्ड, आमा गुड़ा, लाल बाग, जिला- बस्तर, छत्तीसगढ़.
02	**जगदलपुर शाखा**	**17.01.2024**	**327106540000064**	**गिरिराज महावर पुत्र- खेमचंद महावर**, नं. 20 ब्रिजराज नगर, छत्रपति शिवाजी वार्ड नं. 35, जगदलपुर
03	**बिरझापुर शाखा**	**13.07.2023**	**275916540000023**	**रामहला**, खपरी, बरहापुर, दुर्ग छ.ग.-491331.

नोटः बकाया राशि में गोल्ड लोन के साथ-साथ किसी अन्य ऋण/क्रेडिट सुविधा के तहत पार्टी की सभी देनदारियां शामिल होनी चाहिए। इच्छुक बोलीकर्ता अधिक जानकारी हेतु **यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, शाखा- जगदलपुर** एवं **बिरझापुर के प्राधिकृत अधिकारी** से संपर्क करें।

दिनांकः 21.04.2025 प्राधिकृत अधिकारी, यूनियन बैंक

नए पोप की नियुक्ति की प्रक्रिया को कहा जाता है कॉन्क्लेव

वेटिकन। 12 वर्षों तक दुनिया के 1.4 अरब रोमन कैथोलिकों के आध्यात्मिक नेता रहे पोप फ्रांसिस का सोमवार को 88 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से रोमन कैथोलिक चर्च में नए पोप की नियुक्ति की परंपरागत और रहस्यमयी प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस प्रक्रिया को कॉन्क्लेव कहा जाता है। 267वें पोप के चुनने के लिए मई महीने में कार्डिनल्स की एक बैठक होगी, जिसमें वोटिंग के जरिए नए पोप का चयन किया जाएगा। जब तक नया पोप नहीं चुन लिया जाता, तब तक चर्च का संचालन कार्डिनल्स करते हैं। कार्डिनल रोमन कैथोलिक चर्च का एक उच्च अधिकारी जो पोप के बाद दूसरे स्थान पर होता है।

सफेद धुआं करेगा नए पोप का ऐलान, मई में होगी बैठक

267वें पोप के सिलेक्शन प्रोसेस में हिस्सा लेने के पात्र हैं 137 कार्डिनल्स

ऐसे चुना जाता है नया पोप

कॉलेज ऑफ कॉर्डिनल्स में 252 वरिष्ठ कैथोलिक अधिकारी होते हैं। इनमें से 137 कार्डिनल वर्तमान में 80 वर्ष से कम आयु के हैं और इसलिए वे 267वें पोप के सेलेक्शन प्रोसेस में हिस्सा लेने के पात्र हैं। पोप की मृत्यु या त्यागपत्र के बाद कार्डिनल्स को वेटिकन के सिस्टिन चैपल में बुलाया जाता है, जहां वे गोपनीयता की शपथ लेते हैं और बाहरी दुनिया से अलग हो जाते हैं। इस दौरान वे संभावित उम्मीदवारों की योग्यता पर चर्चा करते हैं। फिर वोट डालकर 2 तिहाई बहुमत के आधार पर नए पोप का चयन करते हैं।

सिस्टीन चैपल में होगी वोटिंग

वोटिंग वेटिकन की सिस्टीन चैपल में होती है, जहां माइकल एंजेलो की प्रसिद्ध पेंटिंग्स हैं। रोम के पादरी वर्ग के सदस्य के रूप में वे पोप के सलाहकार के रूप में कार्य करते हैं। सिस्टीन चैपल से जब काले धुएं के बजाय सफेद धुआं उठता है, तब दुनिया को संकेत मिलता है कि नया पोप चुन लिया गया है। सफेद धुएं के बाद एक वरिष्ठ कॉर्डिनल बालकनी पर आकर 'हबेमुस पापम' की घोषणा करते हैं, इसका अर्थ है- हमें एक पोप मिल गया है। इसके बाद नए पोप अपने चुने हुए नाम के साथ लोगों के सामने आते हैं।

यूरोपीय होगा अगला पोप!

हालांकि, सिद्धांत के अनुसार कोई भी बपतिस्मा (बैप्टिज्म) हासिल कर चुका रोमन कैथोलिक पुरुष पोप बन सकता है, लेकिन अब तक परंपरा यही रही है कि कॉर्डिनल्स में से ही किसी को चुना जाता है। 2013 में चुने गए पोप फ्रांसिस पहले दक्षिण अमेरिकी पोप थे लेकिन 266 पोपों में से अब तक 217 इटली से रहे हैं, जिससे यह संकेत मिलता है कि अगला पोप भी यूरोपीय, और संभवतः इटली से हो सकता है।

267वां पोप बनने के दावेदार

1. कार्डिनल पिएत्रो पारोलिन, इटली 2. कार्डिनल लुइस एंटोनियो टैगले, फिलीपींस 3. कार्डिनल पीटर तुर्कसन, घाना 4. कार्डिनल पीटर एर्डो, हंगरी 5. कार्डिनल मायकोला बायचोक, यूक्रेन 6. कार्डिनल पियरबतिस्ता पिज्जाबल्ला, इजरायल 7. कार्डिनल मारियो ग्रेच, माल्टा 8. कार्डिनल सर्जियो दा रोचा, ब्राजील 9. कार्डिनल कार्लोस अगुइआर रेतेस, मैक्सिको 10. कार्डिनल लाज़रस यू ह्युंग-सिक, दक्षिण कोरिया 11. कार्डिनल फ्रिडोलिन अंबोंगो बेसुंगो, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य 12. कार्डिनल माइकल चेर्नी, कनाडा 13. कार्डिनल जोसेफ टोबिन, अमेरिका।

गोवा-दमन के आर्कबिशप फेराओ भी नये पोप के लिए करेंगे मतदान : पणजी। गोवा और दमन के आर्कबिशप फिलिप नेरी कार्डिनल फेराओ ने सोमवार को कहा कि वह 'होली फादर' पोप फ्रांसिस के निधन से बहुत दुखी हैं जिन्होंने 'शांति, अंतर-धार्मिक संवाद, सामाजिक न्याय और सृष्टि की देखभाल को बढ़ावा देने के लिए गंभीर प्रयास किये।

लखनऊ हाईकोर्ट ने मांगा जवाब, सुनवाई 5 मई को

10 दिन में बताए केंद्र, राहुल भारतीय नागरिक हैं या नहीं?

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारतीय नागरिकता को चुनौती देने वाली याचिका पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई हुई। इस मामले में हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार को सख्त निर्देश देते हुए 10 दिनों के भीतर राहुल गांधी की नागरिकता के संबंध में स्पष्ट रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। कोर्ट ने केंद्र से साफ तौर पर पूछा कि यह बताइए कि राहुल गांधी भारत के नागरिक हैं या नहीं। मामले की अगली सुनवाई 5 मई को निर्धारित की गई है। सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल की गई, लेकिन कोर्ट ने इसे अपर्याप्त माना और सरकार को और स्पष्ट जवाब देने का निर्देश दिया।

यह है मामला

1 जुलाई, 2024 को कर्नाटक के वकील और भाजपा नेता एस विग्नेश शिशिर ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने राहुल के पास ब्रिटिश नागरिकता होने का भी आरोप लगाया था और राहुल की भारतीय नागरिकता रद्द करने की मांग की थी।

मुर्शिदाबाद हिंसा की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बोले जस्टिस गवई

'हम पर संसदीय कार्यों में दखल का आरोप, ऐसे में आदेश कैसे दें'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने और पैरामिलिट्री फोर्स तैनात करने की याचिका पर कोई आदेश जारी करने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ता ने अपील की थी कि वक्फ कानून के विरोध में हुई मुर्शिदाबाद हिंसा के बाद कोर्ट इस पर फैसला ले। इस पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने कोई आदेश नहीं दिया। बेंच ने याचिकाकर्ता से पूछा- क्या आप चाहते हैं कि हम राष्ट्रपति को इसे लागू करने का आदेश भेजें? हम पर दूसरों के अधिकार क्षेत्र में दखलंदाजी के आरोप लग रहे हैं। जस्टिस गवई अगले महीने सीजेआई बनने वाले हैं। याचिका पर सुनवाई करते हुए जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की पीठ कर रही थी। सुनवाई के दौरान ही जस्टिस गवई ने भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के बयान का जिक्र किया। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया।

बीजेपी सांसद ने की थी आलोचना

बता दें कि एक मामले में 8 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि की कार्रवाई को अवैध और गलत करार दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपालों के लिए उनके समक्ष प्रस्तुत विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए एक समयसीमा भी निर्धारित की थी। बाद में भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने कहा था, 'भारत के संविधान के अनुसार, कोई भी लोकसभा और राज्यसभा को निर्देश नहीं दे सकता है और राष्ट्रपति ने पहले ही इस पर अपनी सहमति दे दी है। कोई भी राष्ट्रपति को चुनौती नहीं दे सकता, क्योंकि राष्ट्रपति सर्वोच्च हैं।'

'दुबे पर केस कीजिए, हमारी अनुमति की जरूरत नहीं'

सुप्रीम कोर्ट और सीजेआई के खिलाफ टिप्पणी करने वाले भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ से वकील ने दुबे की टिप्पणियों के बारे में हाल ही में आई एक खबर का हवाला दिया और कहा कि वह अदालत की अनुमति से अवमानना याचिका दायर करना चाहते हैं। न्यायमूर्ति गवई ने कहा, 'आप इसे दायर करें। दायर करने के लिए आपको हमारी अनुमति की जरूरत नहीं है। बता दें, दुबे ने शनिवार को सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर सुप्रीम कोर्ट को कानून बनाना है तो संसद और राज्य विधानसभाओं को बंद कर देना चाहिए।

जानें याचिका में क्या मांग की गई

जस्टिस गवई की टिप्पणी दोनों बयानों का संदर्भ देती हुई लग रही है। इस बीच मुर्शिदाबाद हिंसा के संबंध में सोमवार की याचिका में केंद्र सरकार को अनुच्छेद 355 और 356 के तहत शक्तियों का प्रयोग करने का निर्देश देने की मांग की गई है। भारत की संप्रभुता और अखंडता के लिए खतरा पैदा करने वाली बिगड़ती स्थिति को ध्यान में रखते हुए ये याचिका दायर की गई है।

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप का मुंह काला करने पर एक लाख का इनाम

जयपुर। फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप द्वारा ब्राह्मण समाज के विरूद्ध की गई टिप्पणी से ब्राह्मण समाज में भारी आक्रोश है। चाणक्य सेना ने ऐलान किया है कि अनुराग कश्यप देश में जहां कहीं भी दिखेगा, उसका मुंह काला किया जाएगा। इसके लिए चाणक्य सेना ने घोषणा किया है कि अनुराग कश्यप का जो भी व्यक्ति मुंह काला करेगा, उसे 1 लाख रुपये नगद इनाम दिया जायेगा। सर्व ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश मिश्रा ने कहा कि अनुराग की टिप्पणी से ब्राह्मण समाज में रोष व्याप्त हो गया है। फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप कि ब्राह्मणों को लेकर की गई टिप्पणी के विरोध में बजाज नगर थाने में एफआईआर दर्ज की गई है।

अधिक जानकारी के लिए 7230032200 पर मिस्ड कॉल दें
#*स्कीम 30th April 2025 तक मान्य

Terms and conditions apply. #The Instant Cashback offer of ₹5100 is available on purchase of Shine100. #The offer may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. #The scheme is offered by Authorized Main Dealers and Associate Dealers and can be availed on purchase of Shine100 from Authorized Main Dealers and Associate Dealers. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, down payment, and tenure options are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. Nil Extra charges (0/- processing fee, 0/- Documentation Charge & 0/- Advance EMI) are applicable on Shine 100 model only. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. Additional Cashback offer is available on selected Honda2wheelers models for EMI transactions made using IDFC FIRST Bank credit cards through Pine Labs machines only. Customers can avail 5% cashback, up to a maximum of ₹5000/-. Valid on one transaction per card/order during the offer period. The scheme is available at selected outlets only. The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. All offers are valid until 30th April 2025. The features shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: AARANG: V Shree Honda - 9993908971, 9893728947; ABHANPUR: Patel Honda - 9009328660; BAGBHARA: Sri Sai Honda - 7697767777; BALODA BAZAR: Kiran Honda - 7049518181, 8839950369; BASNA: Laxmi Honda - 9174137571; BEERGAON: Vishwanath Honda - 9300133077; PALARI: Shri Ram Honda - 8305759763; BEMETARA: Sri Rama Honda - 8827050000, 7824222521, 8827120000; BHAKARA: Nitesh Honda - 9907975628; BHATAPARA: Kiran Honda - 9111353292; BHILAI: Aan Honda (Nehru Nagar) - 9584378238, 9826635600; Aan Honda (Powerhouse) - 9584378238, 9826635600; BIJAPUR: Ansh Honda - 9424299203; CHARODA: Rahul Honda - 9827193194; CHARAMA: Neeraj Honda - 9425230052; CHUIKHADAN: Shri Radhey Honda - 9691692500; DALLIRAJHARA: Shri Subh Honda - 7748285747, 9406082344; Shri Subh Honda(Balod)- 9425564232, 9584077772; DHAMTARI: ShriShyam Honda - 07722-233255, 9827900750; DHARSIVA: R S.Honda - 9669880000; DONGARGARH: Gagan Honda - 9806869214; DURG: Shree Sairam Honda - 8458882333; Dharamsheela Honda (Dhamdha) - 9303035678; FINGESHWAR: Bangani Honda- 9425402966; GIDHORI: Subhkamana Auto -7389320271; GUNDERDEHI: Sapan Honda - 7354340000, 0788-2628333; GURUR: Baba Honda - 9827936712; JAGDALPUR: Waheguru Honda - 7587006395, 9425590501, 8435090001; KONDAGAON: Danteshwari Honda - 9294566660; SUKMA: Akash Honda - 9424287457, 7587341845; PHARASGAON: Shri Deo Honda - 9993861735; KANKER: Shivnath Honda - 8720008800, 9644059600; KASDOL: Laxmi Honda - 8871233553; KESHKAL: Chattishgarh Honda - 9993293467; KHAIRAGARH: Akshat Honda - 9406534734; KURUD: Shri Shyam Honda - 07705223590, 8817898279; MAGALOAD: Dewangan Honda - 9098136447; MAHASAMUND: Sri Aryan Honda - 8120070000, 08964022000; NAGRI: Nahta Honda- 9424211105; NAWAGARH: Raja Honda - 9826067896; PAKHANJUR: Disha Honda - 6261666932, 9406453860, PANDUKA (GARIABAND): Shresth Honda - 8109902966; RAIPUR: A City Honda - 8871906000; G.K Honda - 8058254444, 9826142444; Grand Honda - 8889663336; Varun Honda - 9977248100; A City Honda (Bhatagaon) - 9644132000; A City Honda (Kalibadi) - 7828282600; Varun Honda (Fafadih) - 9617078000; GK Honda (Motibagh) - 8120730003; Hemant Honda (Nawapara, Rajim) - 9165460474; RAJIM: Gulab Honda - 8839708788; RAJNANDGAON: Anshdeep Honda - 07744-223100, 9425559359, 9303730201; Manraj Honda - 07744-223333, 8435999991, 8435999992; Rakesh Honda (Dongarhgaon) - 9893419781, 8815055550; Ashirwad Honda (Churiya) - 9826338415, 94242157777; Shyam Honda (Saragaon) - 8461930088; SEJBAHAR: R.S Honda - 9754123000; KHARORA: B.K Honda - 9867224777; TILDA: Agrawal Honda - 9424200104; UTAI: Ganpati Honda - 09926083389; SARAIPALI: Pukraj Honda - 8889798000.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com